शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

मूल्य : 5/-
13 मई से 19 मई, 2024
वर्ष - 3, अंक - 4

www.shauryanewsindia.co.in

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

पेज 5
स्क्रीनिंग के दौरान आमिर खान...

पेज 5
पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद...

भगवामय रही काशी : उमंग, उत्साह और आनंद से लबरेज रहा सर्वसमाज

पीएम मोदी ने नामांकन की पूर्व संध्या पर वाराणसी में निकाला रोड शो, हर हर महादेव की गूंज के साथ लगे जय श्री राम के नारे, जनता के आशीर्वाद संग करेंगे नामांकन

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी से नामांकन की पूर्व संध्या पर सोमवार को दिव्य-भव्य रोड शो निकाला। महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण से शुरू हुआ वाराणसी के सांसद नरेंद्र मोदी का रोड शो विकास रथ पर निकला, जिस पर मोदी संग महाराज योगी आदित्यनाथ व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह सवार रहे।

मोदी-योगी की जोड़ी का मैजिक समूची वाराणसी में दिखा। हर हर महादेव और जय श्री राम की जयकार के बीच स्थानीय लोगों ने अविस्मरणीय स्वागत कर यह बता दिया कि उनके बीच 56 इंच के सीने वाला दमदार व्यक्तित्व फिर से उनका प्रतिनिधित्व करने आया है। शाम पांच बजे काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सिंह द्वार पर महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना रोड शो प्रारंभ किया। लगभग ढाई घण्टे से अधिक का रोड शो काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर समाप्त हुआ। पूरे रोड शो के दौरान उनके विजय रथ पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी सवार रहे। एक तरफ रोड शो में जहां लघु भारत और उत्तर प्रदेश की संस्कृतियों की झलक दिखी, वहीं पांच किलोमीटर लंबे इस रोड शो में शंखनाद, डमरू का निनाद, रास्ते में बने मंचों पर राम दरबार, शिव परिवार का स्वरूप दिखाते कलाकारों ने अपने-अपने रंग से अपने मोदी का स्वागत किया। लगभग 100 के आसपास बने मंचों पर कलाकारों का नृत्य व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मन मोह रही थीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रोड शो अभूतपूर्व रहा। रोड शो के शुरूआत में ही पाणिनी कन्या महाविद्यालय की वेद पाठी छात्राओं ने मंत्रोच्चार किया। विकास रथ के आगे मातृशक्ति का समूह चल रहा था। पूरे रास्ते तिल रखने तक की जगह नहीं थी, था तो हर आंख में मोदी के प्रति विश्वास और लगाव। इसका कारण था कि नरेंद्र मोदी पिछले दस वर्ष में न सिर्फ काशीवासियों के सुख दुख में शामिल हुए, बल्कि आमजन की हर छोटी से छोटी जरूरतों पर उनकी नजर रही।

बहुसंख्यक समाज हो या अल्पसंख्यक, हर कोई विकास पुरुष नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की एक झलक पाने को आतुर दिखा। दोनों नेताओं ने हाथ हिलाकर, हाथ जोड़कर समूची काशी का अभिवादन भी किया।

यह पहला अवसर है, जब प्रधानमंत्री अपनी मां के साक्षात आशीर्वाद के बिन नामांकन करेंगे। लेकिन यह विश्वास है कि लाखों माताओं-बहनों का आशीर्वाद उनके साथ है। इसी आशीर्वाद की बदौलत वे न सिर्फ काशी में नया इतिहास लिखेंगे, बल्कि 'अबकी बार-400' पार कर नए भारत का पुनः नेतृत्व करेंगे। रोड शो में मोदी की भावनाओं का सम्मान करते हुए हजारों लोग मोदी का परिवार लिखा वस्त्र पहने दिखे तो हमार काशी-हमार मोदी के जरिए भी प्रधानमंत्री से अपना लगाव प्रकट किया। सड़क के दोनों तरफ, घरों की छतों से बच्चे, महिलाएं, युवा, बुजुर्ग सभी ने पुष्पवर्षा कर मोदी का स्वागत किया। छतों से लोग मोदी की आरती भी उतारते दिखे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में पूरी काशी भगवामय रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं केसरिया रंग का कुर्ता पहने रहे तो उनके बगल में योगी आदित्यनाथ भगवा कपड़े में दिखे। केसरिया वाहन पर दोनों नेता सवार रहे तो पीले गेंदे की माला इसमें चार चांद लगा रही थी।

पूरे रास्ते जहां महिलाएं भगवा रंग में रहीं तो केसरिया साफा, टोपी और केसरिया गमछा डाले लोग भी काशी की सड़कों पर दिखा। जहां तक नजर गई, सड़कें भगवा और भाजपा के झंडे से सजी दिखीं। भगवा गुब्बारा और भगवा कपड़ों से रास्ते अलग ही अनुभूति का आनंद करा रहे थे। मोदी भी गले में गमछा डाल काशी की स्टाइल में दिखे। यूं तो अविनाशी काशी का अलग ही रंग है। सुबह-ए-बनारस के लिए प्रसिद्ध काशी का विहंगम दृश्य सोमवार शाम को भी अद्भुत दिखा। शाम पांच बजे रोड शो काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सिंह द्वार से निकला रोड शो अस्सी, सोनारपुरा, बंगाली टोला, मदनपुरा, जंगम बाड़ी, गोदौलिया, बांसफाटक होते हुए काशी विश्वनाथ कॉरिडोर तक रोड शो तक गया। लगभग ढाई घंटे से अधिक के रोड शो में लाखों लोग मौजूद रहे।

काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन-पूजन

प्रधानमंत्री का रोड शो काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर समाप्त हुआ। यहां सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में उन्होंने पूजन-अर्चन कर बाबा का आशीर्वाद लिया। पूजन के उपरांत प्रधानमंत्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को नन्दी की प्रतिमा भेंट की। इस अवसर पर भी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी मौजूद रहे।

शिवकाशी की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, आठ की मौत

शिवकाशी। तमिलनाडु में गुरुवार को भयंकर विस्फोट की खबर सामने आई है। शिवकाशी के पास एक पटाखे की फैक्ट्री में ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में 8 लोगों की जान चली गई। विरुधुनगर जिले के कलेक्टर जयसेलन ने बताया कि शिवकाशी के पास पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट होने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस ब्लास्ट में 12 लोग झुलस गए। पुलिस ने कहा कि इस बात की जांच कर रहे हैं कि किस कारण से विस्फोट हुआ है। शिवकाशी देश में पटाखा बनाने का केंद्र है। इस स्थान की पटाखों, माचिस और स्टेशनरी सामानों के उत्पादन में बड़ी हिस्सेदारी है। ये विस्फोट शिवकाशी के सेंगमलापट्टी इलाके में हुआ। दोपहर करीब पौने तीन बजे पटाखों की फैक्ट्री में भीषण धमाका हुआ। जिसमें कई लोग घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।बताया जा रहा कि कुछ मजदूर मलबे में फंसे हैं। उन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू किया जा रहा है। धमाका इतना तेज था कि लोगों को भागने का मौका नहीं मिला। फरवरी 2024 में भी रामुथेवनपट्टी में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से दस लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा तब हुआ जब कर्मचारी पटाखों में रसायन मिला रहे थे।

राहुल-मोदी खुले मंच पर करेंगे बहस?

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के दौरान अगर पीएम मोदी और राहुल गांधी एक मंच पर हों और दोनों के बीच मुद्दों को लेकर बहस हो तो कैसा हो? क्या ये संभव है? लगता तो नहीं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायधीशों (जस्टिस मदन लोकुर और एपी शाह) ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बीच में सार्वजनिक बहस के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को आमंत्रित किया है। जस्टिस लोकुर और शाह के साथ-साथ द हिंदू के पूर्व संपादक एन राम ने दोनों को एक लिखा है जिसमें ऐसी चर्चा को देश के विकास में सार्थक चर्चा बताया है।

पूर्व न्यायाधीशों और एक पत्रकार ने जो चिट्ठी दोनों नेताओं को भेजी है उसमें लिखा है कि एक ऐसे मंच पर यह बहस हो जो किसी पक्ष का ना हो और ना किसी तरह कमर्शियल हो तो सोचिए कि यह देश के लिए कितनी सार्थक बहस होगी। चिट्ठी में लिखा है, हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, और पूरी दुनिया हमारे चुनावों को बहुत दिलचस्पी से देख रही है। इसलिए, इस तरह की सार्वजनिक बहस न एक बड़ी मिसाल कायम करेगी। एक स्वस्थ और जीवंत लोकतंत्र की सच्ची छवि पेश करेगी। जस्टिस मदन लोकुर और एपी शाह ने आगे लिखा कि जो सवाल हमारे नेता रैलियों और जनसभाओं में एक दूसरे से पूछते हैं उन सवालों पर दोनों आमने-सामने बात करेंगे तो कितना अच्छा होगा। जजों ने चिंता व्यक्त करते हुए लिखा कि एक दूसरे पर दिए गए बयानों से जनता तक संदेश अधूरा पहुंचता है, जनता यह हक रखती है कि उन्हें किसी भी मुद्दे के बारे में पूरी तरह शिक्षित किया जाए। कई चिंताओं को सामने रखते हुए जस्टिस मदन लोकुर और एपी शाह ने लिखा है कि दोनों नेता एक मंच पर आकर चुनाव के दौरान हावी मुद्दों पर बात करें। ये कार्यक्रम कहां होगा, कितने वक़्त का होगा और कौन इसे मोडरेट करेगा ये आपसी सहमति से तय किया जाए।

अखिलेश के आते ही भीड़ बेकाबू, बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस ने भांजी लाठियां, कई घायल

लखीमपुर खीरी। जिले में आयोजित सपा की चुनावी जनसभा में सपा मुखिया के पहुंचते ही भीड़ बेकाबू हो गई। सुरक्षा-व्यवस्था में लगी पुलिस कर्मी भी भीड़ को काबू नहीं कर सके। अखिलेश को देखने के लिए भीड़ इस कदर आगे बढ़ी कि वहां लगी बैरीकेडिंग तक तोड़ डाली। इसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और भीड़ को काबू करने के लिए लाठियां भांजनी शुरू कर दी। इस दौरान दो कार्यकताओं को भी चोट लगी। भीड़ के बेकाबू होने और उन पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज का वीडियो भी अब वायरल हो रहा है। खीरी जिले के कस्ता में गुरुवार को चुनावी जनसभा का आयोजन किया गया था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव इंडिया गठबंधन प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने के लिए पहुंचे थे।अखिलेश यादव का हेलीकॉप्टर आसमान में दिखाई दिया तो लोग उत्साहित हो उठे। भीड़ ने हूटिंग शुरू कर दी। जैसे ही अखिलेश यादव जनसभा को संबोधित करने के लिए मंच पर चढ़े तो सपा प्रमुख के समर्थन में नारेबाजी शुरू हो गई और उत्साहित लोग मंच की तरफ बढ़ने लगे। भीड़ इस कदर बेकाबू हो गई कि वहां लगी बैरीकेडिंग भी तोड़ डाली। पुलिस भीड़ को काबू करती रही लेकिन असफल रहे। बैरीकेडिंग टूटने के बाद कई कार्यकर्ता जमीन पर गिर गए। इसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभाला और भीड़ को धकियाते हुए लाठियां भांजनी शुरू कर दी। पुलिस की लाठीचार्ज में भगौतीपुर निवासी सुधीर यादव व सीतापुर जिले के भगवंतपुर निवासी अभय यादव को चोट लग गई। मौजूद लोग उन्हें पास में खड़ी एंबुलेंस तक ले गए।

NATIONAL AGRICULTURAL COOPERATIVE MARKETING FEDERATION OF INDIA LIMITED (NAFED)

NAFED's
BHARAT ATTA@ Rs 27.50/- per Kg

NAFED has commenced the sale of NAFED,s Bharat Atta, Whole Wheat Flour @ Rs. 27.50/kg under Open Market Sale Scheme (Domestic) of GoI. NAFED's Bharat Atta is available in various pack sizes. Interested buyers may visit the following locations for purchase of NAFED's Bharat atta:

Manufactured By :
MATRIX ROLLER MILL (P) LTD.
Jeevnathpur, Ramnagar, Chandauli-221110 (U.P.)

State Head : (Uttar Pradesh)
Address : Nafed Wareshouse Complex, Beside Fire Station
Chatha Meel (6th Mile Chauraha, Sitapur Road, Lucknow-226021 (U.P.)

NATIONAL AGRICULTURAL COOPERATIVE MARKETING FEDERATION OF INDIA LIMITED (NAFED)

NAFED's
BHARAT ATTA@ Rs 27.50/- per Kg

NAFED has commenced the sale of NAFED,s Bharat Atta, Whole Wheat Flour @ Rs. 27.50/kg under Open Market Sale Scheme (Domestic) of GoI. NAFED's Bharat Atta is available in various pack sizes. Interested buyers may visit the following locations for purchase of NAFED's Bharat atta:

AGRAWAL INDUSTRIES
Semra, Chandauli (U.P.)
CHANDAULI VARANASI MIRZAPUR

State Head : (Uttar Pradesh)
Address : Nafed Wareshouse Complex, Beside Fire Station
Chatha Meel (6th Mile Chauraha, Sitapur Road, Lucknow-226021 (U.P.)

शाहजहां के खिलाफ शिकायत वापस

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के कथित उत्पीड़न का मामला चर्चा में है। भाजपा एक तरफ सच को दबाने के आरोप लगा रही है को दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने विपक्षी पार्टी भाजपा पर झूठ फैलाने के आरोप लगाए हैं। तृणमूल कांग्रेस का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में चनाल आयोग से शिकायत की है। वरिष्ठ तृणमूल नेता और राज्य सरकार में मंत्री शशि पंजा ने कहा कि मनगढ़ंत डराने-धमकाने के इस घृणित कृत्य को बख्शा नहीं जाएगा। यह भी दावा किया गया है कि पीड़िताओं में एक ने शाहजहां शेख के खिलाफ दर्ज शिकायत वापस ले ली है। तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को कथित वीडियो का जिक्र कर कहा, भाजपा के एक स्थानीय नेता ने कई महिलाओं से कोरे कागजों पर हस्ताक्षर कराए। बाद में इसे टीएमसी नेताओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतों के रूप में पेश किया गया। इस वीडियो क्लिप के वायरल होने से पहले पार्टी के एक स्थानीय पदाधिकारी ने दावा किया था कि इस प्रकरण के पीछे पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी का हाथ था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तृणमूल नेता शशि पंजा ने कहा, 'महिलाएं अब कह रही हैं कि उनसे झूठी शिकायत दर्ज करवाने के लिए कहा गया था। महिलाएं अपनी शिकायत वापस लेना चाहती हैं। सुवेंदु अधिकारी ने बांकुरा में एक रैली की जहां उन्हें तृणमूल की महिला कार्यकताओं का विरोध झेलना पड़ा। सुवेंदु अपना आपा खो बैठे और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया।

पित्रोदा के बयान पर योगी का हमला

लखनऊ। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सैम पित्रोदा द्वारा दक्षिण भारतीयों की तुलना अफ्रीकी व पूर्वोत्तर के लोगों की तुलना चीनी लोगों से करने के बयान ने कांग्रेस पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। विवाद बढ़ता देखकर बुधवार की शाम पित्रोदा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सैम पित्रोदा के बयान की निंदा करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला है। सीएम योगी ने कहा है कि कांग्रेस का इतिहास हमेशा से बांटने का रहा है। चाहे वो 1947 का समय हो या वर्तमान में। आइए जानते हैं कि सीएम योगी ने और क्या कुछ कहा है।

सीएम योगी ने कहा कि ये कांग्रेस के बुद्धिदाता (थिंकटैंक) हैं। तो सैम पित्रोदा स्वभाविक रूप से कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को ही बता रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने तो हमेशा सत्ता के लिए देश को बांटा है। 1947 में भारत को बांटने के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। आजादी के बाद भी कांग्रेस ने भारत को जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर बांटने का पाप किया है। सीएम योगी ने कहा कि सैम का बयान निंदनीय है। कांग्रेस को स्वयं के कृत्यों के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। वह देश को

चमड़ी और रंग के आधार पर बांटने का प्रयास कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि देश के सामने इस खतरनाक साजिश का पदार्फाश हो रहा है जो कांग्रेस की खतरनाक मंशा को दिखाता है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे सनातन देश में जो 140 करोड़ भारतवासियों को अपमानित करने वाला जो ये बयान है उसके लिए कांग्रेस को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। सैम पित्रोदा ने कहा था कि भारत में दक्षिण के लोग अफ्रिकियों जैसे दिखाई पड़ते हैं।

टूर्नामेंट में खिलाड़ियों का दिखा हुनर

वाराणसी। दो-दिवसीय टेबल टेनिस टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों ने अपने-अपने उम्र वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। दो-दिवसीय टूर्नामेंट में अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15 और अंडर-17 शामिल हैं। कार्यक्रम का समापन वाराणसी टेबल टेनिस की सचिव सरिता गोकर्ण द्वारा किया गया। टूर्नामेंट के मुख्य निर्णायक सौम्या सिन्हा (अंतर्राष्ट्रीय अंपायर) रहे। प्रतियोगिता का आयोजन सीड अकादमी के प्रांगण मे किया गया।

सरिता वी. गोकर्ण (सचिव वीडीटीटीए) ने बताया कि युवा खिलाड़ियों में उम्र वर्ग अंडर-11 गर्ल्स की प्रतियोगिता में कृष्णा झुंझुनवाला (सनबीम अन्नपूर्णा) ने पहला स्थान हासिल किया और नवगता साहनी (सनबीम वरुणा) ने दूसरे स्थान पर अपनी प्रतियोगिता पूरी की। उम्र वर्ग अंडर-13 गर्ल्स की प्रतियोगिता में जिया पेशवानी (स्प्रिंट अकादमी) ने पहला स्थान अपने नाम किया और संस्कृति श्रीवास्तवा (सनबीम सारनाथ) ने दूसरे स्थान को अपने नाम किया। उम्र वर्ग अंडर-15 गर्ल्स में सीड अकादमी की सौम्या सिंह ने अपने अकादमी की अनोखी केशरी हराकर पहला स्थान प्राप्त किया। उम्र वर्ग अंडर-17 गर्ल्स की प्रतियोगिता में सीड अकादमी की सौम्या सिंह को परास्त कर अनोखी

केशरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। उम्र वर्ग अंडर-11 बॉयज प्रतियोगिता में सक्षम यादव (सनबीम सनसिटी) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ पहला स्थान हासिल किया। सीड अकादमी ने शाश्वत यादव दूसरे स्थान को अपने नाम किया। उम्र वर्ग अंडर-13 बॉयज की प्रतियोगिता में स्प्रिंट अकादमी के दिव्यान्श कुमार ने सनबीम सनसिटी के देव त्रिपाठी को हराकर पहला स्थान हासिल किया। दोनों ही उम्र वर्ग अंडर-15 और अंडर-17 बॉयज में सनबीम सनसिटी के पार्थ प्रभाकर ने अक्षज सिन्हा को हराकर शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया। यह टेबल टेनिस टूर्नामेंट बेहद उत्साहपूर्वक और सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ विजेताओं को पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। आयोजकों ने टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

मजदूरों की जगह मशीन होती तो बच जाती चार जिंदगियां!

चंदौली। डीडीयू नगर में सेप्टिक टैंक की सफाई के प्रयास में चार लोगों की मौत से पूरे जनपद में हड़कंप मचा हुआ। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि यदि सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई मैन पावर की जगह मशीन से होती तो शायद तीन मजदूरों की जान के साथ ही भरत लाल जायसवाल के इकलौते पुत्र की जान बच जाती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिसका खामियाजा चार लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। दिलचस्प यह कि डीडीयू नगर पालिका के पास सफाई के लिए दो प्रेशर मशीनें हैं। बावजूद इसके भरत लाल जायसवाल के सेप्टिक टैंक की सफाई मजदूरों से कराई गई। अब सवाल यह उठता है कि यदि नगर पालिका के पास दो मशीनें है ंऔर दोनों चालू हालत में हैं तो उसे सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए क्यों नहीं इस्तेमाल किया गया। मशीन की जगह मजदूरों को इस काम में क्यों इस्तेमाल में लाया गया, जो इतनी बड़ी घटना की वजह बनी। आरोप है कि सेप्टिक टैंक सफाई करने के लिए नगर पालिका में आवेदन करना पड़ता है जिसका निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद सफाई की जाती है। लोगों का कहना है कि

आवेदन के बाद नगर पालिका के कर्मचारी आवेदनकर्ता के यहां पहुंच कर पाइप की लम्बाई कम होने का हवाला देते हैं, जिस कारण मजबूरी में मशीन की जगह मजदूरों से सफाई के लिए राजी हो जाते हैं। इस बाबत नगर पालिका परिषद के ईओ रोहित सिंह ने बताया कि सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए दो मशीनें है। इसके साथ 80 से 100 मीटर की पाइप लगी होती है अधिक दूरी होने पर अतिरिक्त शुल्क देने पर लंबी पाइप लगाई जाती है। बात नगर पंचायत चंदौली व सैयदराजा की करें तो दोनों निकायों में एक-एक मशीनें हैं और दोनों क्रियाशील स्थिति में है, जिसके उपयोग के लिए टोल फ्री नंबर पर काल करना पड़ता है। चकिया नगर पंचायत में प्रेशर मशीन है, जो पिछले एक साल से खराब पड़ी है। ऐसे में वहां भी ऐसी स्थिति में मशीन की जगह मजदूरों को लगाया जाता है। बात शुल्क की करें तो डीडीयू नगर में प्रेशर मशीन से सफाई कराने का चार्ज एक चक्र का एक हजार निर्धारित है।

वहीं चंदौली में पूरे सेप्टिक टैंक की सफाई का चार्ज दो हजार रुपये रखा गया।

मृतकों के परिजनों को आपदा कोष से मिले 4 लाख रुपये

मुगलसराय में एक साथ चार लोगों की मौत का मामला संज्ञान में आने के बाद जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे व पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार जिला चिकित्सालय पर पहुंचे। इस दौरान मृतक के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की गई। इसके साथ ही प्रशासन व पुलिस को आवश्यक सहयोग हेतु निर्देशित किया गया। दुखद घटना में प्रत्येक मृतक के परिजनों को आपदा कोष से 04-04 लाख रुपये सहायता राशि प्रदान की गई। इसके अलावा मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजनों को जिला प्रशासन द्वारा सहायता राशि प्रदान की गई। उपजिलाधिकारी विराग पांडेय ने बताया कि शासन के निर्देश पर प्रत्येक मृतक के परिवार को

दस-दस हजार रुपए की सहायता राशि उपलब्ध करा दी गई हैं।

मुगलसराय में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से हुई 3 सफाईकर्मियों व मकान मालिक के पुत्र की मौत की घटना से केंद्रीय मंत्री डा.महेंद्रनाथ पांडेय मर्माहत दिखे। इस दौरान उन्होंने दुख की इस घड़ी में मृतक परिजनों को ढांढस बंधाया। साथ ही हर संभव मदद का भरोसा भी दिया। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डा. महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि घटना की गंभीरता से जांच के विषय पर डीएम से बात हुई व मृतकों के परिजनों को 4 लाख की सहायता राशि एवं अंत्येष्ठी के लिये अलग से राशि सुनिश्चित किए जाने को कहा गया है। साथ ही मुख्यमंत्री से पीड़ित परिजनों को और अधिक आर्थिक सहायता के लिए अनुरोध किया। कहा कि हर एक स्तर पर पीड़ित परिवार की मदद की जायेगी।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल ने मृतक परिवार को शोक संवेदना व्यक्त किया। पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

हादसे से बुझ गया भरत लाल के घर का इकलौता चिराग

संतोष अग्रहरी

डीडीयू नगर। नगर क्षेत्र के न्यू महल लाठ नंबर दो सेप्टिक टैंक सफाई के दौरान निकली गैस चार की जिंदगी छीन लिया। भरत लाल जायसवाल की न्यू महल में कबाड़ी की दुकान है। जिसको एक पुत्र और एक पुत्री है। भरत को क्या पता था कि सेप्टिक टैंक की सफाई में उसका इकलौता पुत्र मौत के आगोश में चला जाएगा। मृतक की मां चंदा देवी रोटी-रोटी कई बार बेहोश हो गई। आसपास के लोगों ने उसके मुंह पर पानी के छींटे मार मार कर होश में लाने का प्रयास करती रही।

पिता की छोटी बहन का रो-रोकर बुरा हाल था। वहीं पिता भी बेसुध व बेहाल पड़े हुए थे। घटित घटना को लेकर पूरे नगर क्षेत्र में बस यही चर्चा होती रही। क्षेत्र के नई सट्टी न्यू महाल में सेप्टिक टैंक में उतरे तीन मजदूरों की जहरीली गैस के

चलते दम घुटने से मौत हो गई। इस दौरान इकलौता पुत्र भी काल के गाल में समा गया।

सेप्टिक टैंक से निकलती है मिथेन गैस सेप्टिक टैंक के कचरे व सीवरेज में बनने वाली गैस का प्रमुख घटक मीथेन है, जो उच्च सांद्रता में अत्यंत विषैला हो जाता है। मीथेन गैस के संपर्क में आने से आंखों में जलन, गले में खरास, सांस की तकलीफ और खांसी और अधिकता से तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) प्रभावित हो जाता है। घुटन, सिरदर्द और चक्कर के साथ गैस की अधिकता फेफड़े और मस्तिष्क पर प्रभाव डालती है, जो मृत्यु कारण बन जाता है।

संक्षेप समाचार...

चकिया एसडीएम के आदेश को नहीं मानते लेखपाल

इलिया। थाना क्षेत्र के भुड़कुड़ा व रामपुर में गांव के लोगों के निकासी व किसानों के खेतों पर जाने के लिए सरकारी चकरोड को काट कर कुछ किसानों ने खेतों में मिला लिया है। जिसपर क्षेत्र पंचायत सदस्य पवन कुमार ने क्षेत्र पंचायत के कार्य योजना में विकास कार्य हेतु कई चकरोड का नाम प्रस्ताव में दिया है। जिसपर गांव के विकास के लिए कार्य कराना ग्रामीणों के हित में बहुत ही जरूरी है। मौके पर जब क्षेत्र पंचायत द्वारा चकरोड पर कार्य कराया जाने लगा तब गांव के कुछ लोग द्वारा मौके पर आकर कार्य करने से मना कर दिया गया। जिसके बाद क्षेत्र पंचायत सदस्य पवन कुमार द्वारा बीते 16 अप्रैल को तहसील में उपस्थित होकर उपजिलाधिकारी चकिया को चकरोड की पैमाइश के लिए प्रार्थना पत्र देकर नापी कराने की मांग की। चकरोड नापी के आदेश के 25 दिन का समय गुजर जाने बाद भी क्षेत्रीय लेखपाल दिनेश कुमार द्वारा अब तक चकरोड नहीं नापा गया। जिसपर गांव वालों का कहना है कि लेखपाल के इस लापरवाही के चलते गांव में विकास कार्य ठप पड़ा है।

प्रभु के भजन व सत्संग से मनुष्य को मिलती है मुक्ति

चहनियां। चहनियां स्थित कस्बा में जय गुरुदेव के अनुयायियों द्वारा भजन व सत्संग का आयोजन हुआ। आयोजक सीताराम चौरसिया ने जय गुरुदेव के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया। भजन सत्संग के पश्चात भंडारे में प्रसाद वितरण किया गया। सत्संग में अनुयायी रामलखन गुप्ता ने कहा कि जब महापुरुष की दया होती है तभी जीव को चौरासी लाख योनियों से मुक्ति मिलती है। मनुष्य का जन्म सबसे उत्तम होता है । बड़े भाग्य से मनुष्य का जन्म होता है। इसलिए हर मनुष्य समय निकालकर भजन व सत्संग करें। तुलसीदास जी कहते है कि बिन सन्त संग ज्ञान न होई। सत्संग सुनने से दुष्ट प्रवत्ति वाला व्यक्ति वाला भी सदाचारी हो जाता है। जब तक आप सत्संग नहीं करते तब तक पूजा पाठ में मन नहीं लगता है। इस अवसर पर त्रिभुवन गुप्ता, विनोद सिंह, मुन्ना यादव, बच्चन, राम निहोर, रामबली यादव, नन्दलाल आदि रहे।

जयंती पर याद किए गए महाराणा प्रताप

नियामताबाद। लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय दीनदयाल उपाध्याय नगर के पं पारसनाथ तिवारी नवीन परिसर में गुरुवार को महाविद्यालय में महाराणा प्रताप जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डा. दीपक मिश्र ने कहा कि महाराणा प्रताप मुगल सम्राट अकबर के खिलाफ हल्दीघाटी की प्रसिद्ध लड़ाई लड़ी, जिसमें उन्होंने वीरता और दृढ़ संकल्प का अद्भुत प्रदर्शन किया। महाराणा प्रताप को उनके साहस, वीरता और अटूट देशभक्ति के लिए याद किया जाता है, वे युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। संचालन धनंजय राय व धन्यवाद ज्ञापन डा कामेश सिंह ने दिया। राहुल, सुरेंद्र, विनीत, अतुल के साथ छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व पर डाला प्रकाश

कन्दवा। क्षेत्र के बरहनी स्थित मां मंशा देवी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरुवार को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। लोगों ने महाराणा प्रताप के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया। प्रबंधक सुनील सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास की गौरवपूर्ण विभूति हैं। जब संसार में वीरता, स्वाभिमान और देश भक्ति का उल्लेख होगा, तब उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दिखाई देगा। इस दौरान प्राचार्य डॉ समर बहादुर सिंह, अशोक वर्मा, उमेश सिंह, अरुण कुमार आदि लोग रहे।

वांछित अभियुक्त को पुलिस ने पकड़ा

बबुरी। वांछित वारंटी अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे गिरफ्तारी अभियान के तहत गुरुवार को बबुरी थानाध्यक्ष अनिल कुमार पाण्डेय ने मुड़हुआ गांव निवासी अभियुक्त वारण्टी कन्हैया पाण्डेय को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के विरूद्ध न्यायालय की ओर से गैरजमानती वारंट जारी किया गया था। अभियुक्त को उसके घर मुड़हुआ से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

स्कूली बच्चों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

सकलडीहा। लगातार मतदाता जागरूकता रैली निकाली जा रही है। इस क्रम में बीएसए के निर्देश पर कंपोजिट विद्यालय सकलडीहा में स्वीप कार्यक्रम के तहत गुरुवार को सुबह मतदाता जागरूकता रैली निकाला गया। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चे और शिक्षकों ने पूरे कस्बा में भ्रमण कर मतदान के लिये प्रेरित किया। कंपोजिट विद्यालय सकलडीहा के बच्चों ने जागरूकता रैली निकालकर कस्बे का भ्रमण किया। अंत में जागरूकता रैली विद्यालय पहुंचकर समाप्त हुई। कार्यक्रम में एक जून के लिये घर से निकलकर अपने मत का प्रयोग करने के लिये प्रेरित किया गया। इस मौके पर प्रधानाध्यापिका उर्मिला देवी, सुरेश गौतम, संगीया जायसवाल, सुशीला सिंह यादव, मीरा टाईगर, मुर्सरत जहां,विनय कुमार सहित अन्य रहे।

आत्महत्या की नियत से लगाई छलांग

चहनियां। तीरगांवा सैदपुर पुल से 23 वर्षीय युवती माया ने आत्महत्या की नीयत से गंगा में छलांग लगा दी। शोर मचाने पर मछुआरों ने युवती की जान बचायी। बताते हैं कि नदेसर गांव निवासी नागेंद्र मौर्या की पुत्री माया मौर्या गुरुवार की शाम को सैदपुर तीरगांवा पक्का पुल से गंगा नदी में आत्महत्या की नियत से छलांग लगा दिया। पुल से गुजर रहे राहगीरों द्वारा हो हल्ला मचाने पर गंगा में मछली मार रहे मछुआरों ने तत्परता दिखाते हुए उसे बाहर निकाल लिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस और परिजनों ने उसे इलाज के लिए नजदीक के अस्पताल ले गये।

शांति व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट

सकलडीहा। चुनाव को लेकर नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गया है। जिसको लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने को लेकर पुलिस लगातार भ्रमण शील है। गुरूवार को सीओ रघुराज के निर्देशन में कोतवाली पुलिस ने सकलडीहा और डेढ़ावल चौकी अर्न्तगत कस्बा में पैदल गश्त करते हुए दर्जनों वाहनों की सधन तलाशी किया। इस दौरान कई वाहनों से काली पट्टी उतरवाया गया। तीन सवारी और बगैर हेलमेट चलने वालों वाहन चालकों को चेतावनी देते हुए कार्रवाई किया। इस बाबत सीओ रघुराज ने बताया कि चुनाव आचार संहिता का सख्ती से पालन कराया जायेगा। इस मौके पर कोतवाल संजय कुमार सिंह, एसआई धर्मदेव सिंह, राणा प्रताप यादव, संदीप तिवारी, बंटी सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

मानदेय कटौती से बिजली संविदा कर्मियों में आक्रोश

चहनियां। कस्बा व मारूफपुर विद्युत उपकेंद्र पर तैनात आठ संविदा कर्मियों का मानदेय कटने से कर्मियों में आक्रोश व्याप्त है। इसे लेकर कर्मियों ने एसडीओ से भी शिकायत किया। चहनियां स्थित विद्युत उपकेंद्र पर तैनात संविदा कर्मी शिवमोहन, सुक्खू मौर्या, कृष्णा मौर्या, अमृत लाल व मारूफपुर विद्युत उपकेंद्र पर तैनात विनोद यादव, धर्मेंद्र यादव, अजय मौर्या, नरेंद्र मिश्रा का 6 दिन का मानदेय विभागीय स्तर पर काट दिया गया है। संविदा कर्मियों का कहना है कि हम लोग किसी न किसी आवश्यक कार्यवश बाहर गये थे। मानदेय मात्र 8 हजार रुपये महीने है, जबकि विभाग में सबसे ज्यादा खतरा का काम हमलोग ही देखते है। खम्भे पर विजली आने पर कई संविदा कर्मियों का या तो अंग भंग हो गया है या फिर जान से हांथ धोना पड़ा है। जब दूसरे लोग नहीं रहते है तो हमलोग भी उनकी ड्यूटी करते है, ताकि आमजन मानस परेशान न हो।

तीन प्रत्याशियों ने भरा पर्चा, चार ने लिया नामांकन पत्र

कलेक्ट्रेट में नामांकन करते भागीदारी पार्टी के उम्मीदवार।

शौर्य न्यूज इंडिया

चंदौली। सातवें चरण के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गुरुवार को तीन प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंच कर जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे से प्राप्त किया। वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे, ताकि किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो सके। लोकसभा चंदौली संसदीय क्षेत्र 76 से गुरुवार को तीन प्रत्याशियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन कक्ष में पहुंचकर जिला निर्वाचन अधिकारी को अपना नामांकन पत्र दिया। इसमें निर्दल के रूप में लियाकत अली, समझदार पार्टी से राम गोविंद के अलावा भागीदारी पार्टी पी से सोमनाथ अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं दूसरी मनोज कुमार प्रजापति (निर्दल), सिद्धार्थ प्रान बाहु (निर्दल), धर्मेन्द्र कुमार सिंह (निर्दल), कुलकर्णी देवा (निर्दल) के रूप में नामांकन पत्र लिया। नामांकन कक्ष के आसपास के अलावा बाहर भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। यही नहीं नामांकन स्थल का एडिशनल एसपी विनय कुमार ने भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बिना जांच-पड़ताल के नामांकन स्थल के अंदर प्रवेश न करने दिया जाए। चुनाव आयोग की जो गाइडलाइन है उसका पालन अवश्य कराया जाए, ताकि नामांकन प्रक्रिया सकुशल संपन्न कराए जा सके।

बसपा प्रत्याशी ने अंतिम यात्रा में हुए शामिल

चंदौली। मुगलसराय में मध्यरात्रि को हुए हादसे से सभी को झकझोर कर रख दिया। घटना के बारे में जिसने भी सुना मर्माहत हो उठा। यही वजह रही कि रात को ही जिसने घटना को सुना मौके पर पहुंच गया। इस दौरान लोगों ने घटना में मृत लोगों के जीवन को बचाने का अंतिम क्षण तक भरपूर प्रयास किया। इसमें स्थानीय लोगों व पुलिस की संयुक्त भागीदारी रही। इस दौरान से न केवल मुगलसराय, बल्कि पूरा जनपद के लोग आहत नजर आए। ऐसे में पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही मृतकों के शव उनके घर पहुंचे। उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इसी कड़ी में बसपा उम्मीदवार सत्येंद्र मौर्य ने मृतक परिजनों को ढांढस बंधाया और अंतिम क्षण तक पीड़ित परिजनों के साथ मुश्तैदी से डंटे रहे। उन्होंने अंतिम यात्रा में शामिल होकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की और शव को कांधा भी दिया। घटना के बाद उन्होंने दुख व्यक्त किया। कहा कि घटना से पीड़ित परिवारों को हुई अपूरणीय क्षति की भरपाई नहीं हो सकती, लेकिन दुख की इस घड़ी में परिवारों को सहारा देकर उनके दुख-दर्द को जरूरत बांटा जा सकता है।

परिजनों को दी 50 हजार की मदद

चहनियां। क्षेत्र के मथेला स्थित गांव में प्रगतिशील नाई समाज के आह्वान पर आग से पीड़ित भाइयों रामअवध शर्मा व राकेश शर्मा से वाराणसी के सैलून एसोशिएशन ट्रस्ट व जनकल्याण विकास फाऊंडेशन ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मिलकर हाल जाना। दोनों ट्रस्ट के लोगों ने मिलकर राशन, नकद व मकान बनाने के लिए बिल्डिंग मैटेरियल का सामान दिया। घोषणा किया कि आगे भी मदद करेंगे।

बताते हैं कि मथेला गांव में 25 अप्रैल गुरुवार को राकेश शर्मा एवं रामअवध शर्मा के रिहायशी मकान में आग लगने व सिलेंडर फटने से घर गृहस्थी का सामना, अनाज एवं लाखों रुपए के जेवरात एवं नकदी का नुकसान हो गया था। एक बार फिर प्रगतिशील नाई समाज चहनियां के आग्रह पर वाराणसी के सैलून एसोसिएशन ट्रस्ट के अध्यक्ष आनन्द शर्मा व जनकल्याण विकास फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा ने मिलकर 17 हजार नकद, बिल्डिंग मैटेरियल व अनाज देकर दोनो भाइयों का मदद किया। दोनों ट्रस्ट के अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से कहा कि अगलगी में नुकसान हुए भाइयों का भरपूर सहयोग किया जायेगा। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल में प्रगतिशील नाई समाज चहनियां के अध्यक्ष बुलबुल सलमानी, बसंत शर्मा, विजय कुमार, अजय शर्मा, महेंद्र शर्मा, दीपचंद, प्रदीप शर्मा, आशीष शर्मा, विजय प्रताप आदि उपस्थित थे।

जनसुनवाई में पुलिस को मिली 21 शिकायतें

चंदौली। जनसुनवाई के क्रम में एसपी डा. अनिल कुमार ने नेतृत्व में गुरुवार को चंदौली सहित जिले के सभी पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा जनता दर्शन में आए फरियादियों की समस्याएं व शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान कुल 21 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें पारिवारिक व दहेज सम्बंधी 04, भूमि विवाद सम्बंधी 04, साइबर सम्बंधी 03 एवं अन्य 10 शिकायतें प्राप्त हुई। शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण का प्रयास किया गया। अन्य विभागों से सम्बंधित प्रकरणों में सम्बंधित विभाग से समन्वय कर शीघ्र ही निस्तारण किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई व महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित व शिकायतकर्ता को अनावश्यक रुप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही सभी को यह भी निर्देश दिये गये कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें।

केंद्रीय मंत्री पर लगाया दबंगई का आरोप

चंदौली। कलेक्ट्रेट में नामांकन करने के बाहर आए इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को बड़ा व सनसनीखेज आरोप लगाया। उन्होंने भाजपा उम्मीदवार व केंद्रीय मंत्री पर नामांकन कक्ष में दबंगई व आचार संहिता का जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के समक्ष खुलेआम उल्लंघन करने का आरोप लगाया। कहा कि इस मुद्दे पर पर विधिक विचार-विमर्श करने के बाद चुनाव आयोग से इसकी शिकायत करेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप अपने प्रस्तावकों के साथ नामांकन कक्ष में नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया को पूर्ण कर रहे थे, तभी केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री व भाजपा उम्मीदवार डा.महेंद्रनाथ पांडेय नामांकन कक्ष में आए और उन्होंने साइत का हवाला देते हुए जबरन जिला निर्वाचन अधिकारी को अपने नामांकन पत्र का एक सेट पर्चा पकड़ा लिया।

स्टेटिक मजिस्ट्रेट व पुलिस बल ने की वाहनों की जांच

शहाबगंज। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले में निष्पक्ष,भयमुक्त वातावरण में लोकसभा चुनाव को लेकर प्रशासन ने कमर कस लिया है। संदिग्ध स्थानों पर चेकिंग अभियान भी तेज कर दिया।

चुनाव आते ही शराब तस्करी, अवैध असलहों, चुनाव सामग्री व कालेधन का प्रवाह बढ़ जाती है। जो चुनाव को बड़े स्तर पर प्रभावित करते हैं। इसके रोकथाम का कार्य प्रारंभ हो गया है। चुनाव आयोग के निर्देश पर विशुनपुरा पुल पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट मुरली श्याम की टीम संदिग्ध वाहनों पर नजर रख रही है जिससे अवैध सामान का आवागमन नहीं होने पाएं। गुरुवार को स्टेटिक मजिस्ट्रेट मुरली श्याम ने पुलिस बल के साथ के विशुनपुरा चौराहे पर चार पहिया वाहनों की सघन चेकिंग किया। स्टेटिक मजिस्ट्रेट मुरली श्याम ने बताया कि मतदान तक सघन चेकिंग अभियान जारी रहेगी।

इस दौरान जो भी संदिग्ध गाड़िया और चुनाव सामग्री मिलेगी उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर उपनिरीक्षक रमेश कुमार सिंह, राकेश कुमार यादव,महिला कांस्टेबल गीता सहित आदि मौजूद रहे।

लोकसभाः सपा व भाजपा समेत आठ उम्मीदवारों ने किया नामांकन

चंदौली। लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर नामांकन स्थल पर शुक्रवार को पूरे दिन भारी गहमागहमी रही। इस दौरान भाजपा उम्मीदवार व केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डा.महेंद्रनाथ पांडेय व इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह ने नामांकन किया। महेंद्रनाथ पांडेय ने जहां दो सेट में अपना पर्चा भरा। वहीं इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी ने तीन सेट में नामांकन किया। इसके अलावा कुल आठ प्रत्याशियों ने नामांकन किया। इस दौरान नामांकन स्थल पर सुरक्षा के मद्देनजर कड़े बंदोबस्त किए गए थे।

कलेक्ट्रेट में सुबह 11 बजे से नामांकन का कार्य आरंभ हो गया। नामांकन प्रक्रिया को सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। कलेक्ट्रेट के मुख्य प्रवेश द्वार सहित परिसर में पुलिस तैनात रही। प्रत्येक व्यक्ति की गहन जांच के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी जा रही थी। नामांकन स्थल से दो सौ मीटर की दूरी पर

लगाए गए बैरियर पर ही उम्मीदवारों व उनके प्रस्तावकों की जांच के बाद अंदर प्रवेश की अनुमति दी जा रही थी। वहीं किसी प्रकार की भीड़ एकत्रित नहीं होने को लेकर पुलिस बल चक्रमण करता रहा। सातवें चरण के नामांकन के मद्देनजर शुक्रवार को सर्वप्रथम इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार वीरेंद्र सिंह अपने प्रस्तावकों के साथ नामांकन स्थल पहुंचे। उनके साथ बतौर प्रस्ताव सपा जिलाध्यक्ष सत्यनरायन राजभर व सकलडीहा विधायक प्रभु नारायण सिंह यादव नामांकन कक्ष पहुंचे। इसके बाद भाजपा उम्मीदवार डा.महेंद्रनाथ पांडेय अपने प्रस्तावकों के साथ नामांकन कर पहुंचकर पर्चा भरा और बाहर आकर अपनी प्राथमिकताओं को गिनाने के लिए चंदौली के विकास के वादे व संकल्प को दोहराया। शुक्रवार को कुल आठ प्रत्याशियों ने नामांकन भरा, जिसमें जनता राज पार्टी से लक्ष्मी नारायण, मौलिक अधिकार पार्टी से राजेश विश्वकर्मा, भारतीय जवान किसान पार्टी से दिलीप कुमार, राष्ट्रीय जन संचार दल से दीपेन्द्र सिंह, निर्दल उम्मीदवार लक्ष्मण, देवारु व सरदार पटेल सिद्धांत पार्टी से अरविंद कुमार पटेल शामिल रहे। वहीं पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी से रामचन्दर चौहान, अखिल भारत हिन्दू महासभा पार्टी से मणि शंकर सिन्हा, आजाद समाज पार्टी से विजय व निर्दल उम्मीदवार दल सिंगार ने नामांकन पत्र लिया। दोनों प्रत्याशियों के नामांकन में समर्थकों की अत्यधिक भीड़ होने के कारण जाम की भी स्थिति बन गई थी।

सपा या भाजपा किसके लिए शुभ होगी अक्षय तृतीया

चंदौली। लोस चंदौली से चुनाव लड़ने वाले रण बांकुरे एक-एक कर नामांकन कर चुनावी रण में उतरते जा रहे हैं। शुक्रवार को नामांकन की चौथा दिन है और अक्षय तृतीया जैसा शुभ मुहूर्त भी। ऐसे में भाजपा सांसद व केंद्रीय मंत्री तथा चंदौली से भाजपा उम्मीदवार डॉ.महेंद्रनाथ पांडेय अपनी जीत की हैट्रिक के लिए इस शुभ मुहूर्त को चुका है, ताकि वे नामांकन के साथ ही सीधे चुनावी रण में उतर कर अपनी जीत को सुनिश्चित कर सके। इसके लिए उन्होंने अक्षय तृतीय जैसे शुभ दिन को नामांकन के लिए चुना है। इसके अलावा इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह भी अपनी चुनावी लड़ाई को सकारात्मक दिशा देने की सोच के साथ अक्षय तृतीया को नामांकन करने कलेक्ट्रेट स्थित नामांकन कक्ष पहुंचेंगे। दोनों ही उम्मीदवार अपनी-अपनी चुनावी लड़ाई की आधिकारिक शुरूआत अक्षय तृतीय के शुभ अवसर पर करने जा रहे हैं। देखा जाए तो दोनों धुर विरोधी दल के उम्मीदवार अच्छी सोच के साथ अक्षय तृतीया के अवसर पर नामांकन करके चुनावी रण में उतरने जा रहे हैं। लेकिन यह अक्षय तृतीया किसी एक के लिए ही शुभ साबित होगी और वह भाग्यशाली प्रत्याशी कौन होगा? इस सवाल का जवाब एक जून को ईवीएम में कैद हो जाएगा और जब चार जून को जैसे ही ईवीएम का पिटारा खुलेगा, तब उस भाग्यशाली प्रत्याशी के भाग्य जीत की खुशी होगी। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन जो भी कार्य किए जाते हैं उसका फल शुभ प्राप्त होता है। खैर! इसे लेकर एक तरफ जहां भाजपा शुक्रवार को अपने प्रत्याशी के नामांकन को भव्य, शानदार व ऐतिहासिक बनाने में जुटी रही। वहीं समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के लोग भी अपने उम्मीदवार के नामांकन को यादगार बनाने के लिए प्रयासरत नजर आए। वहीं जिला प्रशासन भी भारी गहमागहमी को लेकर सतर्क नजर आया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी इस को लेकर फिक्रमंद व गंभीर नजर आए कि चुनाव आयोग के नियम-आदेश का कहीं किसी के द्वारा उल्लंघन न होने पाए। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ महेंद्र पांडेय ने बताया कि सभी पात्र नागरिकों को मत देने और जागरूक निर्णय लेने का अधिकार प्राप्त है। मत का प्रयोग करके एक सशक्त एवं सहभागी लोकतंत्र का निर्माण कर सकते हैं। इस दौरान उप प्रधानाचार्य राजीव कुमार सिंह, संजय श्रीवास्तव ,अरुण कुमार, योगेश सिंह आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर एनसीसी के छात्र-छात्राओं ने मतदाता नृत्य भी प्रस्तुत किया। विद्यालय के स्काउट प्रभारी मोहम्मद फिरोज खां के निर्देशन में छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूकता पर रंगोली भी बनाया तथा नुक्कड़ नाटक का भी मंचन किया। रंगोली प्रतियोगिता में चयनित छात्राओं को प्रधानाचार्य के द्वारा प्रोत्साहन दिया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के डॉक्टर रवि शेखर शर्मा, मयंक मोहन सिंह, डॉक्टर दिनेश कुमार, डॉ राजकिशोर यादव, राजेश यादव, वेद प्रकाश ,अमन कुमार सिंह, अमरेंद्र सिंह, योगेश सिंह, जयशंकर सिंह आदि रहे।

मतदान के पांच दिन पहले ही मिले मतदाता पर्ची

प्रेक्षक ने क्रिटिकल बूथों का निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा, बैठक कर कर्मचारियों को दिया निर्देश

भदोही। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 78-भदोही संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के पर्यवेक्षण हेतु नियुक्त प्रेक्षक-सामान्य प्रेक्षक बी जांन त्लंगतिनखुम द्वारा विधानसभा ज्ञानपुर के विभिन्न क्रिटिकल बूथों का औचक निरीक्षण करते हुए सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं का स्थलीय अवलोकन किया गया। सामान्य प्रेक्षक बी जांन त्लंगतिनखुम ने विधानसभा ज्ञानपुर में तहसीलदार ज्ञानपुर अजय सिंह के साथ उच्च प्राथमिक विद्यालय केशवपुर सरपतहा ज्ञानपुर सहित विभिन्न मतदान केदो व बूथों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक ने क्रिटिकल बूथ पर किए गए व्यवस्था माइक्रोआब्जर्वर, वेवकास्टिंग, सीसीटीवी, सीपीएमएफ सुरक्षा बल आदि बिंदुओं पर गहनता से निरीक्षण करते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। 25 मई मतदान के दिन मतदाताओं के सुविधा के दृष्टिगत मतकेन्द्रो पर आधारभूत सुविधाओं को परखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने निर्देश दिया कि बीएलओ के माध्यम से सभी मतदाताओं को मतदान तिथि के 5 दिन पहले ही मतदाता पर्ची सूची व वोटर गाइडलाईन अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दिया जाये। जिससे मतदाताओं को यह स्पष्ट रहें कि उनका मतदान किस मतदान केन्द्र के किस बूथ पर पड़ना है।

इसी क्रम में व्यय प्रेक्षक शशिभूषण व पुलिस प्रेक्षक सन्ध्या रानी मेहता द्वारा भी आवश्यक निरीक्षण कर स्थलीय तैयारी का अवलोकन करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए।

पुल नहीं तो वोट नहीं, किया प्रदर्शन

गोपीगंज। भदोही के कोइरौना थाना अन्तर्गत कोनिया के ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा कर दिया है। शुक्रवार दिन में 11 बजे सैकड़ों की संख्या में लोग डेंगुरपुर धनतुलसी गंगा घाट पहुंचें और पुल निर्माण को लेकर प्रदर्शन किया, नारेबाजी करते हुए लोगों ने कहा 'कोनिया मांगे पक्का पुल पुल नहीं तो वोट नहीं'। कोनिया क्षेत्र में पुल नहीं होने से ग्रामीण एमपी बिहार काशी प्रयाग मिर्जापुर जाने के लिए 125 किलोमीटर से भी ज्यादा दूरी तय कर रहें हैं यही वजह है कि 25 मई को होने वाले मतदान का बहिष्कार करने की घोषणा ग्रामीणों ने कर दिया है।पिछले दिनों जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम विशाल सिंह ने नायब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल की संयुक्त टीम भेजकर जनता की मांग को शासन तक पहुंचाने और मतदान में हिस्सा लेने के लिए आग्रह किया था, जिसपर ग्रामीण सात दिनों के भीतर ठोस कार्यवाही पर वोट देने को तैयार हुऐ थे, लेकिन तय समय बीतने पर कुछ भी सामने न आने से कोनिया क्षेत्र के लोग मतदान बहिष्कार पर अडिग हैं। आजादी से आज तक हर सरकार के साथ रह चुके कोनिया क्षेत्र के लोग अब झूठे दिलासो पर रूठे नजर आ रहे हैंनक्शे पर देखा जाय तो कोनिया क्षेत्र को एक टापू जैसा है जो तीन ओर से गंगा की धारा से घिरा हुआ है,बाढ़ के दिनों में यह क्षेत्र डूब जाता है 1978 के बाढ़ में पुरा कोनिया गंगा के मुख्य धारा में था कटरा के आगे के सभी गांव पूर्ण रूप से गंगा के भीतर समाहित थे।

अदम्य धैर्य की मूर्ति हैं परशुरामः हरिशंकर

बैरिया। नागाजी सरस्वती विद्या मंदिर भोजपुर, बैरिया में शुक्रवार को भगवान परशुराम की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। वंदना के उपरांत प्रधानाचार्य हरिशंकर ने बताया कि सनातन धर्म में परशुराम जयंती बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसी दिन अक्षय तृतीया भी मनाई जाती है। कहा कि यह शुभ दिन भगवान परशुराम के जन्म का प्रतीक है। उन्हें विष्णु का छठवां अवतार माना जाता है। हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन परशुराम जयंती मनाई जाती है। कहा कि ग्रंथों के अनुसार सतयुग में जब भगवान विष्णु ने एक ब्राह्मण कुल में जन्म लिया तो उनका नाम राम रखा गया। वह भगवान शिव के परम भक्त थे। शिवजी ने उनकी अराधना से प्रसन्न होकर उन्हें अपना परशु नामक अस्त्र दिया तो उनका नाम परशुराम हो गया। परशु नामक अस्त्र उनका मुख्य अस्त्र बन गया। परशुराम अदम्य धैर्य की मूर्ति हैं। उनसे हमें यह शिक्षा मिलती है कि अपनी शक्ति व सामर्थ्य का उपयोग अन्याय के विरुद्ध करना चाहिए। शक्ति अन्याय रोकने के लिए है, प्रदर्शन करने के लिए नहीं। शक्ति को अन्याय में लगाने पर हमारा विनाश ही होगा। वह महान पिता भक्त के रूप में भी जाने जाते हैं।

आकर्षक झांकियों के साथ निकली शोभायात्रा : रतसर। क्षेत्र के जनऊपुर गांव स्थित हनुमान मंदिर परिसर में शुक्रवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम की विशेष पूजा अर्चना की गई। सुबह मंदिर परिसर में देवी-देवताओं के आह्वान के साथ पूजन किया गया। सुंदरकांड का पाठ हुआ। हवन के बाद श्रद्धालुओं ने धर्म पताकाओं के साथ आकर्षक झांकियों से सुसज्जित शोभायात्रा निकाली। शिक्षाविद पं. प्रेम नारायन पाण्डेय ने कहा कि समाज में ब्राह्मण का एक अलग सम्मान है। इनकी पहचान भगवान परशुराम द्वारा स्थापित आदर्शों से है। इसे धुमिल न होने दें। पाश्चात्य संस्कृति के मोह से न बंधे। उन्होंने भारतीय संस्कृति के आधार पर जीवन जीने पर बल दिया।

बाबा परशुराम युवा मंच के अध्यक्ष सक्षम पाण्डेय ने कहा कि हमेशा से संपूर्ण समाज का प्रतिनिधित्व ब्राह्मण समाज ने ही किया है। आज हम सभी को आत्म अवलोकन करने की आवश्यकता है। जनऊ बाबा साहित्यिक संस्था निर्झर के संयोजक पं. धनेश शास्त्री ने कहा कि हम सब भगवान परशुराम के वंशज हैं। परशुराम जयंती मनाना तभी सार्थक होगा, जब भगवान परशुराम के पदचिन्हों पर चलकर उनके आदर्शों को आत्मसात किया जाए।

सपा में शामिल हो सकते हैं भाजपा सांसद रमेश बिंद

गरमाई सियासत

मीरजापुर से सपा प्रत्याशी ने वीडियो जारी कर दिया बयान

भदोही। लोकसभा भदोही सीट से भाजपा के वर्तमान सांसद डॉ. रमेशचंद बिंद समाजवादी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। भदोही सांसद ने व्हाट्सएप प्रोफाइल पर सपा के साइकिल का फोटो लगा लिया है। फिलहाल अभी उनके अन्य सोशल प्लेटफार्म अकाउंट पर बीजेपी का बैनर व 'मोदी का परिवार' ही अपडेट है। सूत्र बता रहे हैं कि वह मिजार्पुर सीट से सपा के बैनर से चुनाव लड़ सकते हैं।

मिजार्पुर से सपा प्रत्याशी ने वीडियो जारी कर बयान दिया कि भदोही के सांसद सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के सम्पर्क में हैं। व्हाट्सएप डीपी बदलते ही सियासी गलियारों में हलचल बढ़ गई है। उधर भदोही से सपा विधायक जाहिद बेग ने बदली हुई डीपी के आधार पर रमेशचंद बिन्द को बधाई दे दी है। कहा है कि साइकिल की डीपी लगाना समाजवादी पार्टी में वर्तमान भदोही के सांसद के शामिल होने का प्रमाण है। समाजवादी विधारधारा से जुड़ने पर उन्होंने डॉ. रमेश चन्द का स्वागत किया है। सपा विधायक ने बयान में कहा है कि रमेशचंद बिन्द की पिछड़े वर्ग खास तौर से बिन्द केवट मल्लाह जाति के लोगों पर अच्छी पकड़ है, उनके सपा में आने से भदोही, मिजार्पुर सहित पूर्वांचल की कई सीटों पर असर पड़ेगा। बता दें कि भदोही लोकसभा सीट से सांसद डॉ. रमेशचन्द बिन्द का बीजेपी ने इस बार टिकट काटकर मझवां के निषाद पार्टी के विधायक डॉ. विनोद कुमार बिंद को प्रत्याशी बनाया है। सपा की साइकिल थामकर रमेश चंद बिन्द माना जा रहा है कि अनुप्रिया पटेल के सामने मिजार्पुर से चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। साल 2019 में उन्होंने बीजेपी का दामन थामा, जिसके बाद बीजेपी ने भदोही के वर्तमान सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त का टिकट काटकर रमेशचंद बिन्द को मौका दिया।

रोड पर वाहनों की कतार, सांसत में गुजरा शुक्रवार

शौर्य न्यूज इंडिया

गाजीपुर। लोकसभा चुनाव के लिए कचहरी इलाके में जगह-जगह बैरियर लगा कर चार पहिया के साथ ही दोपहिया वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने की वजह से लोगों को शुक्रवार को जगह-जगह जाम के झाम का सामना करना पड़ा। एक तरफ जहां गाजीपुर-वाराणसी मार्ग पर लोगों को एक घंटे तक भीषण जाम झेलना पड़ा, वहीं नवापुरा मार्ग पर भी घंटों आवागमन करने वालों को जाम की जहमत से परेशान होना पड़ा। लोकसभा चुनाव के लिए कलेक्ट्रेट में सात मई से नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई।

नामांकन कार्य में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो, इसके लिए प्रशासन की तरफ से अफीम फैक्ट्री, पुलिस क्लब तिराहा, सिद्धेश्वर नगर तिराहा, पुलिस कार्यालय तिराहा, सैनिक कल्याण बोर्ड तिराहा और पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास बैरियर लगा कर चार पहिया वाहनों के साथ ही बाइकों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसकी वजह से अन्य मार्गों पर आवागमन का दबाव बढ़ गया। इसका परिणाम यह है हुआ कि कई मार्गों पर लोगों को जाम की जकड़न में जकड़ना पड़ा। सिटी रेलवे स्टेशन, बाईपास मार्ग, सिंचाई चौराहा से लंका चुंगी, गाजीपुर-वाराणसी मार्ग पर सुबह से ही जाम का झाम शुरू हो गया।

देखते ही देखते दोनों तरफ काफी लंबी दूरी तक वाहनों की लाइन लग गई। तेज धूप में पसीना बहाते हुए जाम में फंसे लोग आवागमन सुचारु होने का इंतजार करने लगे। मौजूद पुलिस कर्मी को आगे-पीछे कराते हुए जाम समाप्त कराने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद आवागमन सुचारु कराया गया। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। उधर इससे पहले चार पहिया वाहनों का संचालन होने वाले नवापुरा मार्ग पर आवागमन का इस कदर दबाव बढ़ा कि सुबह दस बजे से लेकर शाम तीन बजे तक कई बार जाम की वजह से वाहनों के पहिये की कौन कहे, लोगों के पैर भी थम गए। भीषण जाम में लोग हांफते रहे। तमाम बाइक सवार गलियों से होकर अफीम फैक्ट्री कालोनी होते हुए किसी तरह से जाम से निकलते रहे। परेशान लोग प्रशासन की व्यवस्था को कोसते रहे।

सपा में गुंडों को मिलता था संरक्षणः बृजेश

गाजीपुर। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विपक्षी पार्टी सपा पर हमला करते हुए कहा कि जब-जब समाजवादी पार्टी सत्ता में रही है। प्रदेश में लुटेरे, लफंगे, गुंडे, माफिया सत्ता के संरक्षण में आगे बढ़े हैं। योगी सरकार ने प्रदेश को माफिया मुक्त बनाने का काम किया है। उक्त बातें लंका मैदान मे भाजपा और जनतांत्रिक गठबंधन के प्रत्याशी पारसनाथ राय के नामांकन सभा को सम्बोधन के दौरान कहे। उन्होंने लोकसभा चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि पिछली बार 2019 लोकसभा चुनाव में गठबंधन के कारण गड़बड़ी हुई थी। लेकिन इस बार मजबूती के साथ हम लोग चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में सबका सम्मान और अधिकार सुरक्षित है। मगर अखिलेश यादव सर्व समाज को ठोकर मारकर बाहर करने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में यादव समाज आज ठगा महसूस कर रहा है। भाजपा एक जाति विशेष की पार्टी नहीं बल्कि सर्व समाज की पार्टी है। कोई बता दे कि भाजपा का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा यह कोई नहीं बता सकता। लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बारे में लोग बता सकते हैं, अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा।

उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि 56 वर्ष की उम्र में हमारे यहां शादी तो नहीं होती। आज आह्वान करते हुए उन्होंने कहा की जाति,धर्म, संप्रदाय से ऊपर उठकर एक तरफा वोट भाजपा प्रत्याशी पारस नाथ राय को मिलना चाहिए। गाजीपुर की तस्वीर और तकदीर बदलना है तो हमें यह तुलनात्मक अध्ययन करना है। एक तरफ मोदी और एक तरफ गठबंधन जो लूट खसोट घोटाले के लोग हैं। पारसनाथ राय एक शिक्षक है जो जो देश को दिशा दिलाने का काम करते हैं। लंका मैदान में आयोजित नामांकन सभा में मंत्री दयाशंकर सिंह, मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, राज्यसभा सांसद डा संगीता बलवंत, विशाल सिंह चंचल, राकेश त्रिवेदी,अभिनव सिन्हा, राजीव गुंबर, सपना सिंह, सरिता अग्रवाल, केदारनाथ सिंह, सुनीता सिंह, डॉ राजकुमार सिंह गौतम, आर पी कुशवाहा, रामराज बनवासी, योगेंद्र सिंह, प्रवीण सिंह, आदि उपस्थित रहे।

गड़बड़ा धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

हलिया। शुक्रवार को अक्षय तृतीया पर्व एवं परशुराम जयंती पर विकास खंड के सुप्रसिद्ध गड़बड़ा धाम में जगत जननी मां शीतला के दरबार में भोर से ही भक्तों की कतारें लग गई। हजारों भक्तों ने मां शीतला माता का दर्शन पूजन किया। मंगल आरती के बाद पुरुष महिला भक्त हाथ में नारियल चुनरी प्रसाद लिए कतार में लगकर मां की एक झलक पाने के लिए जुट गए। घंटा घड़ियाल, शंख और जयकारे से पूरा मंदिर परिसर मां के जयकारे से गुंजायमान हो गया। भक्तों ने परिक्रमा के दौरान मंदिर के पीछे शिलापट्ट में अंकित शीतला चालीसा पाठ पढ़ा। माता के दरबार में पहुंचकर दर्शन पूजन के बाद सत्यनारायण व्रत कथा सुनी। मंदिर पुजारी मंगल धारी मिश्र ने बताया कि लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं में मां के दरबार में पहुंचकर दर्शन पूजन किया। दर्शनार्थियों ने दर्शन पूजन कर बांस के बर्तन लकड़ी के सामान लाई जलेबी सहित श्रृंगार के सामान खरीदा।

मिर्जापुर में सपा प्रत्याशी के नामांकन पर लगा ब्रेक

मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के पूर्व घोषित प्रत्याशी राजेंद्र एस एस बिंद को फिर वापस बुलाया जा सकता है। घोषित कार्यक्रम के तहत 10 मई को राजेंद्र एस बिंद को नामांकन करना था। निमंत्रण के साथ ही सारी तैयारी कर ली गई थी। गुरुवार की शाम उस पर ब्रेक लगा दिया गया। चर्चा है कि जिले के मझवां विधान सभा सीट से राजनीति का ककहरा सीखने वाले पड़ोसी जनपद से रिटर्न होकर जिले में आ रहे हैं। पड़ोसी जिले के पूर्व सांसद चुनावी जंग में ताल ठोक सकते हैं। सपा के बैनर तले लोकसभा से चुनाव लड़ने की इच्छा के साथ लखनऊ में डेरा डालकर बैठे हैं। सपा ने वर्ष 2019 में राजेंद्र एस बिंद को जिले से प्रत्याशी घोषित किया था। जबकि वह अपने गृह जनपद से टिकट मांग रहे थे। जिन्हें चुनावी चर्चाओं के बीच वापस बुलाकर राम चरित्र को मैदान में उतारा गया था। भाजपा के साथ चुनावी रण में उतरी अपना दल की अनुप्रिया पटेल को 5,91,564 वोट मिला था। जबकि समाजवादी पार्टी के रामचरित्र 3,59,556 वोट पाकर दूसरे स्थान पर रह गए थे। वर्ष 2014 के चुनाव में भाजपा के साथ एनडीए गठबंधन के साथ मैदान में पहली बार उतरी अनुप्रिया पटेल को 4,36,536 वोट मिला। विधायक रमेश बिन्द की पत्नी समुद्रा बिन्द बसपा को 2,17,457 वोट मिला था। कभी बसपा के बैनर तले राजनैतिक अखाड़ा के दांव पेंच सीखने के बाद भाजपा परिवार का अंग रहे सांसद जिले से सपा प्रत्याशी बनकर हुंकार भर सकते हैं। भाजपा छोड़कर सपा का दामन थाम चुनावी रण में सपा प्रत्याशी के ताल ठोकने से चुनावी समीकरण बदल सकता है।

मातृ दिवस पर बच्चों ने प्रस्तुत किया कार्यक्रम

आजमगढ़। करतालपुर स्थित जीडी ग्लोबल स्कूल में मातृ दिवस कार्यक्रम भव्यता के साथ मनाया गया। विद्यालय की निदेशिका स्वाति अग्रवाल, प्रधानाचार्या मोनिका सारस्वत पाण्डेय ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन किया। तत्पश्चात बच्चों ने अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उसके पश्चात कक्षा एक के नन्हें-मुन्हें बच्चों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया।

विद्यालय के चारों सदन के छात्र-छात्राओं ने क्रमशः ह्यराम आएंगे, मीठे रस, है कथा संग्राम की, ओ पालनहारेपर मनमोहक गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में आयी हुई सभी माताओं ने रैंप वॉक का भी आनंद लिया। नेप्च्यून हाउस की छात्राओं भाविका, यशी और वीनस हाउस की छात्राओं आरवी, साक्षी तथा मार्स हाउस की छात्राओं अनुष्का, श्रेया एवं यूरेनस हाउस की छात्राओं राजवर्धन, अनिकेत ने एकल गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को जीवंत बनाया।

जनरल आब्जर्वर ने किया बूथों का निरीक्षण

मेंहनगर (आजमगढ़)। लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 के मद्देनजर 69 सदर आजमगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के जनरल आब्जर्वर (प्रेक्षक) विजय चन्द्रकान्त राठौर व पुलिस आब्जर्वर लक्ष्मन निम्बार्गी द्वारा 352 मेहनगर विधान सभा क्षेत्र के क्रिटिकल, वनेर्बुल,माडल व पिंक बूथों का निरीक्षण किया गया। साथ ही स्थायी निगरानी टीमों व उड़नदस्ता टीमों के कार्यों का निरीक्षण कर दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान बूथ संख्या 6 व 7 कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय रानीपुर रजमो, बूथ संख्या 103,104 प्राथमिक विद्यालय गौरा, बूथ संख्या 18,19 इंटर कालेज मंगरवा रायपुर व बूथ संख्या 245 प्राथमिक विद्यालय खरिहानी का निरीक्षण कर निर्देशित किया गया कि गर्मी को देखते हुए सभी बूथों पर मतदान के दिन छाया, पेयजल की समुचित व्यवस्था व साफ सफाई की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान मतदेय स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया गया। नरीक्षण के दौरान एसडीएम रामानुज शुक्ल, तहसीलदार अभिषेक सिंह,थाना प्रभारी गम्भीरपुर बसंत लाल, मेंहनगर संजय कुमार सिंह, तरवां प्रदीप कुमार के अलावा सुपरवाइजर व बीएलओ तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

बनो देश के भाग्य विधाता अब जागो-जागो मतदाता : बिलरियागंज ब्लॉक क्षेत्र के शेरपुर महवी न्याय पंचायत शिक्षा क्षेत्र के आधा दर्जन विद्यालयों के छात्र छात्राओं द्वारा शुक्रवार को स्कूल चलो अभियान और मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को जागरूक किया गया। जिसमें प्राथमिक विद्यालय शेरपुर महवी, जय समाज जूनियर हाई स्कूल शेरपुर महवी, प्राथमिक विद्यालय रूद्रपुर, प्राथमिक विद्यालय भटौली, प्राथमिक विद्यालय चैबे बरोही और कंपोजिट विद्यालय सिंघवारा खास आदि शामिल रहे। छात्र-छात्राओं द्वारा हाथ में स्कूल चलो अभियान और मतदाता जागरूकता अभियान का स्लोगन लेकर और बीच-बीच में नारा लगाकर लोगों को जागरूक किया गया। चलो-चलो स्कूल पुकारे, आओ आओ पढ़ लो प्यारे। आधी रोटी खाएंगे, स्कूल पढ़ने जाएंगे। वहीं मतदाता जागरूकता के लिए बनो देश के भाग्य विधाता, अब जागो जागो मतदाता। छात्रों के साथ-साथ विद्यालयों के शिक्षकों की टोली भी चल रही थी। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष राकेश सिंह, प्रधानाध्यापक चंद्रशेखर सिंह, प्रधानाध्यापक राकेश तिवारी, अनिल सिंह, अनिल तिवारी, पंकज दुबे, गोपाल शुक्ला और दिनेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए करें मतदान : नगर पालिका के भीमबर रोड अकबरपुर बिलरियागंज स्थित रेनबो नेशनल स्कूल के प्रांगण में शुक्रवार को मतदाता जागरूकता अभियान एवं शिक्षा का अधिकार पर सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जविलत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि अपर जिला जज एवं सचिव(विधिक सेवा प्राधिकरण) धनंजय कुमार मिश्रा एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला प्रोबेशन अधिकारी ध्रुव कुमार त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम में समस्त छात्र-छात्रा, शिक्षक एवं अभिभावक शामिल थे। मुख्य अतिथि का स्वागत विद्यालय के प्रबंधक डॉ.जेपी पाण्डेय ने किया। मुख्य अतिथि धनंजय कुमार मिश्रा ने कहा कि लोगों को घरों से निकलकर अधिक संख्या में मतदान करना चाहिए जिससे भारत का लोकतन्त्र मजबूत बने।

उचक्कों ने बाइक की डिक्की से उड़ाया नगदी समेत आभूषण

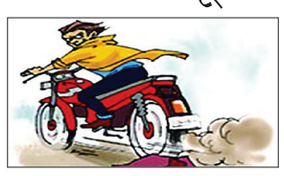

मीरजापुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के धुंधी कटरा मोहल्ले में गुरुवार की रात दुकान पर चाट खा रहे आभूषण व्यवसायी के बाइक की डिक्की से उचक्का नगदी व आभूषण लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की छानबीन की। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से मिले सुराग से उचक्के की तलाश में पुलिस जुट गई है। लालगंज निवासी राहुल आभूषण व्यवसायी है। वह गुरुवार को मीरजापुर खरीदारी करने आया था। रात लगभग सवा नौ बजे शहर के धुंधी कटरा मोहल्ले में एक दुकान पर पहुंचा और बाइक सड़क किनारे खड़ी कर दुकान पर चाट खाने लगे। उसी दौरान उचक्के आभूषण व्यवसायी के बाइक की डिक्की खोलकर उसमें रखा नगदी व आभूषण लेकर भाग निकले। व्यवसायी जब सब्जी खरीदने के बाद रखने के लिए डिक्की देखा तो उसके होश उड़ गए। नगदी व आभूषण गायब थे। पीड़ित ने तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की छानबीन की। घटनास्थल के आस-पास दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज की जांच की। एक सीसीटीवी कैमरे में उचक्कागिरी की घटना कैद हो गई थी। पुलिस फुटेज से उचक्के की फोटो निकालकर तलाश में जुट गई है। इस संदर्भ में शहर कोतवाल बालमुकुंद ने बताया कि घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद है। फुटेज के आधार पर उचक्के की तलाश की जा रही है। व्यवसायी की डिक्की से 360 ग्राम चांदी, अंगूठी व 40 हजार रुपये नगदी गायब है।

'सरकार की कथनी और करनी में भेद न हो'

वाराणसी। लोकसभा चुनाव को लेकर महापर्व शुरू हो चुका है। प्रत्याशियों के नामांकन का सिलसिला भी शुरू हो गया है। चुनाव को लेकर हर पार्टी के प्रत्याशियों के बीच होड़ लगी हुई है। हर कोई अपनी-अपनी जुगत बैठाने की फिराक में लग गया है। कहां से किसको शिकस्त दिया जाय इसको लेकर जोड़तोड़ की राजनीति शुरू हो गई है। मतदाता भी मतदान करने के लिए धीरे-धीरे खुद को तैयार करने में लगे हुए हैं। इसको लेकर मतदाताओं को जागरुक भी किया जा रहा है। नई सरकार को लेकर युवाओं के साथ ही महिलाओं व विशिष्ट नागरिकों में उत्साह है। इनमें साहित्यकार, रचनाकार, कवि, लेखक भी हैं। नई सरकार को लेकर शहर के साहित्यकार, लेखक, कवि व रचनाकार क्या सोचते हैं इस संदर्भ में जनसंदेश टाइम्स ने उनसे राय जानने की कोशिश की। प्रस्तुत है साहित्यकारों व रचनाकारों,लेखकों के विचार। प्रसिद्ध लेखिका व वरिष्ठ साहित्यकार नीरजा माधव ऐसी सरकार चाहती हैं जो राष्ट्र को सुव्यवस्थित शासन द सके। उसकी कथनी और करनी में अंतर न हो। सरकार जो कुछ भी कहे उसे वह पूरा करे। अपने किये हुए वायदों पर अमल करे। कहा कि हमारे देश में बेरोजगारी, शिक्षा एक चुनौती की तरह है। इन सब मुद्दों पर भी नई सरकार को सोचना होगा। अब तो संस्कृति को अपसंस्कृति में ढालने का षड़यंत्र चल रहा है। सरकार ऐसी बनें जो भारतीय मूल्यों की फिर से स्थापना कर सके। वरिष्ठ साहित्यकार व लेखिका डा. मुक्ता का मानना है कि सरकार ऐसी बनें जो जनता के बारे में सोचे। वैसे भी बनारस में कई समस्याएं हैं। आज हालात यह है कि मध्यम वर्ग और भी गरीब होता जा रहा है। महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार के आंकड़े लगातार बढ़ते जा रहे हैं। नई सरकार को महिलाओं के बारे में भी सोचने की जरुरत है। इसके साथ ही बेरोजगारी भी मुद्दा है। सोच विचार पत्रिका के संपादक नरेन्द्रनाथ मिश्र का कहना है कि हम ऐसी सरकार चाहते हैं जो बनारस को और भी सम्पन्न बना सके। यहां के युवाओं को रोजगार मिल सके। यहां पर अधिक से अधिक औद्योगिक ईकाइयां गठित हो। बनारस का जो विकास हो उसके मूलभूत स्वरूप की सुरक्षा करते हुए किया जाय। सीनियर सिटीजन की जो सुविधाएं पहले थी और बंद कर दी गई उन्हें फिर से बहाल की जाय। साथ ही उन्हें चिकित्सा सुविधा व अन्य मूलभूत सुविधाएं दी जाय। वरिष्ठ साहित्यकार व लेखक,पत्रकार डा. कविन्द्रनारायण का कहना है कि जो भी सरकार बनें वह सबसे पहले समाज में जो अपसंस्कृति उत्पन्न हो रही है। उसको कत्म करने के लिए कारगर कदम उठाये। अपसंस्कृति की जड़ से तमाम बुराइयां समाज में पैदा हो रही है। जो आने वाली नई पीढ़ी को लिए खतरनाक साबित होगी। गरीबी-बेरोडगारी तो एक अलग मुद्दा है। लेकिन चंद निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा जो भारतीय संस्कृति को नष्ट करने की कोशिश की जा रही है उससे समाज में बिखराव पैदा हो रहा है। इससे समाज टूटने के कगार पर आ गया है। सबसे खराब हालत को समाज के बुर्जुगों की है। इस समय देश में 30 करोड़ वरिष्ठ नागरिक हैं जो बिलकुल असहाय है। इनकी सुरक्षा व पोषण के लिए नई सरकार को एक कारगर कानून बनाना चाहिए। वरिष्ठ साहित्यकार व रचनाकार सुरेन्द्र वाजपेयी का कहना है कि पांच साल के बाद जो चुनाव आता है वह लोकतंत्र का महापर्व के रूप में जाना जाता है। जिसमें जनता अपने सुख-दुःख के साथ नेताओं का चयन करती है।

शुद्ध पेयजल का सवाल बनेगा चुनावी मुद्दाः आईपीएफ

शौर्य न्यूज इंडिया

सोनभद्र। भीषण गर्मी में जनपद में पेयजल संकट गहरा गया है। बहुतायत हैंडपंप, कुंए एवं अन्य स्त्रोत सूख चुके हैं। दुर्गम क्षेत्रों में तो स्थिति तो बेहद ही नाजुक है। कहीं पर एक किमी दूर से पानी लाना पड़ रहा है। टैंकरों द्वारा की जा रही पेयजलापूर्ति अपर्याप्त साबित हो रही है। शहरी क्षेत्र तक में लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। चुआड़, बांध, कच्चे कुओं, बरसाती नालों से प्रदूषित पानी पीना लोगों की विवशता है। फ्लोराइड युक्त पानी पीने से म्योरपुर, चोपन और अन्य ब्लाकों में लोग विकलांग हो रहे है। आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के प्रदेश महासचिव दिनकर कपूर ने यह बातें करमा ब्लॉक के केकराही, खैराही और हिंदवारी गांव में आयोजित जनसंपर्क व संवाद में कहीं। प्रदेश महासचिव ने कहा कि मानवाधिकार आयोग के हस्तक्षेप के बाद गांव में लगाए गए आरओ प्लांट ज्यादातर खराब पड़े हुए हैं। उनको ठीक करने की जिम्मेदारी ना तो जल निगम लेता है और ना ही ग्राम पंचायत। हालत इतनी बुरी है कि जनपद के कई विद्यालयों में सरकारी आदेश के बावजूद फिल्टर युक्त पानी नहीं दिया जा रहा, जिससे बच्चों के अंग खराब हो रहे हैं। इसलिए इस चुनाव में शुद्ध पेयजल का मुद्दा राजनीतिक मुद्दा बनेगा जिस पर जनता में सभी दलों को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी। आजादी के 75 साल बाद भी सोनभद्र के आम नागरिक शुद्ध पेयजल के अभाव में अपनी जिंदगी गंवाते हैं। सरकारें चाहे जिसकी भी रही हो इस सवाल को हल नहीं किया गया। रिहंद बांध के किनारे बसे हुए तमाम गावों में आए दिन ग्रामीण और बच्चे प्रदूषित पानी के पीने के कारण मरते हैं।

संपादकीय

1857 : काल की शिला पर क्रान्ति

1857 के वर्ष का भारतीय इतिहास में एक विशिष्ट स्थान है। यह वह वर्ष है, जिसे भारतीय वीरों ने अपने शौर्य की कलम को रक्त में डुबो कर काल की शिला पर अंकित किया था और ब्रिटिश साम्राज्य को कड़ी चुनौती देकर उसकी जड़ें.हिला दी थीं। 1857 की क्रान्ति इसलिये और भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि ठीक सौ साल पहले सन 1757 में प्लासी के युद्ध में विजय प्राप्त कर रॉबर्ट क्लाइव ने अंग्रेजी राज की भारत में नींव डाली थी। विभिन्न इतिहासकारों और विचारकों ने इसकी अपने-अपने दृष्टिकोण से व्याख्यायें की हैं।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री और महान चिन्तक पं. जवाहरलाल नेहरू ने लिखा कि- "यह केवल एक विद्रोह नहीं था, यद्यपि इसका विस्फोट सैनिक विद्रोह के रूप में हुआ था, क्योंकि यह विद्रोह शीघ्र ही जन विद्रोह के रूप में परिणित हो गया था।" बेंजामिन डिजरायली ने ब्रिटिश संसद में इसे "राष्ट्रीय विद्रोह" बताया। प्रखर विचारक बी.डी. सावरकर व पट्टाभि सीतारमैया ने इसे ह्रभारत का प्रथम स्वाधीनता संग्रामह्र, जॉन विलियम ने "सिपाहियों का वेतन सुविधा वाला मामूली संघर्ष" व जॉन ब्रूस नॉर्टन ने "जन-विद्रोह" कहा। मार्क्सवादी विचारक डा. राम विलास शर्मा ने इसे संसार की प्रथम साम्राज्य विरोधी व सामन्त विरोधी क्रान्ति बताते हुए 20वीं सदी की जनवादी क्रान्तियों की लम्बी श्रृंखला की प्रथम महत्वपूर्ण कड़ी बताया। प्रख्यात अन्तर्राष्ट्रीय राजनैतिक विचारक मैजिनी तो भारत के इस प्रथम स्वाधीनता संग्राम को अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखते थे। उनके अनुसार इसका असर तत्कालीन इटली, हंगरी व पोलैंड की सत्ताओं पर भी पड़ेगा और वहाँ की नीतियाँ भी बदलेंगी।

1857 की क्रान्ति को मात्र सैनिक विद्रोह मानने वाले इस तथ्य की अवहेलना करते हैं कि कई ऐसे भी स्थान थे, जहाँ सैनिक छावनियाँ न होने पर भी ब्रिटिश सत्ता के विरूद्ध क्रान्ति हुयी। इसी प्रकार वे यह भूल जाते है कि वास्तव में ये सिपाही सैनिक वर्दी में किसान थे और किसी भी व्यक्ति के अधिकारों के हनन का सीधा तात्पर्य था कि किसी-न-किसी सैनिक के अधिकारों का हनन, क्योंकि हर सैनिक या तो किसी का पिता, बेटा, भाई या अन्य रिश्तेदार है। यह एक तथ्य है कि अंग्रेजी हुकूमत द्वारा लागू नये भू-राजस्व कानून के खिलाफ अकेले सैनिकों की ओर से 15,000 अर्जियां दायर की गयी थीं। डॉ. लक्ष्मीमल्ल सिंघवी के शब्दों में- "सन 1857 की क्रान्ति को चाहे सामन्ती सैलाब या सैनिक गदर कहकर खारिज करने का प्रयास किया गया हो, पर वास्तव में वह जनमत का राजनीतिक-सांस्कृतिक विद्रोह था। भारत का जनमानस उसमें जुड़ा था, लोक साहित्य और लोक चेतना उस क्रान्ति के आवेग से अछूती नहीं थी। स्वाभाविक है कि क्रान्ति सफल न हो तो इसे 'विप्लव' या 'विद्रोह' ही कहा जाता है।" यह क्रान्ति कोई यकायक घटित घटना नहीं थी, वरन्‌ इसके मूल में विगत कई सालों की घटनायें थीं, जो कम्पनी के शासनकाल में घटित होती रहीं। एक ओर भारत की परम्परा, रीतिरिवाज और संस्कृति के विपरीत अंग्रेजी सत्ता एवं संस्कृति सुदृढ हो रही थी तो दूसरी ओर भारतीय राजाओं के साथ अन्यायपूर्ण कार्रवाई, अंग्रेजों की हड़पनीति, भारतीय जनमानस की भावनाओं का दमन एवं विभेदपूर्ण व उपेक्षापूर्ण व्यवहार से राजाओं, सैनिकों व जनमानस में विद्रोह के अंकुर फूट रहे थे।

कहा जाता है कि इस क्रांति के बीज जनमानस के बीच बोने हेतु प्रतीकात्मक रूप में 'कमल' और 'चपाती' बाँटी गयीं। कमल का फूल हर सैनिक रेजीमेंट में घुमाया जाता था, जहाँ वह हर किसी के हाथ से गुजरता था। जिस सैनिक के हाथ में यह कमल सबसे अंतिम में जाता, वह अपने पास की रेजीमेंट तक यह कमल पहुँचा देता था और वहाँ भी यही प्रक्रिया होती थी। कमल का फूल स्वीकारने का कूट अर्थ यह था कि रेजीमेंट के सभी सिपाही क्रान्ति में भाग लेने के लिये तैयार हैं। इस तरह के सहस्त्रों कमल पेशावर से बैरकपुर तक विभिन्न रेजिमेंट के अन्दर घुमाये गये। इसी प्रकार चपातियों को घुमाने के लिये चौकीदारों का इस्तेमाल किया गया। एक गाँव का चौकीदार चपाती लेकर दूसरे गाँव के चौकीदार तक पहुँचाता। चपाती मिलने पर वह चौकीदार थोड़ी सी स्वयं खाकर बाकी गाँव के दूसरे लोगों को खिला देता और फिर उसी तरह की चपातियाँ बनवाकर अपने पास के गाँव के चौकीदार तक भिजवा देता। चपातियाँ स्वीकारने का कूट अर्थ था कि उस गाँव की जनता क्रान्ति में भाग लेने के लिये तैयार है। धीरे-धीरे इस पद्धति से गाँव-गाँव और नगर-नगर क्रान्ति का संदेश पहुँचाया गया। कुछेक इतिहासकारों के अनुसार तमाम रजवाड़ों, सिपाहियों और जनमानस की भावनाओं को टटोल कर पूरे देश में एक ही दिन 31 मई 1857 को क्रान्ति आरम्भ करने का निश्चय किया गया और बहादुर शाह को सम्राट बनाकर नाना पेशवा को उनका प्रधानमंत्री बनाने की राजनीतिक व्यवस्था भी तय की गयी। पर वक्त को कौन मुट्ठी में बांध पाया है ..... सो मंगल पाण्डे की शहादत ने सिपाहियों को समय से पूर्व ही क्रांति का बिगुल बजाने पर मजबूर कर दिया। चूँकि उस समय संचार साधन इतने उन्नत नहीं थे, सो 11 मई को दिल्ली में हुई घटना को पूरे देश में फैलने में महीने भर का समय लग गया।

1857 की क्रान्ति की शुरूआत एक तरह से 29 मार्च 1857 को कलकत्ता से 16 किलोमीटर दूर स्थित बैरकपुर छावनी में 34वीं नेटिव इन्फेंट्री के सिपाही मंगल पांडे द्वारा गाय की चर्बी वाले कारतूसों को चलाने से मना करने से हुई। जोर-जबरदस्ती करने पर मंगल पांडे ने अंग्रेज सार्जेंट मेजर जेम्स थार्नटन हासन को परेड ग्रांउड में गोली मार दी। उसी समय लेफ्टिनेंट एडजुटेंट बेम्प्डे हेनरी वॉग घोड़े पर सवार होकर आया तो वह भी मंगल पांडे की बन्दूक का निशाना बना। इसकी प्रतिक्रिया में 8 अप्रैल 1857 को अंग्रेजी शासन ने मंगल पांडे को फांसी दे दी तथा पूरी छावनी को भंग कर दिया। मंगल पांडे को इस क्रांति का पहला शहीद सिपाही कहा गया। इस घटना के कुछ दिन बाद ही 24 अप्रैल 1857 को मेरठ छावनी स्थित थर्ड लाइट कैवेलरी के 85 सिपाहियों द्वारा रंगून से आये गाय की चर्बी युक्त कारतूसों को हाथ लगाने से मना कर दिया गया। इन सभी सैनिकों को अंग्रेजी शासन ने बागी करार देकर 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाकर जेल में डाल दिया। 9 मई 1857 को उन्हें एक सभा में सार्वजनिक रूप से अपमानित कर व उनकी वर्दियाँ उतार कर हथकड़ी-बेड़ियाँ पहनाकर जेल भेज दिया गया। इससे बौखलाये मेरठ छावनी की तीन रेजीमेंटों के सिपाहियों ने अगले दिन रविवार, 10मई 1857 को जब अंग्रेज चर्च जाने की तैयारी कर रहे थे कि अचानक अंग्रेजी शासन से बगावत कर क्रान्ति का बिगुल बजा दिया और वहां शस्त्रागार को लूटकर सिपाहियों को जेल तोडकर छुड़ा लिया। इसके बाद इन विद्रोही सैनिकों ने दिल्ली की तरफ कूच किया जहाँ नेटिव इन्फेंट्री की तीन रेजीमेंट मौजूद थीं। 11 मई को दिल्ली पहुँचकर इन सैनिकों ने लाल किले पर धावा बोल कैप्टन डगलस को मार गिराया और बहादुरशाह जफर से नेतृत्व की अपील की। तब तक इनके साथ अंग्रेजी शासन से त्रस्त लोगों का कारवाँ भी जुड़ता गया था और देखते ही देखते मेरठ में विद्रोही सैनिकों से आरम्भ इस स्वाधीनता संग्राम में राजाओं-नवाबों सहित किसान, मजदूर, हिन्दू, मुसलमान, महिलायें व सामान्य जन सभी शामिल होते गये। मेरठ एवं दिल्ली से चली इस चिंगारी ने शीघ्र ही देश के तमाम हिस्सों में हलचल पैदा कर दी। इस संग्राम का आखिरी बड़ा युद्ध 21 जनवरी 1859 को राजस्थान के सीकर में हुआ। सिर्फ उत्तर भारत ही नहीं अपितु इसका प्रभाव महाराष्ट्र, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, गोवा, पांडिचेरी इत्यादि राज्यों में भी व्याप्त था। 12 मई 1857 को दिल्ली पर कब्जा के पश्चात 1857 की क्रान्ति का नेतृत्व दिल्ली में बहादुर शाह जफर ने किया। बहादुर शाह जफर ने बख्त खां की सैन्य नेतृत्व सौंपा और कई राजाओं को पत्र भेजकर अंग्रेजों को देश से बाहर निकालने का आह्वान किया। लखनऊ में इस क्रान्ति के तारतम्य में 4 जून को अवध की बेगम हजरत महल ने अपने नाबालिग लड़के बिरजिस कादर को नवाब घोषित कर अंग्रेजों से लोहा लिया। **- कृष्ण कुमार यादव**

भारत इतिहास के एक अहम मोड़ पर

रविभूषण

अठारहवें लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के दिन (7 मई) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश के खरगोन के अपने चुनावी भाषण में यह कहा है - 'आज भारत इतिहास के एक अहम मोड़ पर खड़ा है।' यह लोकसभा चुनाव पहले के सभी लोकसभा चुनावों की तुलना में कहीं अधिक इस अर्थ में विशिष्ट है कि इससे भारत का, लोकतंत्र का, संविधान का और भारतीय जनता का भविष्य जुड़ा है। चुनाव भाजपा और 'इंडी' गठबंधन के बीच है। चुनाव-परिणाम 4 जून को आएगा और मोदी अपने भाषण में 4 जून को विरोधी गठबंधन 'इंडी' की 'समाप्ति तिथि' (एक्सपायरी डेट) कह रहे हैं, इस बार के चुनावी भाषणों में उन्होंने भाषिक मयार्दाएँ समाप्त कर दी हैं। सभी मयार्दाएँ टूट चुकीं, शालीनता-श्लीलता समाप्त हो चुकी और नैतिकता बिला गयी है। किसी भी प्रधानमंत्री ने कभी ऐसी अशालीन-अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं किया था। भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी ने तो एकदम नहीं, जो अपनी सभ्य, शिष्ट और शालीन भाषा के कारण जाने और सराहे जाते थे। इस लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनावी-भाषणों में जो भी कहा है, संभव है, बाद में पूरी तफसील के साथ कोई इस पर विचार करे। फिलहाल खरगोन के चुनावी भाषण पर ही हम ध्यान दें क्योंकि यह तीन दिन पहले का दिया गया भाषण है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाषा पर, उनके भाषाई कौशल, रेटरिक के साथ श्रोताओं को अपने मनोनुकूल करने, मनोवैज्ञानिक रूप से उसे प्रभावित करने का उनमें जो हुनर है, उस पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। खरगोन के अपने भाषण में कई बार उन्होंने 'नर्मदे' कहकर श्रोताओं से 'सर्वदे' अर्थात 'नर्मदे सर्वदे' का नारा लगवाया। उपस्थित श्रोताओं को, सब भाई को 'राम राम' कहा उनकी स्थानीय भाषा में उनसे कुछ बातें कहीं, जिसके बाद 'मोदी-मोदी' का बार-बार नारा लगा। उन्होंने यह बताया कि अपना वोट देकर वे गुजरात से यहाँ आये हैं और वोट देकर उन्होंने अपने नागरिक होने का कर्तव्य निबाहा है। सभी मतदाताओं से उन्होंने 'विनम्र अनुरोध' किया कि "लोकतंत्र के पर्व में हमें अछूत नहीं रहना चाहिए। भारी संख्या में मतदान करना चाहिए।" माता अहिल्या की नगरी को उन्होंने सर झुकाकर प्रणाम किया। जनता को, मतदाताओं को भावात्मक धरातल पर अपने पक्ष में लाने में वे सिद्ध हैं। जनता जिस क्षेत्र, स्थान विशेष की है, उससे अपना तादात्म्य स्थापित कर वे जनता से अपना संबंध स्थापित करते है। जनता को लगता है, यह अपना आदमी है, जो इतने अपनापन के साथ उससे जुड़ा है। नरेन्द्र मोदी ने कई बार यह बताया कि मध्य प्रदेश में बहुत दिनों तक उन्होंने संगठन का काम किया है। संगठन अर्थात आरएसएस। "मैंने लम्बे अरसे तक संगठन का काम किया है। आपको सौ-सौ सलाम करता हूँ।' नरेन्द्र मोदी के भाषण का आरंभ माहौल बनाने से आरंभ होता है। उन्होंने 'विकसित भारत' के लिए 'आशीर्वाद माँगने आने' की बात कही। 'नर्मदा तट पर रहने वाला कभी माँगने वाले को निराश नहीं करता।" नर्मदा की पूजा करने वालों के लिए यह काफी है कि देश का प्रधानमंत्री उससे कुछ माँग रहा है। वह उस क्षण-विशेष में अपने को बड़ा समझ बैठता है। वे सारा श्रेय श्रोताओं को, जनता को देते हैं। "आज जो भी हुआ है, देशवासियों के प्रयास से हुआ है। आपके पसीने से देश की ऊर्जा बढ़ती है। आपके एक वोट ने दुनिया में भारत का दबदबा बढ़ाया है। आपके एक वोट ने महिलाओं को आरक्षण का हक दिलवाया, भ्रष्टाचारियों को जेल भिजवाया। आपके एक वोट ने 500 साल की प्रतीक्षा खत्म करने भागवान राम का भव्य मंदिर बनवा दिया।" इसके बाद वे बोलते हैं "बोलिए जय श्री राम', 'जय जय श्री राम'।

मोदी के भाषण में तर्क, तथ्य, बुद्धि-विवेक कुछ भी नहीं है। वे भावों को उत्तेजित करते हैं, सोचने को विवश नहीं करते। विपक्ष और कांग्रेस पर उनका हमला बेबुनियाद है। अपने दस वर्ष के कार्य-काल का वे कोई हिसाब नहीं देते। उनके भाषण में या तो अतीत है या फिर भविष्य। 'बार-बार आपका एक वोट' की पुनरूक्ति श्रोताओं को उसकी अहमियत बताती है। 'आपका एक वोट, आपका एक वोट' का रेटरिक आठ-दस बार गूंजता है। उनके रेटरिक का अपना प्रभाव है। "आपका एक वोट मजबूत भारत बनाएगा। भाजपा आपसे वोट माँग रही है। दूसरी तरफ इंडी गठबंधन वाले किसके लिए चुनाव लड़ रहे हैं रे। वे चुनाव लड़ रहे हैं, अपनी विरासत

बचाने के लिए, अपने बच्चों को पार्टी सौंपने के लिए। इंडीवालों के लिए कहावत है - "अपना कम बनता /भाड़ में जाये'। चार बार यह वाक्य दुहराने पर जनता यह बोलती है झ 'भाड़ में जाये जनता'। भाषा के मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक पक्ष का कहीं अधिक मोदी अपने भाषणों में इस्तेमाल करते हैं। मोदी की भाषण-कला सामान्य, अपढ़ जनता को अधिक प्रभावित करती है। उनका मुख्य हमला कांग्रेस पर है। राहुल गाँधी को 'शाहजादा' कह कर वे मुगल-शासकों की याद दिलाते हैं। एक-एक शब्द का इस्तेमाल वे अपने पक्ष में करते हैं। जिस समय पूरा विपक्ष लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की बात कर रहा है, उस समय मोदी लोकतंत्र और संविधान विरोधी विपक्ष की बात करते हैं। वे अपने ऊपर किये गये प्रत्येक वार को विपक्ष को सौंप देते हैं। हिन्दू-मुसलमान के नैरेटिव को वे विविध रूपों में प्रस्तुत करते हैं। "साथियों! पाकिस्तान में आतंकी भारत के खिलाफ जेहाद की धमकी दे रहे हैं और यहाँ वे कांग्रेसी मोदी के खिलाफ एक खास धर्म के लोगों को एकजुट होकर वोट देने को कह रही है। क्या आपको वोट जिहाद मंजूर है? क्या लोकतंत्र में यह बात चल सकती है? क्या भारतीय संविधान इसकी इजाजत देता है?" अपने ऊपर लग रहे आरोपों को वे विरोधियों पर लगाकर अपने को उन आरोपों से मुक्त करते हैं। जनता इस भ्रम में फँस जाती है कि मोदी जो बोल रहे हैं, वही सच है। कांग्रेस छोड़कर कई नेता भाजपा में गये हैं। मोदी उनके बारे में यह बताते हैं कि वे "खुली हवा में साँस ले रहे हैं।" भाजपा मोदी की मुट्ठी में है और उनसे भाजपा का कोई भी नेता असहमत नहीं हो सकता। नरेन्द्र मोदी का सामान्य जनता से राहुल गांधी की तरह जीवंत संबंध नहीं है, पर खरगोन के अपने भाषण में उन्होंने जिन चार-पाँच व्यक्तियों का कथन उद्धृत किया है, वह मनगढंत अधिक है, स्वनिर्मित है। वे एक दो, तीन व्यक्ति की बात नहीं, चौथे व्यक्ति की बात भी जनता के समक्ष रखकर उन्हें अपने विश्वास में लेते हैं। कांग्रेस की छवि नष्ट करना उनका एकमात्र प्रयोजन है। "कांग्रेस के एक पूर्व सीएम ने कहा कि हमारी सेना आतंकी हमले करती है। मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ नहीं था। पाकिस्तान से इतनी मुहब्बत और हमारी सेना से इतनी नफरत"। भारतीय सेना मोदी और किसी दल विशेष की सेना नहीं है। जो सच नहीं है, उसे सच बनाने की कला उन्हें आती है। "कांग्रेस की नजर आपकी कमाई और आपके आरक्षण पर पड़ी है। तुष्टीकरण के लिए कांग्रेस ओबीसी का आरक्षण धर्म के आधार पर बाँटना चाहती है।" हिन्दू-मुसलमान और भारत-पाकिस्तान का उनका नैरेटिव चुनाव के समय में भाजपा के लिए कहीं अधिक लाभकर है। "शाहजादा आपकी सम्पत्ति का एक्स-रे करेंगे। मैंने इनके दिमाग का एक्स-रे किया है।" अपने भाषण में अरबपतियों, पूंजीपतियों की बात न कर प्रधानमंत्री सामान्य जनता की सम्पत्ति की बात कर उनमें भय उत्पन्न करते हैं। "आपकी सम्पत्ति का सर्वे करेंगे। जरूरत से आपको ज्यादा है तो गया। मंगलसूत्र गया। दो साइकिल है तो एक साइकिल गयी। दस एकड़ है तो पाँच एकड़ गया। आपके माँ-बाप ने जो बचाया है, उसका आधा सरकार छीन लेगी। क्या आप अपनी सम्पत्ति लूटने देंगे? कौन बचाएगा आपको?" बार-बार यह कथन 'कौन बचाएगा आपको' श्रोता के सामने केवल उन्हें ही प्रस्तुत करता है, पर वे कहते हैं - "मोदी नहीं, एक वोट बचाएगा, मोदी को वोट दीजिए। मोदी आपके लिए लड़ता रहेगा।'

मोदी का चुनावी-भाषण निरर्थक और बेबुनियाद अधिक है। जन-जीवन से जुड़े मुद्दे और मसलों की चर्चा वहाँ कम है। केवल अपना गुणगान है या अपने को मसीहा, त्राता रूप में प्रस्तुत करने की कला है। वे अपनी पार्टी की कम और अपनी अधिक चर्चा करते हैं। "मेरा एक काम करेंगे। घर-घर जाइए। कहिएगा 'मोदी आये थे'। आपको 'जय श्री राम' कहा है। हर परिवार में जाकर कहिए।" हकीकत यह है कि 'जय श्री राम' कहने से घर का चूल्हा नहीं जलता है। उसके लिए रोजगार चाहिए। मुफ्त राशन और खैरात से जनता का भला नहीं होता। दस वर्ष में भारतीय जनता का 'माइंड सेट' बदल दिया गया है। अपने चुनावी भाषणों में प्रधानमंत्री धर्म की बात करते हैं, पर चुनाव आयोग चुप है। मोदी कायदे की बात न कर, आधारहीन बातें अधिक करते हैं। उनकी भाषा को 'शर्मनाक' और 'फासीवादी' कहा जा रहा है। पहली बार मतदाताओं का ध्यान मुद्दों की ओर जा रहा है। विपक्षी दल मोदी से उनके दस वर्ष का रिपोर्ट-कार्ड माँग रहे हैं। मोदी के पास गोदी मीडिया है और विपक्ष की बात बहुत दूर तक नहीं जा रही है।

लोकसभा चुनाव के बीच संविधान बदलने की माँग और मोदी द्वारा '400 पार' कहे जाने के बीच अभिन्न संबंध है। प्रधानमंत्री अब भी कह रहे हैं कि उन्हें लोकसभा की 400 सीट चाहिए। बहुमत से 123 अधिक सीट माँगने का उनके पास कोई उत्तर नहीं है। 2014 में 282 और 2019 में 303 सीट प्राप्त कर उन्होंने दस वर्ष तक अपने मुताबिक सरकार चलाई है। फिर 400 की माँग क्यों? क्या वह इसलिए नहीं है कि इतनी सीट प्राप्त कर लेने बाद भाजपा संविधान बदलेगी। अयोध्या के 69 वर्षीय लल्लू सिंह से लेकर तेलंगाना के 47 वर्षीय भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविन्द भी तो संविधान बदलने की बात खुल कर कह रहे हैं। क्या भाजपा सांसद और नेता के अलावा किसी भी दल का सांसद या नेता संविधान बदलने की बात कर रहा है? तेलंगाना के निजामाबाद के भाजपा सांसद का कहना है कि कांग्रेस उस्मानिया यूनिवर्सिटी और हैदराबाद यूनिवर्सिटी को बदल देगी और अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को यहाँ से हटा देगी। रोहित वेमुला के साथ जो घटा, उसका जवाब ऐसे नेताओं के पास नहीं है। जेएनयू के साथ भद्दा व्यवहार किसने किया? अरविन्द धर्मपुरी ने साफ शब्दों में कहा है - "हमारे पास संसद में संविधान बदलने की शक्ति है। हम संविधान बदल देंगे।" कर्नाटक के अनंत हेगड़े, राजस्थान की दीया कुमारी, मध्यप्रदेश की ज्योति मिर्धा, उत्तर प्रदेश के अरूण गोविल सभी भाजपा के हैं और ये सब खुलकर संविधान बदलने की बात कह रहे हैं। आरएसएस के मनमोहन वैद्य का कथन है - 'आरक्षण से अलगाववाद पैदा होता है'। और तैंतीस वर्षीय तेजस्वी सूर्या आरक्षण को 'एक दलदल' कह रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी भारत की जनता की पार्टी नहीं है। हेडगेवार ने आरएसएस को 'सम्पूर्ण समाज का संगठन' कहा था, जो गलत है। वह हिन्दू समाज के एक हिस्से का संगठन है।

यह संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि भाजपा अगर लोकसभा का चुनाव जीत जाती है, तो चुनाव, आरक्षण, संविधान सब समाप्त हो जाएगा। इसलिए लोकसभा चुनाव के इतिहास में अठारहवाँ लोकसभा चुनाव भारत के भविष्य का फैसला करेगा। इसी कारण यह अहम चुनाव है। 1989 में भाजपा ने ओबीसी आरक्षण का संसद से सड़क तक खुल कर विरोध किया था। वी पी सिंह की सरकार से समर्थन वापस लेकर भाजपा ने सरकार गिरा दी थी। जनता में यह भय उत्पन्न किया जा रहा है कि सत्ता में आने पर कांग्रेस उसकी सम्पत्ति छीन लेगी और जिस प्रकार शाहबानो केस में सुप्रीम कोर्ट का फैसला कांग्रेस ने नहीं माना, उसी प्रकार राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भी वह अस्वीकार करेगी। चुनाव जीतने के लिए कुछ भी किया जा सकता है। अब 'लव जिहाद' की तरह 'वोट जिहाद' की बात की जा रही है और उसके सामने 'राम राज्य' को खड़ा किया जा रहा है। "आपको, मतदाताओं को निर्णय करना है कि भारत में 'वोट जिहाद' होगा या 'राम राज्य' होगा?" भाजपा के विरोध में 'इंडिया' है और 'इंडिया' में प्रमुख कांग्रेस है। कांग्रेस ने पिछले दो चुनावों और राहुल गाँधी की पद-यात्राओं से बहुत कुछ सीखा है। कांग्रेस ने 2004 के लोकसभा चुनाव में 417, 2009 के चुनाव में 440, 2014 में 464 और 2019 में 421 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ा था। इस बार वह सबसे कम 328 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। जिन राज्यों में क्षेत्रीय दल प्रमुख हैं, वहाँ कांग्रेस ने उन्हें प्रमुख माना है। दिल्ली में 2019 में सभी सात सीटों पर उसने चुनाव लड़ा था। इस बार वह तीन सीटों पर लड़ रही है। भारत सचमुच आज इतिहास के एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। यह मतदाता तय करेंगे कि वे क्या चाहते हैं। लोकशाही या तानाशाही?

'झंडा सलामी गीत' और राष्ट्रीयता का विचार

प्रेम सिंह

ब्रिटिश शासकों, इतिहासकारों, अध्येताओं, लेखकों, लोकगीतकारों ने 10 मई 1857 को मेरठ से शुरू हुए सिपाही विद्रोह को कई नामों से अभिहित किया है। नोमन्क्लेचर की यह विविधता विद्रोह के प्रति लोगों के अलग-अलग नजरियों को दशार्ती है। नजारियों की जंग में विद्रोह को अपमानजनक संबोधन 'गदर' से लेकर 'भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम' तक बताया गया है। हालांकि, अंग्रेजों द्वारा अपमानजनक सम्बोधन के रूप में प्रयुक्त किया गया गदर शब्द आगे चल कर भारतीयों के लिए सम्मानजनक अर्थ ग्रहण कर लेता है। भारतीय क्रांतिकारियों द्वारा अमेरिका में 1913 में गठित संगठन का नाम गदर गया। अपने मुखपत्र का नाम भी उन्होंने 'गदर' रखा। 1857 के विद्रोह पर करीब 75 साल बाद लिखे गए पहले हिंदी उपन्यास का शीर्षक भी 'गदर' है। अमृतलाल नागर ने विद्रोह संबंधी ब्योरे एकत्रित किए तो उस पुस्तक का नाम 'गदर के फूल' रखा।

नोमन्क्लेचर के अलावा इस विद्रोह के चरित्र को लेकर भी कई धारणाएं मिलती हैं। उसे 'सामंती' से लेकर 'जनवादी' तक कहा जाता है। विद्रोह में मारे गए लोगों की संख्या के बारे में भी कई दावे मिलते हैं। ब्रिटिश रेकॉर्ड्स में विद्रोह में मारे जाने वाले अंग्रेजों - बच्चों और महिलाओं समेत झ का आंकड़ा 6000 के करीब है। विद्रोह के दमन के दौरान और दमन के बाद अंग्रेजों द्वारा की गई बदले की कार्रवाई में मारे जाने वाले भारतीय पक्ष के लोगों की संख्या 8 लाख से 30 लाख तक बताई जाती है। इसमें विद्रोह से जुड़े अकाल और महामारी में मारे जाने वाले भारतीयों की संख्या को भी शामिल किया जाता है।

विद्रोह के इतिहासकारों, उससे जुड़ी विभिन्न घटनाओं और पात्रों पर आधारित संस्मरण एवं कथात्मक विवरण (फिक्शनल अकाउंट) लिखने वाले लेखकों के लेखन में सभ्य-असभ्य और क्रूर-क्रांतिकारी का परस्पर विरोधी विमर्श भी मिलता है।

1857 के विद्रोह के मूल में महज धार्मिक अस्मिता का प्रश्न था या विद्रोह मूलतः राष्ट्रीयता के विचार से परिचालित था - यह सवाल भी खासा विवादास्पद रहा है। कहने का आशय यह है कि 1857 के विद्रोह के विविध पहलुओं पर प्रस्तुत किए गए तर्कों-प्रतितर्कों की एक पूरी दुनिया हमारे सामने मौजूद है। विद्रोह की 167वीं वर्षगांठ पर लिखी गई इस टिप्पणी में क्रांतिकारियों के 'झंडा सलामी गीत' के माध्यम से यह जानने की कोशिश की गई है कि विद्रोह के मूल में पराधीनता की पीड़ा से पैदा हुआ राष्ट्रीयता का विचार था। दरअसल, राष्ट्रीयता का विचार एक सीधा और सरल विचार कभी नहीं रहा है। युग-विशेष, युगीन परिस्थितियां, सामाजिक ताना-बाना आदि कारक राष्ट्रीयता के विचार को एक जटिल, और कई बार अंतर्विरोधपूर्ण विचार बनाते हैं। 1857 के विद्रोह के मूल में स्थित राष्ट्रीयता के विचार को भी इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए।

'झंडा सलामी गीत' अथवा कौमी तराना 1857 के विद्रोह के एक प्रमुख पात्र अजीमुल्ला खान यूसुफजई ने लिखा था, और दिल्ली के 'पयाम-ए-आजादी' नामक दैनिक पत्र में प्रकाशित हुआ था। फरवरी 1857 में शुरू किए गए इस उर्दू-हिंदी पत्र के प्रकाशक अजीमुल्ला खान और मुख्य संपादक बादशाह बहादुर शाह जफर के पोते मिर्जा बेदार बख्त थे। (यह स्वाभाविक है कि पत्र को नाना साहिब का सरंक्षण प्राप्त था। क्योंकि उनके दीवान अजीमुल्ला खान फरवरी 1857 में एक फ्रेंच प्रिंटिंग प्रेस लेकर भारत आए थे, जिस पर यह पत्र छापा जाता था।) सितंबर 1857 से यह पत्र मराठी में झांसी से भी प्रकाशित हुआ। बादशाह जफर का प्रसिद्ध 'पेंफलेट' 'पयाम-ए-आजादी' में ही प्रकाशित हुआ था। पूरे उत्तर भारत में तेजी से इस पत्र का प्रसार फैल गया था। 29 मई 1857 को पत्र ने विद्रोह को अपना समर्थन घोषित कर दिया। ब्रिटिश सरकार ने ह्लदेशद्रोहह्व के आरोप में पत्र के प्रकाशन पर तुरंत प्रतिबंध लगा दिया। बेदार बख्त को फांसी दे दी गई। अजीमुल्ला खान के बारे में माना जाता है कि वे कानपुर की पराजय के बाद नाना साहिब के साथ नेपाल की सीमा की ओर निकल गए थे, जहां 28 वर्ष की आयु में बीमारी से उनकी मौत हो गई।

कानपुर निवासी अजीमुल्ला खान न सिपाही थे न सामंत। वे अत्यंत साधारण सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से थे। उनके मिस्त्री पिता का निधन हो चुका था। 1837-38 के अकाल में अपनी माता के साथ वे

संयोग से जीवित बच पाए थे। बाद में माता का भी निधन हो गया। उन्होंने अनाथालय में रह कर और एक अंग्रेज के घर में काम करते हुए शिक्षा प्राप्त की। वे पहले कई अंग्रेजों के सचिव बने, और फिर नाना साहिब के दीवान का पद सम्हाला। नाना साहिब ने बहुभाषाविद (उन्हें अंग्रेजी, फ्रेंच, उर्दू, फारसी और संस्कृत भाषाएं आती थीं) और कुशाग्र-बुद्धि अजीमुल्ला खान को प्रधानमंत्री के पद पर प्रोन्नत किया। ऐसा माना जाता है कि आकर्षक व्यक्तित्व के स्वामी अजीमुल्ला खान अपने इंग्लैंड प्रवास के दौरान नाना साहिब की पेंशन तो बहाल नहीं करा पाए, लेकिन ब्रिटिश आधिपत्य से भारत को मुक्त कराने का विचार और दृढ़ इरादा लेकर भारत लौटे। ब्रिटिश साम्राज्य अजेय है, यह मिथक उन्होंने अपनी आंखों से टूटता हुआ देखा। उन्होंने देखा कि क्रीमिया युद्ध में इंग्लैंड और फ्रांस की संयुक्त सेनाओं को रूस की सेना ने पराजित कर दिया है। अजीमुल्ला खान नवजागरण की चेतना के दायरे के बाहर की गई देश की स्वाधीनता की चिंता और प्रयासों का प्रतिनिधित्व करते प्रतीत होते हैं।

'झंडा सलामी गीत' इस प्रकार हैः

हम हैं इसके मालिक हिंदुस्तान हमारा,/ पाक वतन है कौम का जन्नत से भी प्यारा।/ यह हमारी मिल्कियत हिंदुस्तान हमारा,/ इसकी रूहानियत से रौशन है जग सारा।/ कितना कदीम कितना नईम सब दुनिया से न्यारा,/ करती है जरखेज जिसे गंगो-जमुन की धारा।/ ऊपर बफीर्ला पर्वत पहरेदार हमारा,/ नीचे साहिल पर बजता सागर का नक?कारा।/ इसकी खानें उगल रहीं सोना हीरा पारा,/ इसकी शान-शौकत का दुनिया में जयकारा।/ आया फिरंगी दूर से ऐसा मंतर मारा,/ लूटा दोनों हाथों से प्यारा वतन हमारा।/ आज शहीदों ने है तुमको अहले-वतन ललकारा,/ तोड़ो गुलामी की जंजीरें बरसाओ अंगारा।/ हिंदू-मुसलमां-सिख हमारा भाई-भाई प्यारा,/यह है आजादी का झंडा इसे सलाम हमारा।।

इस गीत की व्याख्या करें तो पाते हैं कि इसमें ब्रिटिश आधिपत्य को भारत की राष्ट्रीय पराधीनता के रूप में चिन्हित किया गया है। क्योंकि हिंदुस्तानी इस मुल्क के स्वभाविक मालिक हैं। यह सही है कि 1857 के विद्रोह का भौगोलिक विस्तार मुख्यतः उत्तर, पूर्व और मध्य भारत तक था। लेकिन क्रांतिकारियों का दावा हिमालय से समुद्र-पर्यंत हिंदुस्तान का है। यह एक जरखेज धरती है, जिसकी संपदा को अंग्रेज लूट रहे हैं। 'ऐसा मंतर मारा' की ध्वनि है कि अंग्रेजियत का जादू महत्वपूर्ण माने जाने वाले भारतीयों के सिर चढ़ कर बोल रहा था। इस ध्वनि की गूंज गांधी के 'हिंद स्वराज्य' में मिलती है, जहां वे कहते हैं कि अंग्रेजों ने हमें गुलाम नहीं बनाया, हमने खुद उनकी गुलामी कबूल की है।

यह सही है कि ज्यादातर राजे-रजवाड़ों और भारतीय ब्रिटिश आर्मी की बटालियनों ने विद्रोहियों का साथ न देकर अंग्रेजों का साथ दिया; अथवा तटस्थ रहे। नव-शिक्षित भद्रलोक द्वारा प्रवर्तित नवजागरण की चेतना का संबंध भी 1857 के विद्रोह के साथ नहीं जुड़ता। इस गीत में उस समय के प्रामाणिक भारतीय की कसौटी प्रस्तुत की गई है कि वही सच्चा भारतीय है जो शहीदों की ललकार पर गुलामी की जंजीरें तोड़ने का उद्यम करता है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि 1857 के विद्रोह के बाद चले आजादी के संघर्ष के फलस्वरूप जो भारत की आजादी संभव हुई, उसके खिलाफ राजे-रजवाड़े, सांप्रदायिक संगठन और कितने ही महत्वपूर्ण व्यक्ति खिलाफ थे। ऐसे अप्रामाणिक भारतीयों के चलते देश का बंटवारा भी हुआ।

यह सही है कि विद्रोह में कई बार धार्मिक, जातिवादी, जातीय (एथनिक), क्षेत्रीय आदि फॉल्टलाइंस उभरती हैं। एक उपमहाद्वीप के आकार के देश में, जिसका अत्यंत प्राचीन समाज विविधताओं और साथ ही विषमताओं से भरा हो, विद्रोह के दौरान फॉल्टलाइंस का उभरना स्वाभाविक था। गौरतलब है कि गीत में धार्मिक अस्मिता के सवाल पर देश की आजादी का आह्वान नहीं किया गया है। अलबत्ता, सभी धर्मावलंबियों के बीच एकता और प्यार का उल्लेख किया गया है। शायद अजीमुल्ला खान धार्मिक अस्मिता की पुकार को राष्ट्रीय अस्मिता की पुकार में बदलना चाहते थे। गीत में अगर भारत की नारियों का भी आह्वान होता तो गीत की सार्थकता दोगुनी हो जाती। क्योंकि 1857 के विद्रोह में सामाजिक-आर्थिक हाशियों पर आबाद महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका थी।

कहने की जरूरत नहीं कि इस गीत को वर्तमान नव-साम्राज्यवादी संकट और सांप्रदायिक वैमनस्य के संदर्भ में पढ़ा जा सकता है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश की युवा पीढ़ियों को कम से कम यह जरूरी काम करना चाहिए।

गुजरात टाइटंस व CSK में रोमांचक मुकाबला

प्ले ऑफ की संभावनाएं बनाए रखने जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें, क्रिकेट प्रेमियों में भारी उत्साह

शौर्य न्यूज इंडिया

अहमदाबाद। आईपीएल के 59 मैच में शुक्रवार को गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला करेगी। ये मैच सीएसके और गुजरात टाइटंस दोनो के बीच अहम मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के साथ ही प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बरकरार रखने के इरादे से उतरेंगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो चेन्नई के अब तक 11 मैचों में 12 अंक है और ऐसे में गुजरात के खिलाफ जीत से वह प्लेआफ में अपनी जगह पक्की कर सकती है पर हार से उसकी संभावनाएं कम होंगी। सीएसके ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में जीत दर्ज की थी जिससे उसका हौंसला बढ़ा है। टीम ने 167 रन बनाने के बाद भी अपने स्कोर का सफलता से बचाव कर लिया। उससे उसके गेंदबाजों का हौंसला बढ़ा है। वहीं दूसरी ओर गुजरात की टीम को अपने पिछले पांच में से चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। जिससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। इसका लाभ भी सीएसके को मिलेगा।

इस मैच में अगर सीएसके जीत दर्ज करती है तो वह अंकतालिका में सनराइजर्स हैदराबाद से ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच जायेगी। अभी तक जिन तीन टीमों के 12 अंक हैं , उनमें सीएसके का रन रेट सबसे अच्छा है। जिसका भी लाभ उसे मिलेगा। वहीं अपने घरेलू मैदान पर खेल रही गुजरात के भी 14 अंक हैं और वह प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है हालांकि इसक बाद भी उसकी राह आसान नहीं है। पिछले पांच मैचों में से चार में उसे हार मिली है। जिससे टीम दबाव में रहेगी। टीम का गेंदबाजी आक्रमण भी कमजोर है। कप्तान शुभमन भी पिछले तीन मैचों से रन नहीं बना पा रहे हैं। इसके अलावा साई सुदर्शन, शाहरूख खान और डेविड मिलर का प्रदर्शन भी कमजोर रहा है। वहीं उसके गेंदबाज मोहित शर्मा और जोश लिटिल भी प्रभावहीन रहे हैं। उसके स्टार स्पिनर राशिद खान और नूर अहमद भी अब तक विकेट नहीं ले पाये हैं। वहीं दूसरी ओर चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी और कप्तानी की है। उन्होंने 11 मैचों में 541 रन बनाये हैं। सीएसके इस सत्र में अपने कई अच्छे खिलाड़ियों के चोटिल होने से भी मुश्किल में है। गेंदबाजी ऑलराउंडर दीपक चाहर और तेज गेंदबाज मथीषा पथिराना चोटों के कारण टूनार्मेंट से बाहर हैं जबकि एक अन्य तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान स्वदेश लौट गये हैं। टीम को अब युवा तेज गेंदबाजों के अलावा स्पिनर रविंद्र जडेजा, मिशेल सेंटनेर और मोईन अली से ही काम चलना होगा। टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को भी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण निचले क्रम पर उतरना पड़ रहा है। ऐसे में वह टीम के लिए ज्यादा कुछ नहीं कर पायेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं : चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर), अरावेली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिचेल, रचिन रविंद्र, मिशेल सैंटनर, निशांत सिंधु , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मथीशा पाथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शार्दुल ठाकुर, महेश तीक्ष्णा और समीर रिजवी।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुतार।

रोम में चीन की वांग जिनयू इटालियन ओपन में महिलाओं के एकल वर्ग में खेलती हुई।

बुमराह से पर्पल कैप लेने वाले हर्षल को नहीं मिली टी20 विश्वकप के लिए जगह

मुम्बई। आईपीएल के इस सत्र में अब तक सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप की दौड़ में नंबर एक स्थान पर पहुंचे हर्षल पटेल को टी20 विश्वकप के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में भी जगह नहीं मिली है। हर्षल ने इस सत्र में सबसे अधिक विकेट लेने के मामले में जसप्रीत बुमराह को भी पीछे छोड़ दिया है। आईपीएल में पंजाब किंग्स की ओर से खेल रहे हर्षल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ 3 विकेट लिए। हर्षल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ 4 ओवर के अपने स्पेल में 38 रन देकर 3 विकेट लिए।. उनका सबसे खास ओवर पारी का सबसे आखिरी ओवर ही रहा। इस ओवर की जब शुरूआत हुई तो बेंगलुरू ने 4 विकेट पर 238 रन बना लिए थे। लग रहा था कि वह अपने स्कोर को 255 तक आसानी से पहुंचा देगी पर इस ओवर में हर्षल केवल 3 रन देकर 3 विकेट ले लिए। हर्षल ने आरसीबी के खिलाफ अपने आखिरी ओवर में दिनेश कार्तिक, महिपाल लोमरोर और कैमरन ग्रीन को आउट किया। इसके साथ ही आईपीएल में उनके कुल 20 विकेट हो गए हैं।. हर्षल पटेल ने महिपाल को आउट करते ही जसप्रीत बुमराह से पर्पल कैप भी छीन ली, जिनके नाम 18 विकेट हैं। पर्पल कैप की लिस्ट में वरुण चक्रवर्ती (16), अर्शदीप सिंह (16), और (मुकेश कुमार (15) क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैं।

'रोहित MI छोड़ देंगे', अकरम ने की भविष्यवाणी

कराची। इस सीजन में रोहित के प्रदर्शन पर नजर डालें तो 12 मैचों में उन्होंने 152.77 के स्ट्राइक रेट से 330 रन बनाए हैं। मौजूदा सीजन में उनके बल्ले से एक शतक भी निकला है। हालांकि, पिछले कुछ मैचों में उन्हें विकेट पर टिकने के लिए संघर्ष करते देखा गया है।

आईपीएल 2024 अब धीरे-धीरे अपने चरम की ओर बढ़ रहा है। मुंबई इंडियंस प्लऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज वसीम अकरम ने रोहित शर्मा को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है।

उन्होंने बताया कि हिटमैन अगले सीजन में एमआई का साथ छोड़ देंगे। दरअसल, इस सीजन से ठीक पहले टीम मैनेजमेंट ने दिग्गज खिलाड़ी को कप्तानी से हटाकर हार्दिक पांड्या को टीम के नेतृत्व का जिम्मा सौंपा था। इस सीजन में मुंबई का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। 12 में से टीम को आठ मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। अंक तालिका में मुंबई इंडियंस आठ अंकों के साथ नौवें स्थान पर बनी है। बुधवार को हैदराबाद ने लखनऊ को हराकर प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली और मुंबई का पत्ता काट दिया। टीम अधिकतम 12 अंक तक पहुंच सकती है। मुंबई का नेट रन रेट भी

काफी कम है। 12 अंक प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं होंगे। एमआई को अपने छठे आईपीएल खिताब के लिए अभी और लंबा इंतजार करना होगा। उन्होंने 2020 में अपनी पांचवीं आईपीएल ट्रॉफी जीती थी। मुंबई इंडियंस की कप्तानी में हुए फेरबदल को लेकर पूर्व दिग्गज गेंदबाज वसीम अकरम ने चिंता जताई है। उन्होंने दावा किया है कि अगले सीजन में रोहित एमआई का हिस्सा नहीं रहेंगे।

अकरम ने इच्छा जताई है कि रोहित को कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा बनना चाहिए। अकरम ने कहा, मुझे लगता है कि वह अगले सीजन में मुंबई इंडियंस में नहीं होंगे। मैं उन्हें कोलकाता नाइटराइडर्स में देखना पसंद करूंगा। कल्पना कीजिए गौतम गंभीर मेंटर होंगे, श्रेयस अय्यर कप्तान होंगे। रोहित शर्मा वहां ओपनिंग करेंगे। उनके पास बहुत मजबूत बल्लेबाजी होगी। वह कोलकाता के होम ग्राउंड ईडेन गार्डन में बहुत अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, लेकिन उन्हें कोलकाता में देखना अच्छा होगा।

टी20 विश्व कप में हसरंगा करेंगे श्रीलंकाई टीम की कप्तानी

श्रीलंका ने तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को अगले माह वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। इस टीम की कप्तान स्पिनर वानिंदु हसरंगा को बनाया गया है। पथिराना के चयन पर इसलिए भी सवाल उठे हैं क्योंकि आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते समय वह चोटिल हो गये थे। वह आईपीएल सत्र से बाहर हो गये। बाहर होने के बाद यह पथिराना स्वदेश लौट गये थे। उन्होंने चेन्नई की तरफ से केवल 6 मैच में 13 विकेट लिए थे। उनका इकोनॉमी रेट 7.68 रहा। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मधुशंका की भी हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी हुई है। चोटिल होने के कारण वह आईपीएल में नहीं खेल पाए थे। टी20 विश्वकप में श्रीलंकाई टीम को दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, नीदरलैंड और नेपाल के साथ ग्रुप डी में शामिल किया गया है। वह 3 जून को न्यूयॉर्क में द. अफ्रीका के खिलाफ अपने अभियान की शुरूआत करेगी।

हार के बाद टूटा केएल राहुल का मनोबल, अब..

लखनऊ। लखनऊ सुपरजाएंट्स के लिए आईपीएल प्लेऑफ की राहें कठिन हो गई है और माना जा रहा है कि टीम के कप्तान केएल राहुल शेष दो मैचों में टीम की कमान नहीं संभालेंगे। लखनऊ को बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद से 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था। समझा जाता है कि राहुल जिन्हें लखनऊ ने 2022 की मेगा नीलामी में 17 करोड़ रुपये में खरीदा था उन्हें 2025 सीजन के लिए रिटेन नहीं किया जाएगा। इस बीच, यह रिपोर्ट आई है कि राहुल अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इस सीजन शेष मैचों में कप्तानी नहीं करेंगे। आईपीएल के सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई के हवाले से कहा, टीम के दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अगले मैच से पहले पांच दिन का फासला है। फिलहाल इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है, लेकिन अगर

राहुल अगले दो मैचों में अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान लगाना चाहते हैं तो इससे प्रबंधन को कोई दिक्कत नहीं होगी। लखनऊ ने हैदराबाद के सामने जीत के लिए 167 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर पूरे होने से पहले ही लक्ष्य हासिल कर लिया था। इस मैच में हेड ने 30 गेंदों पर नाबाद 89 रन और अभिषेक ने 28 गेंदों पर नाबाद 75 रनों की पारी खेली थी।

मुनरो ने 'क्रिकेट' से संन्यास लिया

एडीलेड। न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज कॉलिन मुनरो ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है हालांकि वह टी20 लीग में खेलते रहेंगे। 37 साल के मुनरो ने अपना अंतिम मैच भारतीय टीम के खिलाफ साल 2020 में बे ओवल में खेला था, इसके बाद से ही उन्हें फिर कभी अवसर नहीं मिला हालांकि उन्होंने अपने को आगामी टी-20 विश्व कप के लिए उपलब्ध बताया था पर टीम में जगह नहीं मिलने के बाद उन्होंने खेल को अलविदा कह दिया। वहीं न्यूजीलैंड के कोच ग्रे स्टीड ने भी कहा था कि टीम की घोषणा के समय मुनरो के बारे में विचार किया गया था पर उनकी जगह नहीं बन पाई। वह पिछले चार साल में पूरी तरह फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने लगे थे। मुनरो ने न्यूजीलैंड के लिए एकदिवसीय, टेस्ट और टी-20 के साथ ही कुल 123 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। 65 टी-20, 57 एकदिवसीय और एक टेस्ट में न्यूजीलैंड की ओर से उतरने वाले मुनरो ने तीन हजार से ज्यादा रन बनाए और सात विकेट भी उनके नाम हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम तीन शतक भी हैं, जिसमें साल 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 47 गेंदों में सेंचुरी भी शामिल है, जो उस समय न्यूजीलैंड का रिकॉर्ड था, उन्होंने भारत के खिलाफ भी टी-20 में शतक लगाया था। मुनरो ने श्रीलंका के खिलाफ 14 गेंदों में अर्धशतक भी बनाया है जो एक विश्व रिकॉर्ड है। ये टी-20 में चौथा सबसे तेज शतक है। मुनरो ने अपने अंतरराष्ट्रीय

करियर का समापन न्यूजीलैंड के छठे सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में किया है। उन्होंने 31 की औसत 156.4 की स्ट्राइक-रेट से 1,724 रन बनाये हैं। अपने संन्यास की घोषणा करते हुए मुनरो ने कहा, कीवी टीम के लिए खेलना हमेशा मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि रही है। मुझे उस जर्सी को पहनने से ज्यादा गर्व कभी महसूस नहीं हुआ और मैं 123 बार ऐसा करने में सफल रहा। यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे हमेशा अविश्वसनीय रूप से गर्व रहेगा। टी-20 विश्व कप के लिए ब्लैक कैप्स टीम की घोषणा के साथ अब यह एकदम सही है। उस अध्याय को आधिकारिक तौर पर बंद करने का समय आ गया है। वहीं न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वेनिंक ने भी कहा कि मुनरो को न्यूजीलैंड के एक आक्रामक बल्लेबाज के रूप में याद किया जाएगा।

पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद ही एक्शन दृश्यों वाली फिल्मों में काम करूंगाः श्रेयस तलपड़े

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े ने कहा कि जब तक वह पूरी तरह ठीक नहीं हो जाते हैं तब तक वह एक्शन पर आधारित फिल्म में काम करने से परहेज करेंगे। उन्हें पिछले साल दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद उन्होंने एंजियोप्लास्टी कराई थी।

इकबाल फिल्म में किरदार निभाने वाले अभिनेता तलपड़े 14 दिसंबर, 2023 को दिल का दौरा पड़ने के बाद अपने आवास पर गिर गये थे, जिसके बाद उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि एक सप्ताह बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी।

तलपड़े ने कहा कि वह फिलहाल चीजों को धीमी गति से कर रहे हैं और अपनी नवीनतम फिल्म कर्तम भुगतम की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। तलपड़े ने एक

साक्षात्कार में कहा, 'अभी मेरा इलाज जारी है, इसलिए मुझे सावधानी बरतने की जरुरत है। मेरे डॉक्टर ने कहा है कि अभी तुम्हें पूरी तरह से ठीक होने में छह महीने और लगेंगे। इसलिए मैं अभी इंतजार करुंगा।' उन्होंने कहा, 'मैं उस समय तक एक्शन दृश्यों वाली फिल्मों में काम नहीं कर सकूंगा। सोहम पी शाह द्वारा निर्देशित 'कर्तम भुगतम' एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म है। यह 17 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।'

स्क्रीनिंग के दौरान आमिर खान ने सरफरोश 2 बनाने का वादा किया

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान, जो एक परफेक्शनिस्ट हैं, ने हाल ही में अपनी फिल्म सरफरोश की 25वीं सालगिरह मनाई। 25वीं सालगिरह का जश्न मनाने के लिए आमिर और उनकी फिल्म सरफरोश की टीम एक छत के नीचे इकट्ठा हुई और जमकर जश्न मनाया गया। टीम ने अपनी फिल्म की एक स्क्रीनिंग रखी थी, जो सितारों से सजी थी, जिसे रेडियो स्टेशन रेडियो नशा द्वारा आयोजित किया गया था।

मुंबई के पीवीआर जुहू में आयोजित सरफरोश की विशेष स्क्रीनिंग के दौरान आमिर ने सरफरोश 2 की घोषणा भी की। अभिनेता को मीडिया से बातचीत करते हुए देखा गया जहां उन्होंने सरफरोश 2 के निर्माण का खुलासा किया। सरफरोश 2 के बारे में बोलते हुए, आमिर ने कहा कि वह

एक बात के लिए प्रतिबद्ध हो सकते हैं, कि हम सही स्क्रिप्ट के साथ आने के लिए अब इसे वास्तव में गंभीरता से लेंगे। उन्होंने यहां तक कहा कि जॉन को यहां से काम पर जाना है और कहा कि सरफरोश 2 बनानी है।

खैर, सरफरोश की स्क्रीनिंग, आमिर की अनाउंसमेंट ने इसे और भी खास बना दिया। दर्शकों को आमिर खान की सरफरोश देखने को मिली, जो उनके बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक थी। सरफरोश का निर्देशन जॉन मैथ्यू मैथन ने किया था और इसका प्रीमियर 1999 में हुआ था। फिल्म में सोनाली बेंद्रे, नसीरुद्दीन शाह, मकरंद देशपांडे और अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई थीं। कहानी एसीपी अजय राठौड़ के बारे में थी जो भारत में आतंकवादी गतिविधियों की श्रृंखला की जांच करते हैं।

वृद्धि दर के लिए बाजार सुधारों पर ध्यान देना होगा

नई दिल्ली। भारत को दो अंकीय वृद्धि दर हासिल करने के लिए भूमि और श्रम जैसे कारक बाजार सुधारों पर ध्यान देने की जरूरत है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने यह बात कही है। उन्होंने पीटीआई-से साक्षात्कार में कहा, ह्यह्यइस बात को लेकर चिंताएं हैं कि भारत में बेरोजगारी के औपचारिक क्षेत्र में भूमि और श्रम जैसे बुनियादी कारक बाजार का आकार अभी भी छोटा है। इसलिए, आप वास्तव में उन्हें औपचारिक बनाना चाहते हैं। कारक बाजार सुधारों में भूमि, श्रम, ऊर्जा और ऋण तक पहुंच आदि शामिल हैं, जो उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

श्रम सुधारों को 2020 में संसद से मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा सका है। पार्क ने कहा कि नियामकीय और कारोबारी सुगमता तथा शुल्क को

आसान और कम करके भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखला में हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मानव पूंजी में अधिक निवेश होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा जैसे सघन विनिर्माण वाले क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने की जरूरत है, जो अब भी बहुत सीमित हैं और एशिया के अन्य अधिक गतिशील हिस्सों की तरह तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं। पार्क ने कहा कि दोहरे अंक की वृद्धि हासिल करने के लिए भारत विभिन्न मापदंडों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचा क्षेत्र और वैश्विक अग्रणी प्रौद्योगिकियों में भारी निवेश की जरूरत होगी।

चीन रहा इंडिया का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार

नई दिल्ली। चीन बीते वित्त वर्ष (2023-24) में 118.4 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है। भारत के साथ व्यापार के मामले में चीन ने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 118.3 अरब डॉलर रहा है। 2021-22 और 2022-23 में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 16.67 अरब डॉलर हो गया।

लौह अयस्क, सूती धागा/ कपड़े/ मेडअप, हथकरघा, मसाले, फल और सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम जैसे क्षेत्रों में भारत का निर्यात बढ़ा है। वहीं बीते वित्त वर्ष

में पड़ोसी देश से भारत का आयात 3.24 प्रतिशत बढ़कर 101.7 अरब डॉलर हो गया। दूसरी ओर, अमेरिका को निर्यात 2023-24 में 1.32 प्रतिशत घटकर 77.5 अरब डॉलर रह गया। 2022-23 में यह 78.54 अरब डॉलर था। अमेरिका से भारत का आयात लगभग 20 प्रतिशत घटकर 40.8 अरब डॉलर रह गया। जीटीआरआई ने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 से 2023-24 के दौरान शीर्ष 15 व्यापारिक भागीदारों के साथ भारत के व्यापार में काफी बदलाव आया है। इससे न केवल आयात और निर्यात प्रभावित हुआ है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार अधिशेष और व्यापार घाटे की स्थिति भी बदली है।

इसमें कहा गया है कि इस अवधि में चीन को निर्यात में 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई, जो 16.75 अरब डॉलर से घटकर 16.66 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं चीन से आयात 44.7 प्रतिशत बढ़कर 70.32 अरब डॉलर से 101.75 अरब डॉलर हो गया। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ह्यह्यआयात में इस वृद्धि के कारण व्यापार घाटा बढ़ गया, जो 2018-19 के 53.57 अरब डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 85.09 अरब डॉलर हो गया। इसके विपरीत इस अवधि में अमेरिका के साथ व्यापार में वृद्धि देखी गई। अमेरिका को निर्यात में 47.9 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो 52.41 अरब डॉलर से बढ़कर 77.52 अरब डॉलर हो गया। अमेरिका से आयात भी 14.7 प्रतिशत बढ़कर 35.55 अरब डॉलर से 40.78 अरब डॉलर हो गया। इसके चलते भारत का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 16.86 अरब डॉलर से बढ़कर 36.74 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, चीन 2013-14 से 2017-18 तक और 2020-21 में भी भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार था। चीन से पहले, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) देश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था। 2021-22 और 2022-23 में अमेरिका सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था।

बीते वित्त वर्ष में देश का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन

नई दिल्ली। समुद्री मार्ग से ढुलाई की कीमतें घटने और गर्मियों में बिजली की मांग बढ़ने की संभावना के चलते बीते वित्त वर्ष (2023-24) में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन पर पहुंच गया है। बी2बी ई-कॉमर्स कंपनी एमजंक्शन सर्विसेज के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले वित्त वर्ष में भारत ने 24.90 करोड़ टन कोयला का आयात था। मार्च, 2024 में भी भारत का कोयला आयात बढ़ा है। यह पिछले साल के समान महीने के 2.11 करोड़ टन से बढ़कर 2.39 करोड़ टन पर पहुंच गया है। मार्च में आयातित कुल कोयले में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.53 करोड़ टन रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष के समान महीने में यह 1.38 करोड़ टन था। मार्च में कोकिंग कोयले का आयात 53.4 लाख टन रहा, जो इससे पिछले साल के समान महीने में 39.6 लाख टन था। बीते वित्त वर्ष में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 17.59 करोड़ टन रहा, जो 2022-23 में 16.24 करोड़ टन था। कोकिंग कोयले का आयात 2023-24 में 5.72 करोड़ टन रहा, जबकि 2022-23 में 5.44 करोड़ टन रहा था। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा ने कहा, 'समुद्री मार्ग से ढुलाई की कीमतों में नरमी और गर्मियों के सीजन में बिजली की मांग बढ़ने की संभावना से देश का कोयला आयात बढ़ा है। हालांकि, घरेलू बाजार में कोयले की पर्याप्त उपलब्धता है, इसलिए यह देखने वाली बात होगी कि आगामी महीनों में कोयले का आयात मजबूत रहता है या नहीं।'

गाल पर चाटा पड़ते ही छा गया सन्नाटा युवक को घसीटते हुए ले गई युवती

औरैया। जिला अस्पताल में मंगलवार सुबह करीब 11 बजे एक युवती पहुंची और युवक पर शादी करने का दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगी। इसी बीच युवती ने युवक के गाल पर थप्पड़ जड़ दिया गया। इसके बाद काफी देर तक युवक को घसीटते हुए ले गई। जानकारी के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। मामले को शांत करा दिया।

शहर के मुहल्ला बनारसीदास निवासी एक युवक जिला अस्पताल में था। उसकी शादी सहायल के एक गांव की युवती से तय हुई थी। युवती प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है। उसने शादी करने से मना कर दिया। आरोप है कि शादी से इनकार करने के बाद भी युवक फोन कॉल कर शादी का दबाव बनाने लगा। इससे नाराज युवती मंगलवार सुबह जिला अस्पताल पहुंची और युवक को बुला कर अस्पताल परिसर में थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद पास में स्थित पेट्रोल पंप तक घसीटते हुए ले गई। इसी बीच अस्पताल में हो रहे हंगामे को देखते हुए मौके पर आसपास के लोग पहुंच गए। दोनों को समझाकर शांत करा दिया। मारपीट का वीडियो किसी ने बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल कर दिया। युवक सफाई कर्मी बताया जा रहा है। कोतवाल भूपेंद्र सिंह राठी ने बताया कि मामले की जानकारी हुई है। अभी तक किसी की तहरीर नहीं मिली है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

मायावती को बड़ा झटका, पूर्व राज्य मंत्री समेत एक और दिग्गज नेता ने बसपा से दिया इस्तीफा

औरैया। बसपा सरकार में राज्य मंत्री रहे औरैया के रुहाई मुहल्ला निवासी रामजी शुक्ला व नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि लालजी शुक्ला बसपा छोड़ पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सामने समाजवादी पार्टी में शामिल होंगे। इनके अलावा शहर के मुहल्ला ओम नगर निवासी वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के पदाधिकारी श्याम बाबू बाजपेयी, गांव सुरान निवासी पूर्व प्रधान धर्मेश तिवारी उर्फ लल्ली सहित सैकड़ों समर्थकों के साथ सपा की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

बसपा के भाईचारा मंडल कोऑर्डिनेटर औरैया निवासी चंद्रशेखर सोनी को भारतीय जनता पार्टी कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल, ज्वाइनिंग कमेटी के सह संयोजक अनूप अवस्थी ने भाजपा जिलाध्यक्ष भुवन प्रकाश गुप्ता की सहमति से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता दिलाई। चंद्रशेखर सोनी ने भाजपा की सदस्यता लेते ही कहा कि बहुजन समाज पार्टी में भाईचारा के नाम पर शोषण किया जाता था। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्र के लिए समर्पित पार्टी है इसलिए मैं भारतीय जनता पार्टी से प्रभावित होकर सदस्यता ग्रहण कर रहा हूं। सदस्यता के समय भरथना के पूर्व विधायक डॉ. सिद्धार्थ शंकर भी मौजूद रहे।

दुष्कर्म और हत्या करने वाले बहनोई को फांसी

औरैया। जनपद फिरोजाबाद थाना रसूलपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी 13 वर्षीय किशोरी चार मई 2023 को दिबियापुर के गांव तैयापुर में बहनोई रोहित के घर आई थी। इसके बाद 29 मई को रोहित की बहन की शादी थी। 30 मई को बहन की विदा होने के बाद रोहित ने दिन भर शराब पी और देर शाम 13 वर्षीय साली के साथ दुष्कर्म किया था।

बताया गया कि विरोध करने पर उसे दांतों से सात जगह काटने के साथ फुंकनी से पीटा था। इसके बाद उसने रात को भी उसके साथ दुष्कर्म किया और गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने पिता की तहरीर पर रोहित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। साथ ही उसे गिरफ्तार जेल भेज दिया था।

विशेष न्यायाधीश मनराज सिंह ने इस मामले की सुनवाई की और महज दस माह में ही दुष्कर्म के बाद हत्या करने के दोषी दोषी रोहित को फांसी की सजा सुनाई है। साथ ही पांच लाख रुपये अर्थदंड लगाया है।

शिवपाल को पुलिस ने थमाया नोटिस

जिले के बाहर खुद छोड़कर आई पुलिस, बेटे आदित्य ने जताया रोष

बदायूं। तीसरे चरण के लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान होना है। रविवार को चुनाव प्रचार थमते ही पुलिस और प्रशासन ने बाहर से आए लोगों को जिले से बाहर करना शुरू कर दिया था।

रविवार को रात में ही पुलिस ने पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव के आवास पहुंची, जहां सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव अपना निवास स्थान बनाए थे। लेकिन रात में शिवपाल यादव वहां नहीं मिले। इसके बाद सोमवार सुबह पुलिस फिर पहुंची। वहां शिवपाल यादव मिले तो उन्हें नोटिस थमाया। इसके बाद खुद पुलिस कछला बार्डर तक उन्हें छोड़ने गई।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव पार्टी के स्टार प्रचारक भी है। सपा प्रत्याशी आदित्य यादव के चुनाव को लेकर उनके पिता शिवपाल यादव समेत कई बाहरी लोग जिले में डेरा जमाए थे। लेकिन चुनाव प्रचार प्रसार समाप्त होने के बाद पुलिस ने बाहरी नेताओं को जिला से बाहर का रास्ता दिखाना शुरू कर दिया। रविवार को ही पुलिस ने पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव के आवास पहुंची। जहां बाहरी लोगों को यहां न रुकने की चेतावनी दी। इस दौरान शिवपाल सिंह यादव वहां नहीं मिले थे। सोमवार को पुलिस फिर वहां पहुंची। इस बार पुलिस नोटिस देकर गई थी। सिविल लाइंस इंस्पेक्टर गौरव बिश्नोई ने शिवपाल सिंह यादव को नोटिस दिया। कहा कि बाहरी होने के नाते वह अब यहां नहीं रह सकते। इसके बाद शिवपाल अपनी कार से बाहर निकले। जिसके बाद पुलिस उनके पीछे लग गई। पुलिस उन्हें बदायूं जिले की सीमा के बाहर कछला बार्डर तक छोड़ कर आई। एसएसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पांच मई की शाम को चुनाव आयोग के नियमानुसार प्रचार थम गया था। ऐसे में कोई बाहरी व्यक्ति जिले में नहीं रह सकता।

सपा नेता शिवपाल यादव अपनी पार्टी के स्टार प्रचारक हैं। उनके बेटे आदित्य यादव यहां से चुनाव लड़ रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि शिवपाल यादव यहां से प्रत्याशी हैं और न ही वह यहां के मतदाता है। ऐसे में निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पुलिस की ओर से उन्हें नोटिस दिया गया कि वह बदायूं से प्रस्थान करें। एसएसपी ने बताया कि शिवपाल बदायूं से जा चुके हैं। मतदान वाले दिन भी उनकी यहां आने पर पाबंदी रहेगी।

मैनपुरी में सपा कार्यकर्ताओं ने डिंपल यादव से की शिकायत, बोले- प्रशासन ने हमे...

सैफई। मैनपुरी लोकसभा के जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र का चुनाव मंगलवार को समाप्त होने के बाद बुधवार को क्षेत्र के लोगों ने सपा कार्यालय में सांसद डिंपल यादव से मुलाकात की और बूथों का हिसाब दिया। जिला प्रशासन पर एकतरफा कार्रवाई का भी सपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है। सैफई तहसील क्षेत्र में 108 बूथ हैं, जहां पर कुल 87 हजार 517 मतदाता हैं। ग्राम पंचायत बघुइया के बूथ संख्या 227 पर 89.15 प्रतिशत मतदान सबसे ज्यादा हुआ। इसके बाद नगला अनिया के बूथ संख्या 177 पर 88.57 प्रतिशत वोट पड़े। उदिमपुर के बूथ संख्या 244 पर 88.43 चौबेपुर के बूथ संख्या 213 पर 86.47, झींगूपुर के बूथ संख्या 224 पर 75.47, 280 पर 80 प्रतिशत मतदान रहा।

अतिराजपुर के बूथ संख्या 222 पर 84.59 और मेडिकल विश्वविद्यालय के बूथ संख्या 223 पर सबसे कम 34.89 प्रतिशत मतदान रहा। बूथों पर मतदान को लेकर सांसद डिंपल यादव व पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव से सपा ब्लाक अध्यक्ष संतोष शाक्य, प्रदीप यादव आढ़तिया, पूर्व प्रधान आनंद उर्फ बबलू, प्रधान अभिषेक यादव, पप्पू यादव, सर्वेश यादव, राधा कृष्ण यादव, राकेश यादव, रामबाबू यादव, दिनेश, अनीता यादव मिले।

उन्होंने कहा, प्रशासन ने फोटो पहचान पत्र में त्रुटि होने पर वोट नहीं डालने दिए। इससे मतदान का प्रतिशत कम हुआ। पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव ने जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि झींगूपुर में वोट प्रतिशत कम करने के लिए जिला प्रशासन ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया। कार्यकताओं को पीटा गया। यहां पर मतदान प्रतिशत 98 प्रतिशत रहता है, लेकिन जिला प्रशासन के दबाव में मतदान प्रतिशत कम हुआ। यहां पर किसी पार्टी का कोई बस्ता नहीं लगता है। विरोध के बावजूद भी प्रशासनिक अधिकारी मतदाताओं को डराते धमकाते रहे।

कांग्रेस ने देश को बांटा, अब विरासत टैक्स लगाएगी

कांग्रेस और सपा का फिर से गठबंधन देश को धोखा देने के लिए हुआ हैः सीएम योगी

औरैया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस, सपा, बसपा के समय गरीब भूखों मरता था। सपा के लोग वसूली करते थे। माफिया सत्ता पर हावी होकर गरीबों की जमीनों पर कब्जा करते थे। इनके पास गरीबों को देने के लिए कुछ नहीं था, लेकिन सपा ने आर्तकियों के मुकदमों को वापस लेने का कार्य किया था। गरीब भूखों मरता था और यह लोग आर्तकियों को बिरयानी खिलाते थे। कांग्रेस व सपा का फिर से गठबंधन देश को धोखा देने के लिए हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को औरैया के जनता महाविद्यालय, अजीतमल में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने इटावा के सांसद व भाजपा उम्मीदवार रामशंकर कठेरिया को फिर से 'दिल्ली' भेजने की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने दस वर्ष में भारत के सर्वांगीण विकास, आपके और आपके भावी पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए कार्य किए हैं। देश में अब सुरक्षा का माहौल है। पटाखा फूटने पर अब पाकिस्तान तुरंत ही सफाई देता है कि मेरा कोई हाथ नहीं है। उसे पता है कि अगर हाथ हुआ तो पाकिस्तान साफ हो जाएगा। सीएम योगी ने आमजन से पूछा कि आतंकवाद, नक्सलवाद का जनक कौन है। औरैया को विकास और एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज से किसने वंचित किया था। मोदी के नेतृत्व में नए-नए संस्थान खुल रहे हैं। कांग्रेस, सपा-बसपा ने कुल मिलाकर जितना कार्य नहीं किया, मोदी ने 10 वर्ष में उससे अधिक कार्य कर दिया। सीएम ने पीएम मोदी के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों को भी गिनाया।

सीएम योगी ने कहा कि यह लोग अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ी जातियों के हकों पर डकैती डालने का कार्य कर रहे हैं। अपने घोषणा पत्र में कांग्रेस कह रही है कि पिछड़ी जाति को मिलने वाले 27 फीसदी आरक्षण में मुसलमानों को भी शामिल कर उन्हें लाभ देंगे।

बाबा साहेब आंबेडकर ने विरोध किया था कि धार्मिक आधार पर देश में आरक्षण नहीं हो सकता, लेकिन यह लोग धार्मिक आधार पर समाज को बांटकर देश के विभाजन की नींव रखना चाहते हैं। यह लोग अनुसूचित जाति के अधिकारों पर कुठाराघात करना चाहते हैं। यूपीए सरकार के समय ऐसे प्रयास प्रारंभ हुए थे। भाजपा ने विरोध करते हुए कहा था कि अनुसूचित जाति, जनजाति को संविधान प्रदत्त अधिकार मिलने से कोई वंचित करेगा तो भीषण आंदोलन करेंगे। भाजपा ने आंदोलन भी किया था।

सीएम योगी ने कहा कि 1947 में कांग्रेस ने देश को बांटा, अब भारतवासियों के संपत्ति का एक्सरे कराकर विरासत टैक्स लगाने की बात कह रही है। आपके दादा-पिता की कमाई गई संपत्ति में से आधी पर कांग्रेस व सपा का अधिकार हो जाएगा। यह लोग कह रहे हैं कि अल्पसंख्यकों को रूचि के अनुसार खानपान की स्वतंत्रता देंगे। सीएम ने पूछा कि भारत में अल्पसंख्यक व बहुसंख्यक का भोजन अलग है क्या। हमारा बहुसंख्यक समाज गोमांस नहीं खाता पर यह अल्पसंख्यकों को गोकशी की छूट देंगे। कांग्रेस व सपा की इस मांग को स्वीकार नहीं करना है। यह आस्था से खिलवाड़ है।

अनियंत्रित होकर डग्गामार वाहन पलटा, चालक मरा

सिलहरी। पुलिस लाइन चौराहे से कार में सवारी भरकर बरेली जाते समय कार मलगांव फाटक के पास अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे डग्गामार वाहन चालक की मौके पर ही मृत्यु हो गई। हादसे में कार में सवार शेष सभी सवारी बाल बाल बच गईं। कार चालक ने पुलिस लाइन चौराहे पर ही चाबी हेल्पर को दे कर उससे सवारी बरेली छोड़कर आने को कहा था।

शहर कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला सम्राट अशोक नगर निवासी धर्मेंद्र बिनावर के चंदननगर खरेर निवासी तसलीम की ईको कार में हेल्परी का काम करता था। कार शहर के पुलिस लाइन चौराहे से डग्गामारी में चलती थी। उसे खुद तस्लीम चलाता था। स्वजन के अनुसार शुक्रवार को तस्लीम ने कार की चाबी धर्मेंद्र को दी और सवारियों को लेकर बरेली जाने को कहा। धर्मेंद्र कार चला लेता था। इसके चलते वह कार में पुलिस लाइन चौराहे से सवारियों को बैठाकर बरेली की ओर निकल गया। वह जब बिनावर थाना क्षेत्र के मलगांव फाटक के पास पहुंचा कि तभी अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पलट गई।

कार के पलटने से मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने उसमें सवार यात्रियों को सकुशल बाहर निकाल लिया। लेकिन चालक धर्मेंद्र दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंची। जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना पर स्वजन जिला अस्पताल पहुंचे। उधर बिनावर पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया। इस मामले में पुलिस कार चालक के विरुद्ध कार्रवाई कर सकती है।

जब बांदा से उखड़ गए थे कांग्रेस के पांव

कचहरी गोलीकांडः 19 की मौत, 50 को जिंदा नदी में फेंका था

चित्रकूट। 12 जुलाई, 1966 को बांदा कचहरी में कम्युनिस्टों के प्रदर्शन के दौरान तत्कालीन पुलिस अधीक्षक निजामुद्दीन आगा शाह खान व जिलाधिकारी टी ब्लाह ने गोली चलवा दी थी। कर्वी के वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक द्विवेदी बताते हैं कि इस गोलीकांड में 19 लोगों की मौत हो गई, जबकि 213 घायल हुए थे। पुलिस ने 524 लोगों को सरकारी खजाना लूटने के आरोप में जेल भेजा था। 50 से अधिक घायल लोगों को जिंदा ट्रकों में भरवाकर यमुना नदी में फेंक दिया था। इस गोलीकांड की चर्चा पूरे देश में हुई थी। इस घटना ने बांदा-चित्रकूट की राजनीति बदलकर रख दी थी। देश की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस के इस जमीं से पैर उखड़ गए थे। ह्यधन और धरती बंटकर रहेगीह्व के नारे से गरीब-गुरबा इतना प्रभावित हुए कि वर्ष 1967 में लोकसभा चुनाव में यहां वामपंथियों की इंट्री हो गई। बांदा लोकसभा क्षेत्र

से जागेश्वर यादव भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के टिकट पर सांसद चुने गए और कांग्रेस तीसरे पायदान में खिसक गई थी।

वर्ष 1971 में भारतीय जनसंघ के रामरतन शर्मा सांसद चुने गए, तो आपातकाल के बाद हुए 1977 में हुए चुनाव में भारतीय लोकदल के अंबिका प्रसाद पांडेय के सिर जीत का सेहरा बंधा। वर्ष 1980 में कांग्रेस ने वापसी की और 1984 का चुनाव भी जीता, लेकिन 1989 में एक बार फिर लाल सलाम यानी सीपीआइ ने इस सीट में रामसजीवन सिंह को सांसद बनाकर कब्जा कर लिया।

बांदा सीट में वर्ष 1991 और 1998 में भाजपा की जीत मिली। वर्ष 1996 और 99 में बीएसपी से रामसजीवन सिंह सांसद चुने गए। बसपा से वर्ष 2004 में सपा ने श्यामाचरण गुप्ता को सांसद बनाकर सीट छीन लिया। यह जीत का सिलसिला 2009 में भी कायम रहा। आरके सिंह पटेल सपा के टिकट से चुने गए। अब 2014 से यह सीट भाजपा के पास है। मोदी लहर में 2014 में भैरों प्रसाद मिश्र व 2019 में आरके सिंह पटेल सांसद चुने गए।

बांदा-चित्रकूट लोकसभा सीट में आजादी के बाद से 17 सांसद चुने गए हैं। स्वतंत्रता के बाद लोगों ने पहली बार 1952 वोट किया था। कांग्रेस से शिवदयाल उपाध्याय सांसद चुने गए थे। इसके बाद 1957 में कांग्रेस के टिकट पर राजा दिनेश सिंह और 1962 में सावित्री निगम ने जीत दर्ज कांग्रेस की हैट्रिक लगाई, लेकिन वर्ष 1967 का चुनाव कांग्रेस के लिए कड़वी यादें दे गया। सीपीआइ के जागेश्वर यादव सांसद चुने गए।

'इंडिया' को जेपी नड्डा ने कहा 'घमंडिया'

चित्रकूट। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भगवान श्रीराम की तपोभूमि पर विपक्षियों को निशाने पर रखा। इंडी गठबंधन को एक

बार फिर घमंडिया गठबंधन बताते हुए कहा कि यह भ्रष्टाचारियों का परिवार है जिसके आधे नेता बेल पर हैं और आधे जेल में हैं। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं को गिनाते हुए बांदा-चित्रकूट लोकसभा सीट के प्रत्याशी आरके सिंह पटेल को जिताने की अपील की। भाजपा अध्यक्ष ने भारत माता के जयकारे से साथ अपना संबोधन शुरू किया। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी, पी चिदंबरम और लालू यादव के भ्रष्टाचार गिनाए। बोले, कांग्रेस पहले धर्म और जाति के नाम पर लोगों को बांटती थी, अब उनके नेता चमड़ी के आधार पर देश को बांट रहे हैं। कांग्रेस हमेशा टुकड़े-टुकड़े गिरोह की समर्थक रही है।

स्लाकार ग्लोबल कंपनी का स्टाफ कर रहा पुलिस व परिवहन विभाग का काम, कार्रवाई से मचा हड़कंप

रामकेश शर्मा

सिंगरौली। जिले में जो कार्य पुलिस एवं परिवहन विभाग को करनी चाहिए उस कार्य को इन दिनों सलाकार ग्लोबल कंपनी का स्टाफ कर रहा है। जिले में सैकड़ा भर से ऊपर अनाधिकृत रूप से नाके तैयार कर बाउंसरों के माध्यम से वाहनों की चेकिंग करा रहा है। जिसके कारण वाहन चालकों एवं बाउंसरों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। आरोप है कि पुलिस अधिकारी रेत कारोबारी साहाकार ग्लोबल कंपनियों पर बड़ा दिल दिखा रहे हैं।

दरअसल रेत ठेकेदार साहाकार ग्लोबल कंपनी एवं ग्रामीणों के बीच आये दिन मारपीट, गाली गलौज, छीना झपटी की स्थिति जिले में निर्मित हो रही है। शांति प्रिय सिंगरौली जिले में साहाकार ग्लोबल कंपनी के आने के बाद जिले में ग्रामीणों एवं रेत ठेकेदार के बीच विवाद रोजमर्रा में आ गया है। आलम यह है कि जिले के कई स्थानों में रेत ठेकेदार ने जगह-जगह अनाधिकृत रूप से नाका बनाकर हाईवा, ट्रक, टिपर, ट्रैक्टर वाहनों को खड़ा कराकर उनकी विधिवत जांच कराया जाता है।

लोड-अनलोड वाहनों से उनका कोई ताल्लुकात नही रहता। वाहनों की जांच कर चालकों से आधार कार्ड, मोबाईल नम्बर जरूर लेते हैं। यदि किसी वाहन में मटेरियल भी है तो उसकी बिल्टी, टीपी जरूर चेक करते हैं। अनाधिकृत नाकों पर तैनात बाउंसरों से कोई बहस करता है तो वे रौब झाड़ने लगते हैं और यही से विवाद की स्थिति निर्मित हो जा रही है।

सवाल उठाया जा रहा है कि जगह-जगह नाका बनाकर वाहनों की जांच करने का स्वीकृति किसने दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जो कार्य प्रशासन को करना चाहिए वह कार्य रेत ठेकेदार का स्टाफ कर रहा है। ऐसे हालात में विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है। प्रबुद्ध नागरिकों का मानना है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक उदासीनता एवं ठेकेदार को संरक्षण मिला हुआ है। जिसके चलते ठेकेदार का स्टाफ इस तरह से हरकते कर रहा है। जिले में अपना दबदबा बनाने के लिए ठेकेदार इस तरह के कदम उठा रहा है।

बाउंसरों का सत्यापन हुआ है क्या?

कई नागरिकों का कहना है कि पुलिस अधिकारी मकान मालिकों को सख्त हिदायत दिया है कि यदि कोई किरायेदार आते हैं तो निर्धारित प्रोफार्मा के साथ उनकी जानकारी ले। नही तो यदि कोई शिकायत मिली तो मकान मालिक जिम्मेदार होंगे। अब इसी बात लेकर नागरिकों ने पुलिस पर ही सवाल दागने लगे हैं। इनका कहना है कि जिले में कारोबारी के सैकड़ों की संख्या में बाउंसर एवं स्टाफ दूसरे जिले एवं प्रांतों से सिंगरौली में करीब दो महीने के अधिक समय से आये हुये हैं। क्या पुलिस उनका बेरीफिकेशन कराई है। उनके आधारकार्ड एवं अन्य जानकारियां ली गई। यदि ऐसा नही हुआ है तो कहीं न कहीं पुलिस दोहरे मापदण्ड पर उंगली उठना लाजमी है।

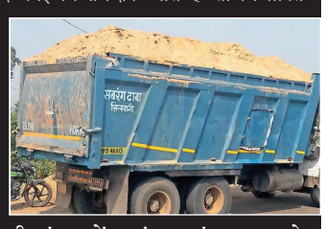

पत्रकार की दिनदहाड़े हत्या, बदमाशों ने सरेआम घेरकर गोलियों से भूना

जौनपुर। एक पत्रकार को बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पत्रकार को तीन बदमाशों ने दिनदहाड़े घेरा और गोलियों से भून दिया। पत्रकार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तीनों बदमाश हत्या के बाद फरार हो गए। हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि उनके काम के कारण किसी ने रंजिश में हत्या की है।

मामला जौनपुर के शाहगंज थाना क्षेत्र के इमरानगंज बाजार का है। वहां बाजार जा रहे पत्रकार को अचानक तीन बदमाशों ने घेरा और उनपर फायरिंग शुरू कर दी। पत्रकार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसके बाद बदमाश वहां से फरार हो गए। इलाके में दिनदहाड़े हत्या होने से दहशत फैल गई। हत्या सुबह के समय की गई। बताया जा रहा है कि मृतक 43 वर्षीय आशुतोष श्रीवास्तव है। आशुतोष सुदर्शन न्यूज चैनल के जिला संवाददाता थे। आशुतोष शाहगंज के सबरहर गांव से बाइक से बाजार जा रहे थे। उसी समय रास्ते में घटना हुई। घटना की जानकारी के बाद इलाके में लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने पत्रकार के परिजनों को घटना की जानकारी दी तो उनके घर में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि गोली मारने का कारण अज्ञात है। अभी आरोपी फरार हैं उनकी तलाश की जाएगी। पुलिस वालों का कहना है कि पत्रकार के परिजनों का कहना है कि वो भूमाफियाओं के खिलाफ काम कर रहे थे। संभावना है कि इसी की रंजिश में पत्रकार की हत्या की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया गया। इलाके के सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने कहा कि मामले में आरोपियों को पकड़कर जल्द कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सात साल बाद पुष्य नक्षत्र में होगी गंगा सप्तमी की पूजा

वाराणसी। वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि 14 मई को गंगा सप्तमी मनाई जाएगी। इस बार सात साल बाद पुष्य नक्षत्र में गंगा सप्तमी पूजा होगी। इस दिन काशी के गंगा घाटों पर मां गंगा की पूजा और आरती की जाएगी। गंगा सप्तमी 14 मई को मनाई जाएगी। इस बार इस तिथि पर सात साल बाद पुष्य नक्षत्र और प्रवर्धमान योग बन रहा है। इस दिन विभिन्न घाटों पर मां गंगा की पूजा और आरती होगी। ऐसी मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान और पूजन से सात जन्मों के पाप से मुक्ति मिलती है और अमृत फल की प्राप्ति होती है। भगवान शिव की नगरी में मां गंगा की विशेष पूजा फलदायी होती है। वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि के दिन मां गंगा स्वर्गलोक से भगवान शिवजी की जटाओं से धरती पर अवतरित हुई थीं। मां गंगा को समस्त नदियों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। विमल जैन के अनुसार इस बार गंगा सप्तमी का पर्व 14 मई को मनाई जाएगी।

'प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर 30 दिनों में कार्रवाई करो'

शौर्य न्यूज इंडिया

सिंगरौली। जिले में सब रजिस्टार सिंगरौली की मुसीबते लगातार बढ़ती जा रही है। चितरंगी क्षेत्र के प्रतिबंधित झपरहवा गांव के 30 एकड़ भूमि रजिस्ट्री का मामला भी ठण्डा नही पड़ा की उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल के न्यायालय से प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर विभाग को कड़े निर्देश दिये गये हैं। सब रजिस्टार अशोक सिंह के मामले में 30 दिवस के अन्दर एक्सन लेने के लिए कहा गया है। अन्यथा याचिकाकर्ता लोकायुक्त के यहां जाने के लिए स्वतंत्र है।

दरअसल सिंगरौली में पदस्थ उप पंजीयक अशोक सिंह परिहार अपनी पहली पदस्थापना से लेकर अब तक काले कारनामों के कारण हमेसा चचाओं एवं विवादों में बने हुये हैं। उप पंजीयक के एक-एक कारनामा जगजाहिर हो चुका है। इसके बावजूद जिले से लेकर भोपाल में बैठे विभागीय एवं जिम्मेदार अधिकारी ठोस कार्रवाई करने से भागते नजर आ रहे हैं। इसके पीछे एक नही अनकों कारण बताये जा रहे हैं। इसी से जुड़ा एक मामला सामने आया था। जहां 1 करोड़ 10 लाख से अधिक रुपए की राजस्व हानि पहुंचाने के आरोप में महानिरीक्षक पंजीयन भोपाल ने 18 अगस्त 2023 को उप पंजीयक सिंगरौली अशोक सिंह परिहार को निलंबित कर दिया गया था। किन्तु करीब 2 महीने के अन्दर 6 अक्टूबर को महानिरीक्षक पंजीयन भोपाल ने उप पंजीयक पर दरियादिली दिखाते हुये बहाल कर स्टाफ की कमी बताते हुये फिर से सिंगरौली के लिए बहाल कर दिया। उसमें केवल विभागीय जांच संस्थित किया। चंद महीनों में निलम्बन बहाल कर सिंगरौली में यथावत पदस्थ किये जाने को लेकर वरिष्ठ अधिकारी को लेकर भोपाल में बैठे अधिकारी सवालों के कटघरें में घिरे हुये हैं। वही अधिकारियों की सांठ-गांठ एवं उप पंजीयक को संरक्षण मिलने की संभावना को देख संदीप साहू ने अधिवक्ता वैभव पाण्डेय के माध्यम से उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश-जबलपुर के न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल के न्यायालय में याचिका दायर किया गया। जहां याचिका के माध्यम से आरोप लगाया है कि प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर विभाग भोपाल द्वारा सब रजिस्टार कार्यालय में भ्रष्टाचार करने का आरोप होने पर भी ठोस कार्रवाई नही की है। याचिकाकर्ता के आवेदन को विद्वान न्यायमूर्ति द्वारा स्वीकार कर प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर विभाग भोपाल को निर्देश दिये गये कि याचिका का निस्तारण किया जा सकता है। अभ्यावेदन पर विचार कर निर्णय ले और इसके अतिरिक्त याचिकाकर्ता इसके लिए स्वतंत्र होगा। यदि उसके द्वारा दिये गये अभ्यावेदन पर निर्णय नही लिया जाता है तो लोकायुक्त के पास जाए। वही यह भी न्यायमूर्ति के द्वारा इस बात का उल्लेख किया गया है कि प्रमुख सचिव आदेश के प्रमाणित प्रति प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर एक्सन ले।

सब रजिस्टार पर अनेकों आरोप, कार्रवाई शून्य : सिंगरौली में वर्षों से पदस्थ उप पंजीयक अशोक सिंह परिहार पर एक नही अनियमितता करने सहित कई अनेकों गंभीर आरोप हैं। विकलांग भर्ती से लेकर स्टांप ड्यूटी में हेरफेर करने तथा नेशनल पार्क अभ्यारण्य बगदरा के प्रतिबंधित क्रय-विक्रय के बावजूद झपरहवा गांव की 30 एकड़ भूमि की रजिस्ट्री करने के अलावा अन्य ऐसे कई चर्चित कई मामले हैं। जिसको लेकर उप पंजीयक आरोपों में घिरे हैं और इसकी शिकायत कलेक्टर से लेकर प्रमुख सचिव वाणित्यिक कर विभाग एवं महानिरीक्षक पंजीयन भोपाल तक की गई। इसके बावजूद बहुचर्चित उप पंजीयक पर कार्रवाई करने की साहस शासन-प्रशासन नही जुटा पा रहा है। इसके पीछे अनेकों कारण बताए जा रहे हैं। अब उच्च न्यायालय के दखल से मामला गरमा गया है।

तिहाड़ जेल से रिहा हुए केजरीवाल, गरमाई सियासत

50 दिन तक जेल में रहे, अंतरिम जमानत पर आए बाहर, बोले, देश को तानाशाही से बचाना है, हजारों कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 50 दिन तक तिहाड़ जेल में रहने के बाद शुक्रवार देर शाम को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अंतरिम जमानत पर बाहर आए। बाहर निकलते ही उन्होंने गाड़ी में बैठकर वहां मौजूद लोगों का अभिवादन किया और सीधे घर के लिए निकल गए। अरविंद केजरीवाल का स्वागत करने के लिए तिहाड़ जेल के बाहर उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल के साथ आम आदमी पार्टी के हजारों कार्यकर्ता मौजूद थे।

तिहाड़ से निकलने के बाद केजरीवाल गाड़ी में बैठे और हाथ हिलाकर वहां मौजूद लोगों का अभिवादन करते हुए सीधे घर के लिए रवाना हो गए। हालांकि जेल से थोड़ी दूर जाने के बाद उन्होंने पार्टी कार्यकतोओं से संक्षिप्त अपील की। उन्होंने कहा, मैं सब लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। देश भर के लोगों ने अपना आशीर्वाद और दुआएं भेजीं, इसके लिए उनका शुक्रिया। मैं सुप्रीम कोर्ट के जजों का भी शुक्रिया करना चाहता हूं, जिनकी वजह से आपके बीच खड़ा हूं।

अरविंद केजरीवाल ने वहां मौजूद लोगों से निवेदन किया कि सभी लोग मिलकर तानाशाही के खिलाफ लड़ें। कहा कि मैं तन, मन, धन से देश को तानाशाही से बचाने के लिए लड़ रहा हूं। लेकिन यह लड़ाई मेरे अकले की नहीं है। इस लड़ाई में देश के 140 करोड़ लोगों का साथ चाहिए। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि कल 11 बजे सभी लोग कनाट प्लेस के हनुमान मंदिर पहुंचे। वहां हम लोग अपनी लड़ाई को जारी रखने के लिए हनुमान जी का आशीर्वाद लेंगे। फिर उन्होंने कहा कि कल 1 बजे पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित किया जाएगा। इस दौरान आगे की रणनीति भी बनाई जाएगी।

बता दें कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी ने 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। केजरीवाल ईडी की ओर से भेजे गए आठ समन के बाद उसके समक्ष हाजिर नहीं हुए थे। ईडी के नौवें समन और मनी लॉन्ड्रिंग कानून के प्रावधानों को केजरीवाल ने अदालत में चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान उन्होंने ईडी के समक्ष पेश होने पर सहमति जताते हुए गिरफ्तारी न होने का भरोसा दिलाए जाने की मांग की थी, लेकिन उन्हें कोर्ट से राहत नहीं मिली थी। उसके बाद ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया था। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने एक जून तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी। प्रवर्तन निदेशालय के नौ समन के बाद केजरीवाल की 21 मार्च को गिरफ्तारी हुई थी। करीब 50 दिन बाद उन्हें राहत मिली है। उन्हें यह राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शर्तें लगाई हैं, जिनका उन्हें पालन करना होगा।

छह शर्तों पर मिली राहत

1. अरविंद केजरीवाल को समर्पण कर दो जून को जेल में लौटना होगा।
2. उन्हें 50 हजार रुपये का मुचलका भरना होगा।
3. केजरीवाल आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपनी भूमिका पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकेंगे।
4. उन्हें अपने इस बयान का पालन करना होगा कि वे किसी भी आधिकारिक फाइल पर तब तक दस्तखत नहीं करेंगे, जब तक कि मामला उपराज्यपाल से मंजूरी हासिल करने जितना जरूरी न हो।
5. केजरीवाल मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सचिवालय में नहीं जाएंगे।
6. वे किसी भी गवाह से बात नहीं कर सकेंगे और मामले से जुड़े आधिकारिक दस्तावेजों को नहीं देख सकेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने ये टिप्पणियां कीं

1. अरविंद केजरीवाल को दी गई अंतरिम जमानत को उनके खिलाफ मामले से जुड़े गुण-दोष पर दी गई राय न माना जाए।
2. केजरीवाल के खिलाफ गंभीर आरोप हैं, लेकिन वे अब तक दोषी करार नहीं दिए गए हैं।
3. उनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है, न ही वे समाज के लिए खतरा हैं।
4. लोकसभा चुनाव के मद्देनजर समग्र और उदार दृष्टिकोण उचित है।
5. केजरीवाल डेढ़ साल तक बाहर थे। उन्हें (ईडी द्वारा) पहले या बाद में गिरफ्तार किया जा सकता था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

मोदी के तीसरी बार पीएम बनने पर पूरे देश में लागू होगी समान नागरिक संहिता

सीतापुर। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि तीसरी बार केंद्र में मोदी सरकार आने पर पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक देश, एक प्रधान व एक विधान के नारे को लेकर बड़ा बयान दिया। धामी ने कहा कि उत्तराखंड में मां गंगा की गंगोत्री है। मां गंगा उत्तराखंड से निकलकर पूरे देश में बहती हैं। इस पवित्र भूमि से समान नागरिक संहिता लागू की गई। उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है जहां पर सभी के लिए यह कानून लागू हुआ है। इस बार केंद्र में भाजपा की सरकार गठन होते ही पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। मुख्यमंत्री धौरहरा सांसद रेखा अरुण वर्मा के समर्थन में महोली में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा केंद्र सरकार ने जम्मू कश्मीर में धारा 370 खत्म करके एक नया इतिहास रचा है। इस धारा को हटाने के लिए जो लोग खून खराबा होने की बात कहते थे लेकिन मोदी सरकार में बिना किसी विरोध के यह जम्मू से हटा दी गई।

नरेंद्र दाभोलकर हत्याकांड में 11 साल बाद फैसला, दो आरोपियों को उम्रकैद

पुणे। नरेंद्र दोभालकर हत्याकांड में 11 साल बाद कोर्ट का फैसला आ गया। महाराष्ट्र के पुणे में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) से जुड़े मामलों की विशेष अदालत ने अंधविश्वास के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले कार्यकर्ता डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में शुक्रवार को दो लोगों को दोषी ठहराते हुए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई और मुख्य आरोपी वीरेंद्र सिंह तावड़े सहित तीन को बरी कर दिया। पुणे के ओंकारेश्वर ब्रिज पर सुबह की सैर पर निकले दाभोलकर (67) की 20 अगस्त 2013 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

लोगों से खचाखच भरे अदालत कक्ष में आदेश को पढ़ते हुए अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायालय) पी.पी. जाधव ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने सचिन अंदुरे और शरद कालस्कर के खिलाफ अंधविश्वास के खिलाफ हत्या और साजिश के आरोप साबित कर दिए हैं और उन्हें आजीवन कारावास तथा 5 लाख रुपये के जुमार्ने की सजा सुनाई गई। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के मुताबिक अंदुरे और कालस्कर ने दाभोलकर पर गोली चलाई थी।

अदालत ने सबूतों के अभाव में आरोपी कान-नाक-गला (ईएनटी) रोग सर्जन तावड़े, संजीव पुनालेकर और विक्रम भावे को बरी कर दिया। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 20 गवाहों जबकि बचाव पक्ष ने दो गवाहों से सवाल-जवाब किए। अभियोजन पक्ष ने अपनी अंतिम दलीलों में कहा था कि आरोपी दाभोलकर के अभियान के विरोध में थे। शुरूआत में इस मामले की जांच पुणे पुलिस कर रही थी, लेकिन बंबई उच्च न्यायालय के आदेश के बाद 2014 में सीबीआई ने मामले को अपने हाथ में ले लिया और जून 2016 में हिंदू दक्षिणपंथी संगठन सनातन संस्था से जुड़े ईएनटी सर्जन तावड़े को गिरफ्तार कर लिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार तावड़े हत्या के मुख्य साजिशकताओं में से एक थे. उसने दावा किया कि सनातन संस्था दाभोलकर की संस्था महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति द्वारा किए गए कार्यों का विरोध करती थी। इसी संस्थान से तावड़े और कुछ अन्य आरोपी जुड़े हुए थे. सीबीआई ने अपने आरोपपत्र में शुरूआत में भगोड़े सारंग अकोलकर और विनय पवार को शूटर बताया था लेकिन बाद में सचिन अंदुरे और शरद कालस्कर को गिरफ्तार किया।

'आरक्षण का अधिकार कोई छीन नहीं सकता'

नंदुरबार। महाराष्ट्र के नंदुरबार में पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचे। पीएम मोदी ने शुक्रवार को नंदुरबार में एक जनसभा में कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस शासित कर्नाटक में धर्म आधारित आरक्षण देने का मुद्दा भी उठाया।

इस दौरान उन्होंने कहा कि कर्नाटक में धर्म के आधार पर आरक्षण क्यों? पीएम मोदी ने कहा कि जब तक वह जिंदा हैं, कांग्रेस को आरक्षण नहीं छीनने देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आपकी संपत्ति को हड़पने की साजिश रच रही है। पीएम ने सैम पित्रोदा और राहुल गांधी का नाम लिए बगैर उनपर भी तंज कसा। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में एक बार फिर कर्नाटक में धर्म आधारित आरक्षण की बात को सामने रखा। उन्होंने पूछा कि कांग्रेस में धर्म आधारित आरक्षण क्यों? कांग्रेस आपकी संपत्ति हड़पने की साजिश कर रही है। साथ ही कहा कि वह है।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में 12 माओवादी ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 12 माओवादी मारे गए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साई ने इसकी पुष्टि की। इस मुठभेड़ के साथ ही इस साल मारे गए माओवादियों की संख्या 100 के पार पहुंच गई है। अप्रैल के अंत तक सुरक्षा बलों ने 91 माओवादियों को मार गिराया था। यह आंकड़ा अब 103 हो गया है। साल 2019 के बाद से यह आंकड़ा सबसे अधिक है। 2018 में सुरक्षा बलों ने 112 माओवादियों को मार गिराया था, और 2016 में कुल 134 माओवादी मारे गए थे। राज्य के गठन के बाद से माओवादियों के मारे जाने का यह सबसे ज्यादाआंकड़ा है।

शुक्रवार की घटना बीजापुर जिले के पीडिया पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले गंगालूर इलाके में हुई, जिसे माओवादियों का गढ़ माना जाता है।

नक्सलियों के मारे जाने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साई की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। विष्णुदेव साई ने कहा, मैं सुरक्षा बलों को बधाई देता हूं। जब से हम सत्ता में आए हैं, हमने नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह दोनों चाहते हैं कि नक्सलवाद जल्द खत्म हो और हमें डबल इंजन सरकार का लाभ मिल रहा है। इससे पहले 16 अप्रैल को कांकेर ज़िला मुख्यालय से करीब 160 किलोमीटर दूर आपाटोला-कलपर जंगल के क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 29 माओवादी मारे गए थे। इस घटना के 48 घंटों के अंदर माओवादियों ने प्रेस रिलीज जारी करके कहा था कि हमारे साथियों ने जंगल क्षेत्र में पनाह ली थी और उनको घेर कर मारा गया है। नक्सल शब्द की उत्पत्ति पश्चिम बंगाल के छोटे से गांव नक्सलबाड़ी से हुई है जहां भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के नेता चारू मजूमदार और कानू सान्याल ने 1967 मे सत्ता और सरकार के विरुद्ध एक सशस्त्र आन्दोलन शुरू किया था।साल 2006 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने माओवादी हिंसा को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था, इसके बाद ऑपरेशन ग्रीन हंट की शुरूआत हुई। साल 2009 में गृह मंत्री पी. चिदबंरम ने संसद में बताया था कि देश में माओवाद प्रभावित ज़िलों की संख्या 223 थी। हालांकि मुख्य रूप से इनका असर देश के दस राज्यों के करीब 75 ज़िलों में माना गया है।

निर्वाचन आयोग ने खड़गे को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने लोकसभा चुनाव में बाधा डालने के लिए कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को फटकार लगाई। आयोग ने उनके बयानों को चुनाव संचालन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर आक्रामकता करार दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान से जुड़ा डेटा जारी करने के संबंध में कांग्रेस के आरोप निराधार हैं। इससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों कराने में भ्रम पैदा होता है। आयोग ने कहा कि ऐसे बयानों से चुनावों में मतदाताओं की भागीदारी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। राज्यों में बड़ी चुनाव मशीनरी इससे हतोत्साहित भी हो सकती है। खरगे ने सात मई को इंडी गठबंधन के नेताओं को पत्र लिखा था। पत्र में चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए मतदान के आंकड़ों पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कथित धांधली का आरोप लगाया था। पत्र में खरगे ने विपक्षी गठबंधन के नेताओं से अपील की थी कि वे ऐसी धांधलियों के खिलाफ आवाज उठाएं। खरगे ने लिखा 'हमारा एकमात्र उद्देश्य संविधान की रक्षा और लोकतंत्र की संस्कृति की रक्षा करना है'। कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा था, 'इंडियन नेशनल डेवलेपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस के तौर पर यह हमारा साझा प्रयास होना चाहिए कि हम लोकतंत्र की रक्षा करें और चुनाव आयोग की निष्पक्षता को बचाएं।' खरगे ने मतदान प्रतिशत के आंकड़ों में हुए फेरबदल पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि 'यह अंतिम नतीजों में फेरबदल करने की कोशिश हो सकती है।'

'पीएम से फेस टू फेस का न्योता स्वीकार'

बोले राहुल गांधी- मैं तैयार, अगर मुझसे नहीं तो खड़गे जी से कर सकते हैं डिबेट

लखनऊ। 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर हाल ही में सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के पूर्व जजों ने पीएम मोदी और राहुल गांधी दोनों को, न्योता दिया था कि वे फेस-टू-फेस बहस करें। इसमें सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टि मदन लोकुर से लेकर एपी शाह शामिल थे। वहीं आज राहुल गांधी ने पूर्व जजों का यह न्योता स्वीकार कर लिया है। राहुल ने कहा कि वह पीएम मोदी से बहस करने के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री को मैं जानता हूं कि वह मुझसे डिबेट नहीं करेंगे। बता दें कि राहुल गांधी लखनऊ में संविधान सम्मेलन में बोल रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 100 प्रतिशत किसी भी मुद्दे पर डिबेट के लिए तैयार हूं। राहुल ने यह भी कहा कि अगर वह मुझसे बहस नहीं कर सकते तो पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी से भी बहस कर सकते हैं।

यूपी के लखनऊ में जब एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी से इस डिबेट वाले न्योते के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मैं 100% किसी से भी डिबेट करने को तैयार हूँ, प्रधानमंत्री से। मगर मैं प्रधानमंत्री को जानता हूँ,

प्रधानमंत्री मुझसे डिबेट नहीं करेंगे। राहुल ने कहा कि मैं नहीं तो हमारे पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी हैं, वो (पीएम मोदी) खड़गे से भी डिबेट कर सकते हैं।

राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान भारतीय संविधान की एक प्रति अपने हाथ में रखी थी। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश में पिछड़े, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकों की संख्या 90% तक है लेकिन उनके लिए हर तरफ रास्ते बंद किया जा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि संविधान ने इन सभी लोगों को आरक्षण का लाभ दिया है जो की लगातार खत्म किया जा रहा है। इसके अलावा राहुल ने आरोप लगाया कि संस्थाओं का निजीकरण करना ही आरक्षण को खत्म करने का एक रास्ता है जिसे सरकार अपना रही है। सरकारी संस्थाएं निजी कंपनियों के हाथों में सौंपी जा रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जब सरकारी संस्थाएं ही नहीं रहेंगी तो आरक्षण देना ही नहीं पड़ेगा। राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर करारा हमला बोला और कहा कि मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं है, वह राजा है, उन्हें संसद से कुछ नहीं लेना-देना है और ना ही मंत्रिमंडल और संविधान से।

राहुल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21वीं सदी के राजा हैं, लेकिन असल में उनकी पावर कहीं और है। राहुल ने कहा कि उनके पीछे दो-तीन फाइनेंसर हैं और वही सब कुछ चला रहे हैं। वायनाड से सांसद ने कहा कि इन सभी का मकसद केवल पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों का रास्ता बंद करना है।

बृजभूषण सिंह पर यौन शोषण के आरोप तय

नई दिल्ली। पांच महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय किए। उन पर महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का भी आरोप लगाया गया है। कोर्ट को बृजभूषण के खिलाफ आरोप तय करने के लिए पर्याप्त सामग्री मिली है। दिल्ली राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को पांच महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न, पीछा करने, महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने और आपराधिक धमकी देने के आरोप तय किए। अदालत ने कहा कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं। अदालत ने सह-अभियुक्त विनोद तोमर के खिलाफ आईपीसी की धारा 506 के तहत आपराधिक धमकी के अपराध के लिए भी आरोप तय किए हैं। विनोद तोमर डब्ल्यूएफआई के पूर्व सहायक सचिव हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट की अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत ने आदेश पारित किया है।

अदालत ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख सिंह पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354ए (यौन उत्पीड़न), 354 (शील भंग करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत अपराध में आरोप तय किए है। हालांकि, छठे पहलवान द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में बृजभूषण शरण सिंह को आरोपमुक्त कर दिया। बृजभूषण के खिलाफ छह पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। उनकी शिकायतों के आधार पर पुलिस ने सांसद के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की थी। 15 जून 2023 को पुलिस ने सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (शील भंग करना), 354ए (यौन टिप्पणी), 354डी (पीछा करना) और 506(1) (आपराधिक धमकी) के तहत अपराध के लिए आरोप पत्र दायर किया था।

शिकायतकर्ताओं ने पहले सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच सही रास्ते पर है। बृजभूषण सिंह पर एक नाबालिग पहलवान ने भी आरोप लगाए थे। हालांकि, बाद में उसने अपनी शिकायत वापस ले ली और दिल्ली पुलिस ने उस मामले में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम) के तहत क्लोजर रिपोर्ट दायर की। विशेष रूप से 26 अप्रैल को अदालत ने मामले में आगे की जांच के लिए बृजभूषण सिंह द्वारा दायर एक आवेदन को खारिज कर दिया था। सिंह ने कहा था कि जब एक पहलवान द्वारा कथित घटना घटी तो वह दिल्ली में नहीं थे। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा उनके खिलाफ आरोप तय करने के आदेश पर भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, 'प्रथम दृष्टया कोर्ट ने आज आरोप तय कर दिए हैं। एक मामले को छोड़कर बाकी मामलों में आरोप तय किए गए हैं। मैं न्यायपालिका के फैसले का स्वागत करता हूं और अब मेरे लिए दरवाजे खुल गए हैं।'

ब्लॉक कर दो 28 हजार मोबाइल

सरकारी आदेशः बीस लाख फोन नंबरों पर भी लटकी तलवार

शौर्य न्यूज इंडिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को दूरसंचार ऑपरेटरों को 28,200 मोबाइल हैंडसेटों को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, सरकार ने इन हैंडसेटों से जुड़े 20 लाख मोबाइल नंबरों को फिर से वेरीफाई करने के निर्देश दिए हैं। संचार मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि वे साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी में मोबाइल फोन के दुरुपयोग को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी), गृह मंत्रालय (एमएचए) और राज्य पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इन विभागों के एकजुट प्रयास का उद्देश्य धोखेबाजों के नेटवर्क को नष्ट करना और नागरिकों को डिजिटल खतरों से बचाना है। गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस द्वारा किए गए विश्लेषण से पता चला है कि साइबर अपराधों में 28,200 मोबाइल हैंडसेट का दुरुपयोग किया गया था।

इसके बाद जब, दूरसंचार विभाग ने आगे विश्लेषण किया तो पता चला कि इन मोबाइल हैंडसेटों के साथ 20 लाख नंबरों का इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद, डॉट ने पूरे भारत में 28,200 मोबाइल हैंडसेटों को ब्लॉक करने और इन हैंडसेट से जुड़े 20 लाख मोबाइल कनेक्शनों का तत्काल पुनः सत्यापन करने के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को निर्देश जारी किए।

डॉट ने दूरसंचार कंपनियों को पुनः सत्यापन में विफल होने पर कनेक्शन काटने का भी निर्देश दिया। दूरसंचार विभाग ने साइबर क्राइम के मामले में ऐसा कदम उठाया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंगलवार को डॉट ने वित्तीय घोटाले में इस्तेमाल किए गए एक फोन नंबर को डिस्कनेक्ट कर दिया, साथ ही उस नंबर से जुड़े 20 मोबाइल हैंडसेट भी ब्लॉक कर दिए।

पलटी बोलेरो, मां संग दो बेटियों की मौत, 7 घायल

हमीरपुर। यूपी के हमीरपुर स्थित गोहांड चंडौत मार्ग पर जनपद जालौन में शादी समारोह से लौट रही बोलेरो का पिछला टायर फटने से अनियंत्रित होकर खड्ड में पलट गई। जिसमें मां और उसकी दो बेटियों की मौत हो गई। घायलों को सीएचसी सरीला में भर्ती कराया गया जहां से दो गंभीर घायलों को मेडिकल कॉलेज उरई रेफर किया गया है। बोलेरो में चालक समेत 10 लोग सवार थे। झबरा चौराहा चण्डौत के पास बोलेरो गाड़ी का अचानक टायर फटने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। उसमें सवार राजवीर सिंह (40) पुत्र मोनू सिंह राजपूत, मंजे (15) पुत्र चन्दन, आरती (35) पत्नी नीरज, अनुष्का (10) पुत्री नीरजसिंह, राधिका (09) पुत्री नीरज, दीपिका (05) पुत्री नीरज, कृतिका (06) पुत्री नीरज सिंह, अंकित (30) पुत्र रणविजय सिंह, नीरजसिंह (45) पुत्र फूलसिंह, मलखान (50) पुत्र गयादीन यादव (चालक) गम्भीर रूप से घायल हो गये।

सरवनपुर में श्री श्री कोईलरवा बाबा का श्रृंगार व बिरहा दंगल का हुआ अयोजन

वाराणसी। सरवनपुर में श्री श्री कोईलरवा बाबा वार्षिक श्रृंगार व बिरहा का विराट दंगल का शनिवार को अयोजन किया गया। जिसमें प्रसिद्ध गायक कलाकार ज्ञानी यादव वाराणसी और गायिका रजनीगंधा जमानियां अपनी कला का प्रस्तुति दी। दोनों कलाकारों के बीच जमकर मुकाबला हुआ।

इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप संजय यादव प्रमुख जी, पूर्व ग्राम प्रधान राजनाथ यादव, ग्राम प्रधान कमला यादव, समाजसेवी तेजू यादव, शिक्षक देवी प्रसाद यादव, नरेश यादव पहलवान कोच साहब, सपा नेता अमरदेव यादव, आशीष यादव, पूर्व प्रधान बच्चे लाल यादव, गुलाब सेठ, पूर्व सैनिक मंशा यादव शामिल रहे है। वहीं इस दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष रंजीत फौजी उर्फ खरू, कोषाध्यक्ष पारसनाथ यादव ने सभी कलाकारों व मुख्य अतिथियों का स्मृति चिन्ह अंग वस्त्र व माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में क्षेत्र की जनता मौजूद रही। दोनों कलाकारों में अपनी कला से दर्शकों का मन मोह लिया।

अब 'यूनिक बनारस' महिलाओं को उपलब्ध कराएगी रोजगार के अवसर

वाराणसी (संतोष अग्रहरि)। रामनगर एवं आसपास के क्षेत्र में रहने वाली बेरोजगार युवतियों को प्रशिक्षण के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का संकल्प लेकर रामनगर में यूनिक बनारस की नीव डाली गई है उक्त बातें यूनिक ग्रुप आफ कंपनी की मैनेजिंग डायरेक्टर करिश्मा राजन तिवारी ने रामनगर पंचवटी रोड स्थित रोमा बिल्डिंग उमा निलियम के प्रांगण में यूनिक बनारस ब्यूटी सैलून एवं बुटीक के नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ के अवसर पर शनिवार को शौर्य न्यूज इंडिया से विशेष बातचीत में कहीं आपको बताते चलें रामनगर पंचवटी रोड पर 'यूनिक बनारस' ब्यूटी सैलून एवं बुटीक का शुभारंभ विधिवत पूजा पाठ के उपरांत किया गया अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पूर्णतया वत अनुकूलित महिलाओं के लिए क्षेत्र में यह पहला अपने आप में बिल्कुल अलग ब्यूटी पार्लर है इसके अलावा इसी के अंदर महिलाओं के लिए बूटी के साथ अन्य उपयोग की वस्तुएं भी यहां उपलब्ध हैं श्रीमती करिश्मा राजन तिवारी ने बताया कि मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए इस प्रतिष्ठा की स्थापना की गई है जहां एक सामान्य बजट में महिलाओं को पार्लर की सारी सुविधाएं महिया कराई जाएगी इसके साथ ही युवतियों को पार्लर संबंधी प्रशिक्षण भी कराए जाने की योजना है।

मोदी के रोड शो में उमड़ा लोगों का हुजूम

रौशनी

वाराणसी। पीएम नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार के लिए वाराणसी पहुंच गए। यहां उन्होंने महामना की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद रोड शो का आगाज कर दिया। पीएम मोदी के साथ यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ भी रहे। वहीं पीएम मोदी खुले वाहने में सवार होकर रोड शो के लिए निकले। इस दौरान उन्होंने लोगों का अभिभावदन स्वीकार किया। पीएम मोदी कल वाराणसी से नामांकन दाखिल करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी के लंका चौक से अपना रोड शो शुरू किया। उनके साथ उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ भी मौजूद हैं। पीएम मोदी वाराणसी से मौजूदा सांसद और उम्मीदवार हैं। कांग्रेस ने यूपी पार्टी प्रमुख अजय राय को वाराणसी से मैदान में उतारा है। पीएम मोदी के रोड शो के लिए लोगों में काफी उत्साह दिखा। इस दौरान लोग पीएम मोदी की एक झलक पाने के लिए काफी पहले ही वहां जमा हो गए थे। जैसे-जैसे पीएम मोदी का काफिला आगे बढ़ता गया लोग पीएम मोदी को देखकर नारे लगाते रहे। इस दौरान वहां विदेशी सैलानी भी पीएम मोदी को देखते हुए खूम झूमे।

पुलिसकर्मियों पर एससी एसटी के केस का आदेश

वाराणसी। दलित महिला सुमनदेवी व उसके पति दीनानाथ पर जानलेवा हमला कर नौ लाख की लूट करने पर एससी एसटी कोर्ट ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया है। सुमन देवी पीड़िता पूर्व में जिला पंचायत सदस्य रही है राजनीतिक शत्रुता के चलते विपक्षीगणों ने पीड़िता के घर में घुसकर मारा पीट करते हुए अपशब्द कहे, बीच बचाव करने आयी प्रार्थिनी की सास को भी मारा आसपास के लोगों द्वारा बीच बचाव करने पर किसी तरह उनकी जान बच सकी पीड़िता के पति की लाइसेंसी पिस्टल भी छीन लिया घटना के दौरान विपक्षीगणों मे अरविंद सिंह उर्फ पप्पू सुभाष सिंह मनोज सिंह पंकज सिंह शशि कुमार अखिलेश कुमार विजय प्रताप उर्फ राजू सहित थाना बड़ागांव के राजकुमार पांडे और चार पांच अज्ञात सिपाहीगण रहे इसकी सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया में वीडियो वायरल था बावजूद इसके पुलिस की मिलीभगत से और पुलिस द्वारा दिन में घर में घुसकर लूटी गई पिस्तौल की बारामदगी दिखाते हुए प्रार्थिनी के पति के विरुद्ध ही मुकदमा दर्ज कर दिया गया प्रार्थिनी की शिकायत पर शीर्ष पुलिस अधिकारियों तक ने संज्ञान नहीं लिया विवश होकर प्रार्थिनी माननीय न्यायालय एससी एसटी वाराणसी में प्रार्थना पत्र दिया जिस पर म न्यायालय ने वीडियो, सीसीटीवी फुटेज फोटोग्राफ्स इत्यादि का संज्ञान लेते हुए मुकदमा दर्ज कर सभी आरोपियों सहित तत्कालीन बड़ागांव इंस्पेक्टर राजकुमार पांडे व अज्ञात सिपाहीगण के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विवेचना का आदेश पारित किया। मामले में प्रार्थिनी की ओर से गौतम कुमार सिंह और विवेक मिश्रा एडवोकेट ने पीड़िता का पक्ष रखा।

श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई डुबकी

वाराणसी। अक्षय तृतीया पर शुक्रवार को आस्थावानों ने गंगा में डुबकी लगायी। इसके साथ ही घाटों पर दान-पुण्य का सिलसिला भी चलता रहा। घाटों पर लोगों ने कई चीजों का भी दान किया। कहते हैं कि आज के दिन दान करने से वह अक्षय हो जाता है। अक्षय तृतीया पर लोगों ने व्रत व उपवास भी रखा। आज के दिन भगवान लक्ष्मीनारायण की प्रसन्नता के लिए व्रत व उपवास रख कर लोगों ने पर्व को मनाया। अक्षय तृतीया को अबूझ मुहुर्त की मान्यता प्राप्त है। इस दिन लोगों ने भूदेव को जल से भरा कलश, नवीन वस्त्र, पंखा, खड़ाऊ, छाता, चावल, दही, सत्तू, खरबूजा, तरबूज, जौ, गेहूं, चना, गुड़, तथा अन्य उपयोगी वस्तुओं के साथ ही नगद दक्षिणा के साथ दान किया। इसके साथ ही स्वर्ण व रजत धातु की वस्तुएं तथा ग्रीष्म ऋतु में प्रयोग में ाने वाली अन्य वस्तुओं का गुप्त दान भी किया गया। शुक्रवार को सुबह होते ही गंगा घाटों पर स्नान करने के लिए लोगों की भीड़ आनी शुरू हो गई। इसके साथ ही लोगों ने गंगा में डुबकी लगाना शुरू कर दिया। सर्वाधिक भीड़ दशाश्वमेधघाट, प्रयागघाट, डा. राजेन्द्रप्रसाद घाट, राणामहल घाट, अहिल्याबाई घाट, अस्सी घाट, तुलसी घाट, मीरघाट, पंचगंगा घाट, सिंधिया घाट, गायघाट, त्रिलोचन घाट, प्रहलादघाट, राजघाट पर रही। गंगा घाटों पर पितरों के लिए लोगों ने तर्पण भी किया। साथ ही पिंडदान का भी क्रम चलता रहा।

पार्कों की दशा में होगा बदलाव, खुलेगी दुकान और होगा रखरखाव

नगर निगम और मदर डेयरी में चल रही है वार्ता, 20 पार्कों का पहले होगा उद्धार, अब आय में बढ़ोतरी और रखराव की सुधि

वाराणसी। काशी के पार्कों की दशा और दिशा में जल्द ही बदलाव होगा। उसकी दशा में अब बेहतर सुधार होगा ,वहीं दिशा को नया पंख भी मिलेगा। स्वछ काशी और सुन्दर काशी के सपने को साकार करने में जुटा नगर निगम अब पार्कों की सुध लेने लगा है। इसके दशा को सुधारने के लिए जहां वह मंथन कर रहा है ,वहीं उसकी दिशा को नई स्वरूप देने में तेजी से भी लगा हुआ है। इसको लेकर नगर निगम ने बड़ी कार्य योजना बना ली है। निगम पहले चरण में नगर के 20 पार्कों के उद्वार के लिए अब पहल भी शुरू कर दी है। इसको लेकर नगर निगम पार्कों में दुकान खोलने के लिए जहां जबरदस्त मंथन कर रहा है ,वहीं मदर डेयरी से दुकान खोलने और पार्कों के रख- रखाव की व्यवस्था के लिए वार्ता भी चल रहा है। नगर आयुक्त अक्षत वर्मा निगम की बैठक कर पार्कों के खराब स्थिति को बेहतर बनाने और उसके दिशा को सुधारने के लिए ठोस कार्य योजना को अतिंम रूप देने में लगे हुए हैं। बैठक में नगर निगम की आय बढाने और रखरखाव के लिए जल्द ही दुकानों को खोलने की योजना बनाया जा रहा है और मार्निंग वाक की व्यवस्था को बेहतर करने के साथ हीं उसके अच्छे रखरखाव के लिए विचार भी चल रहा है। नई योजना में पार्कों में लोगों के लिए टहलने की व्यवस्था रहेगी और पथवे केअलावा सुन्दर बगिया के साथ ही अब डेयरी की दुकानों का संचालन भी होगा। । जहां लोगों को प्रातः टहलने की व्यवस्था होगी और दुकानों के संचालन से मक्खन ,घी और दूध खरीदने का सुविधा भी मिलेगी।

एकतरफा कार्रवाई न्याय संगत नहीं

वाराणसी (श्वेता सिंह)। राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन वाराणसी शाखा की शुक्रवार को हुई बैठक में ट्रांसफॉर्मर जलने पर एकतरफा कार्रवाई की निंदा की गयी। वक्ताओं ने कहा कि यह न्याय संगत नहीं है। विभागीय शीर्ष प्रबंधन की इस कार्रवाई से अवर अभियंताओं में गहरा रोष व्याप्त है।

बैठक में उपस्थित संरक्षक आईपी सिंह ने सभी सदस्यों को सचेत रहकर अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर पूर्वांचल को शीर्ष पर लाने का आह्वान किया। उनहोंने शीर्ष प्रबंधन को अनावश्यक रूप से उत्पीड़न एवं अनुचित कार्यवाहियों को समाप्त करने की चेतावनी दी। पूर्वांचल सचिव नीरज बिंद ने सभी नवागंतुक अवर अभियंताओं को वाराणसी में तैनाती पर शुभकामनाएं दी और कहा कि अपनी समस्याओं को संकलित कर अपने उच्चाधिकारियों से वार्ता अवश्य करे। अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष संजय भारती ने वर्तमान में चल रही अन्यायपूर्ण कार्रवाइयों की घोर निंदा की। कहा कि भीषण गर्मी में ट्रांसफॉर्मर जल जाने पर एकतरफा कार्रवाई गलत एवं तर्कहीन है। बैठक में दिवंगत कालीचरण व नरेश चंद्र के प्रति दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। संचालन प्रमोद कुमार ने किया। बैठक में सियाराम यादव, मुरलीधर, दीपक गुप्ता, पंकज जायसवाल, शिवेंद्र यादव, लाल बरत, सर्वेश विश्वकर्मा, सूर्यनाथ यादव, जयशंकर वर्मा, सतीश बिंद आदि उपस्थित रहे।

महिला दरोगा ने मांगी रकम

वाराणसी। थाना क्षेत्र के सिसवां गांव निवासी अमित कुमार पाल पुत्र पंचम पाल ने 3 वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया। किसी बात से नाराज होकर पत्नी मायके चली गई। और अपनी मां के साथ आकर पति के खिलाफ बड़ागांव के महिला प्रकोष्ठ में प्रार्थना पत्र दी जिस पर महिला दरोगा द्वारा अमित पाल व उसकी माता को थाने पर बुलाकर पति पत्नी के बीच पंचायत कराई गई। पंचायत के बाद पत्नी अपनी मां के साथ वाराणसी चली गई लेकिन महिला दारोगा द्वारा अमित की मां और अमित को थाने पर बैठाकर रुपए की मांग की जाने लगी रुपया न देने पर पुलिस तरह-तरह की धमकी देती रहीं अमित पाल ने बताया कि महिला दरोगा द्वारा 20 हजार रुपए की मांग की गई यह मामला बुधवार की रात की है बुधवार की रात 11:00 बजे अमित की मां को थाने से छोड़ा गया और अमित को थाने पर रात भर बैठाया गया।

अजय राय ने साइकिल से किया रोड शो नामांकन में दिखाई ताकत

बाबा कालभैरव का लिया आशीर्वाद, कहा-महंगाई व बेरोजगारी से देश परेशान, धरातल पर नजर आयी 'इंडिया' की एकजुटता

वाराणसी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय ने शुक्रवार को वाराणसी संसदीय सीट से नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके पूर्व उनका नामांकन जुलूस बेनियाबाग पार्क से निकला और विभिन्न रास्तों से होता हुआ कचहरी पहुंचा। नामांकन जुलूस में इंडिया गठबंधन की एकजुटता धरातल पर नजर आयी। गजब का हुजूम नामांकन जुलूस में नजर आया। कांग्रेस और सपा ही नहीं आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता झंडा लिए हुए चल रहे थे। नामांकन स्थल पर साइकिल से अजय राय पहुंचे, जो लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना रहा। कचहरी स्थित जिला मुख्यालय पर नामांकन स्थल पर जाने के लिए इंडिया गठबंधन के कार्यकर्ता बेताब नजर आए। लेकिन पुलिस की जबर्दस्त घेराबंदी के चलते वे सफल नहीं हो पाए। नामांकन जुलूस के पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और इंडी गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय शुक्रवार की सुबह लोहटिया स्थित बड़ा गणेश मंदिर में दर्शन और पूजन किया। तत्पश्चात बाबा काल भैरव में मत्था टेंका। इसके बाद बाबा विश्वनाथ का दर्शन-पूजन कर बेनियाबाग स्थित राजनारायण पार्क पहुंचे। यहां राजनारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर साइकिल से नामांकन के लिए रवाना हुए। नामांकन के पूर्व उन्होंने मीडिया से कहा कि देश में महंगाई का राज हो गया।

मैं साइकिल से इसलिए नामांकन करने पहुंचा हूं, क्योंकि भीषण महंगाई में पूरा देश साइकिल पर चलने को मजबूर हो गया है। उन्होंने कहा कि हेलीकॉप्टर और हवाई जहाज का जवाब ये साइकिल होगी। साइकिल आम जनता का सम्मान है। उनको ये सम्मान देकर मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मेरे लिए यही सेलिब्रिटी हैं। इन्हीं के आशीर्वाद से मैं जनता की सेवा करूंगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि आज का दिन बहुत ही शुभ है, क्योंकि आज ही अक्षय तृतीया और परशुराम की जयंती है। हर सनातनी इस दिन का इंतजार करता है। इसलिए मैं आज नामांकन दाखिल करने आया हूं। उन्होंने कहा कि अपने काशीवालों का आशीर्वाद लेते हुए नामांकन करने जा रहा हूं। मैं काशी का बेटा हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि काशी वालों का आशीर्वाद मुझे जरूर प्राप्त होगा।

इस दौरान उन्होंने भाजपा पर हमला भी बोला। पीएम मोदी के नामांकन से पहले हो रहे ड्रोन शाम को लेकर उन्होंने सरकार पर निशाना साधा। कहा कि जनता जमीन पर काम देखना चाहती है। ऊपर आकाश में दिखाने की जरुरत नहीं है। काम जमीन पर दिखाए, आसमान में नहीं। जनता रोजगार, काम को देखना चाहती है। आज काशी की जनता जाम की समस्या से जूझ रही है।

उमड़ा भारी हुजूम

बोले- काशी वालों का आशीर्वाद मुझे प्राप्त होगा

कहना गलत नहीं होगा कि इंडिया गठबंधन की जो शुरूआत वर्ष 2023 में हुई थी, वह अब जाकर जमीन पर उतरती हुई नजर आ रही है। कांग्रेस को समर्थन करने वाले अन्य दल भी मान रहे हैं कि जनहित के मुद्दों को जिस तरह से पिछले कुछ महीनों में कांग्रेस ने उछाला है, यह उसी का नतीजा है कि कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन जुलूस में विशाल जनसैलाब उमड़ा। इस भीड़ में विभिन्न पार्टियों के अलावा जनता भी नजर आयी। दिलचस्प यह कि यह भीड़ स्वस्फूर्त रही। जुलूस में उमड़ी भीड़ को लेकर जनता के बीच इस बात की चर्चा रही कि इस बार की लड़ाई कांटे की हो सकती है। क्योंकि जिस तरह से अजय राय के नामांकन जुलूस में भीड़ उमड़ी, यह एक बड़े बदलाव के संकेत दे रही थी।

नामांकन जुलूस में रहे ये शामिल : कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राजेश्वर पटेल, सपा के जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़, मनोज राय धूपचंडी, जिला महासचिव आनंद मौर्या, जिला प्रवक्ता संतोष यादव बबलू एडवोकेट, पूजा यादव, विवेक रंजन यादव, पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, अनवारूल हक अंसारी, मोहम्मद चाचा, अबुल हसन, मोहम्मद हैदर गुड्डू, जावेद अंसारी, शमीम अंसारी, किशमिश गुरू, पूर्व पार्षद विजय यादव विज्जु आदि।

मातृ दिवस मातृ शक्तियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

वाराणसी (रिम्मी कौर)। मातृ शक्तियां हमारे समाज का आधार हैं। उनका स्वस्थ होना एक स्वस्थ समाज का निर्माण करना ही हमारा उद्देश्य है। इसी उद्देश्य के अंर्तगत नव सृजन फाउंडेशन संस्था की अध्यक्ष प्रीति जायसवाल द्वारा निर्मया डाइग्नोस्टिस्ट से डॉ. प्रेरणा पांडे द्वारा निःशुल्क महिलाओं और बेटियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में नव सृजन फाउंडेशन संस्था से 15 से 20 महिलाओं के स्त्री संबंधित रोगों का परिक्षण किया गया और संस्था में निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करने वाली 35 बेटियों का शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

करुणा आई केयर सेंटर
गोधना मोड़ चौराहा, बाईपास, डीडीयू नगर, चंदौली

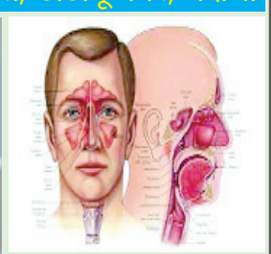

डॉ. अनुराग
एमबीबीएस, एमएस (आई)
डॉ. हरिचरण सिंह
एबीबीएस, एमएस (ईएनटी)
आईएमएस, बीएचयू

नगदी चुराने वाला धराया

वाराणसी। कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी की गयी नगदी सहित लैपटॉप व अन्य सामान बरामद किया। कोतवाली पुलिस ने बताया कि पुलिस आयुक्त वाराणसी द्वारा अपराधों की रोकथाम तथा आगामी लोकसभा चुनाव-2024 के मद्देनजर चोरी लूट की घटनाओं के सफल अनावरण एवं वांछित फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त काशी जोन के निर्देशन अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन के पर्यवेक्षण में एवं सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली व राजीव कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के कुशल नेतृत्व में अशोका केमिकल्स एजेंसी मछोदरी पार्क मोहल्ला कतुआपुरा के गोदाम का ताला तोड़कर आलमारी में विक्री के रखे रुपये, गोदाम कार्य हेतु प्रयोग किये जा रहे लैपटाप, पेन ड्राइव व अन्य सामान चोरी के मुख्य आरोपी शातिर चोर मनीष गुप्ता गिरफ्तार को गिरफ्तार करते हुए उसके पास से चोरी किये गये 101900/- रु नगद, एक लैपटाप व एक पेनड्राइव तथा घटना में प्रयुक्त वाहन मोटर साइकिल लोहे का कटर व काले रंग का बुरखा बरामद किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह, स्थानीय संपादक प्रिया दूबे,** कुतुलूपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
सम्पर्क : 9473893322
7309842122 (विज्ञापन)

कतार में खड़े लोगों का सब्र टूटा, दिया धरना

वाराणसी। लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में वाराणसी संसदीय सीट के लिए होने वाले चुनाव की खातिर नामांकन दाखिल करने वालों की होड़ मची हुई है। पीएम मोदी के सामने मैदान में उतरने को लोग बेताब है। यहीं कारण है कि शुक्रवार को भी कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नामांकन स्थल पर पर्चा खरीदने वालों की चौथे दिन भी लंबी लाइन नजर आयी। घंटों इंतजार करने के बाद भी नंबर न आने पर कतार में खड़े लोगों का सब्र टूट गया और धरना-प्रदर्शन करते हुए प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। हालांकि वहां सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों ने सभी को किसी तरह शांत कराया।

वाराणसी में पीएम मोदी के उतरने के कारण चुनाव लड़ने के लिए देश भर से लोगों की होड़ मची हुई है। इसका नतीजा रहा कि शुक्रवार को भी नामांकन पत्र लेने के लिए कलक्ट्रेट पर कतार दिखाई दी। मशहूर कॉमेडियन श्याम रंगीला को भी फार्म नहीं मिल सका। उसने इसकी शिकायत चुनाव आयोग से की है। उन्होंने स्थानीय जिला प्रशासन को इस बाबत दिशा निर्देश देने की गुहार लगाई है। वाराणसी में 14 मई नामांकन की आखिरी तारीख है। हालांकि 11 और 12 मई को अवकाश के कारण नामांकन प्रक्रिया बंद रहेगी। ऐसे में अब केवल दो ही दिन बचे हैं। गुरुवार को भी नामांकन पत्र लेने पहुंचे लोगों को छह घंटे से ज्यादा समय तक लाइन में लगने के बाद भी जब पर्चा नहीं मिला तो हंगामा किया था। देर शाम तक धरना-प्रदर्शन भी चला। पुलिस ने केस दर्ज करने की चेतावनी देकर धरना खत्म कराया था।

शुक्रवार को सुबह से ही नामांकन पत्र लेने के लिए लोग पहुंचने लगे थे। इनमें कई ऐसे थे, जो देश के दूसरे राज्यों से पहुंचे थे। एक तरफ नामांकन फार्म नहीं देने का आरोप लग रहा है तो दूसरी तरफ नामांकन फार्म ले चुके लोगों को जमा भी नहीं करने दिया जा रहा है। फार्म जमा करने पहुंचे राजा सक्षम सिंह योगी ने आरोप लगाया कि हमारे प्रत्याशी ने पहले सेट में पर्चा दाखिल किया तो एक छोटी सी गलती रह गई थी। इसलिए आज दूसरा पर्चा दाखिल करने पहुंचे थे।

लोगों ने आरोप लगया कि कहा जा रहा है कि अब 13 मई को आइएगा। हम लोगों ने अपनी बात रिटर्निंग अफसर तक पहुंचानी चाही तो वह भी नहीं होने दिया गया। कहा गया कि वह अंदर बैठे हैं और व्यस्त हैं। हम लोगों ने कहा कि रिटर्निंग अफसर से मिलने के लिए हमें अंदर जाने दीजिए या उनको बाहर बुला दीजिए। जब अंदर जाने का प्रयास किया तो हम लोगों के साथ धक्का-मुक्की की गयी। उसने आरोप लगाया कि अब मुझे यहां नजरबंद कर लिया गया है।